TECHE UDINE

MANOSCRITTI

FONDO PRINCIPALE

Manoscritto n. P_MSS_4508

Nel Fondo Principale sono confluiti la maggior parte dei lasciti manoscritti pervenuti alla Biblioteca Civica «Vincenzo Joppi» nel corso del tempo: si tratta perciò di un fondo composito nel quale è possibile trovare manoscritti di argomento liturgico, scientifico, giuridico, botanico e altro.

Collocazione:

Biblioteca Civica "Vincenzo Joppi", Udine
https://www.techeudine.it/fondo-principale
https://www.sbhu.it/

॥श्रीगणेशायनमः॥श्रीवृंदावनचंदजयु
अथअमरचंद्रिकाग्रंथलिष्यते॥दोहा॥
छत्रचँवरग्रहसतबदनराजतिलकछ
बिमाथ राजतराजसिंघासनैंजयतिजा
नकीनाथ १ कवित्त जोधपुरराजमहा
राजश्रीअजयसिंघनवकोटीनाथगाथप्र
सिधबषांनियें तिनकेसचिवरायराया
श्रीअमरसिंहकोबिदसिरोमनिजगतज
सगांनियें तिन्हांमिश्रसूरतसुकविसोंह
पासनेहकरिकैंकहीयोंऐकबाततउरआं।
नियें कविनविहारीसतसयातापैंटीका
कीजैजाकोंसुषदाईनीकोअर्थयातैंजांनि
यें १ दोहा औरकहीमहाराजकैं इहैयं
पुअतिहेत तिनकीरुचिकेहितचेरब
नाअर्थनिकेत १ योंसु[illegible]
बचनरचनअति[illegible]सुषदपदनैं

२ स्यौ अमरचंद्रिकानाम बंसबर्नन दोहा
नेनारी परसिद्ध जग नाहल्लागुनधाम
प्रगटे तिहिकुलदीपज्यौं दीपचंद इहि ता
म १ तिनके सुत सब गुन सरस रायसी
ह बिष्यात प्रगटे तिनकैं षीवसी महासु
जस अवदात १ जिनकौ अतुल प्रताप गु
न गावत देस बिदेस तिनकैं परम प्रवीन
अति प्रगटे श्री अमरेस १ तिनक बिसर
ति मिश्रसौं कीनौं परम सनेह सबै भांति
सनमान करि कह्यौ ग्रंथ करि देह १ अत
कुल कबि पद बीदई कह्यौ बचन परसंस
सदा तुम्हारे बंस कौं मांनि है हमरो बंस १
पंडित कवि चातुर सुलह अलंकार जिनवि
ने ते या अमल षिरी जिहें इकें दोषी बिनु
[illegible] रसै चौरानवैं अभ्वनि सुदि रु
[illegible] द्रिका ग्रंथ कौ बिजय दस

मिश्र वतार अथ ग्रंथ प्रसंग आरंभते अ
थ नक्षिमारग के दोहा तिनकौ बाषांन मे
री भव बाधा हरौ राधा नागरि सोय जातन
की झाईं परैं स्याम हरित दुति होय १ टीका
प्रथम मंगलाचर्न इह कवि की जितनी जा
नि प्रगटत अपनी अधमता अधिकाई धं
नि आनि १ जितौ अधम तितनी बडी नव
बाधा यह अर्थ वहिं हरिबे कौं चाहियै को
ऊ बडौ समर्थ १ नर बाधा कौं सुर हरें तसुर
बाधा ब्रह्मादि ब्रह्मादिक की बाध कौं हरत
जु स्याम अनादि १ लषि राधा तिन स्याम की
बाधा रहत तिन कोय याते मो बाधा हरौ राधा
नागरि सोय १ जिनके इक छिन बिरह मैं
स्याम बिकल बिलषात पुनि तिन तन झां 2
ई परैं होत कहत कहे गात १ बाधा [illegible]
नाथ की हरत जो गाजे आहि हेतु पद पर

२ कीबाधाहरौनिबाहि १ इहबिधिसबौंपर
परमइष्टजांनिसुषकर्न यातेंइनहीकौंधर
स्यौप्रथममंगलाचर्न १ अलंकारइहिंग्र
थंमेंकाव्यलिंगहैजांनि अबताकौलछि
नसुनौग्रंथनिमतचितआंनि १ काविलिं
गसामर्थताजहांदिढकहतप्रबीन स्यांम
वबाधाहरनकौंदृढसमर्थताकीन १ द्वि
तीयअर्थ मेरीभवबाधाहरौराधानागरि
सोय कैसीहैतिनकेसुनौइमबषांनिकवि
लोय १ जातनकीझांईपरैंनैंकध्यांनमैं
आय इरिहोयस्यांमत्वतमउतिजुमतक्र
धिकाय १ इहांद्रूसामर्थताद्दढदिषाईका
व्यलिंगालंकारहै तृतीयार्थ वेराधाबा
धाहरौपीतरंगजहोत तिनकीतनझांईपरैं
स्यांमत्वहरितरंगहोत १ इहांहेतअलंकार
[illegible] कारिजजहांकहैंहेतकौविरा

जे छीयापीतरंगस्यांमपियहेतहरितरंगका
जे १ राधानागरयौंपावतौश्रीकलपतरअ
र्थ वेमेरीबाधाहरौराधानागरसोय जिन
केसुमिरनतैंकहीइतौमहाफलहोय १
जिनतनकीझांईपरैंस्यांमध्यांनमैंआय
हरितकौउतिसौहोयवहसारूपहिकौपाय
१ इहांतद्गुनअलंकारहैलछन तदगु
ननिजगुनतजिजहांऔरेगुनलपटाय ह
रिझांईतैंहरितयौअपनौरूपनसाय १
औरकअर्थअनेकबिधिकहतमंगलाच
नें कहेनभयबिस्तारकैंसुनडूसबेसुषक
नें १ दोहा सीसमुकटकटिकाछनी कर
मुरलीउरमाल इहबांनिकमोमनसदाब
सौबिहारीलाल १ टीका इजेदोहामैंकृ 3
ष्णबउसरूपकौध्यांन जातें [illegible]
सैबिघनहंदबलवांन १ इसुषदपदकै

३ कारहे जातिसुजेसोजासुको रूपकहेतिहिं
साज सोहांप्रभुवांनिकजुहौकह्योसुत्यौ।
कविराज १ दोहा मोंहनमूरतिस्यांमकी
अतिअदुतगतिजोय बसतसुचितअंत
रतऊप्रतिबिंबितजगहोय ३ टीका मू
रतिजोहेस्यांमकीतामेंअद्भुतभाय ताकों
अबबनेनकरतसुनऊसुकविकविराय
१ चितकेअंतरबसतिहेबाहिरआवेहहै
सकलजगतमेंदेषियेइहीसुअद्भुतसिष्ट
१ कोऊपदारथकलंकेअंतरधस्योजुहो
य बाहिरनहींदीसतसुतोयहसुरीतिजग
जोय १ रीतिछाडिओरेंकछू रीतिसुअदु
तजांनि यातेंयहअद्भुतकह्यो दोहामध्य
बषांनि १ अद्भुततोयहअतिकह्योअ
[illegible] षांन स्यांमबस्तमोहेमनहिं
[illegible] सुजांन १ कोऊबाननसें

नवैदोऊअर्थसुतांदि कोऊकोऊबस्ततो
असीहैजगमाहिं १ बसेसुअंतरबाहिरें
दीसतहैसबठोर ज्योंदीपकफांनूसमें
सुष्फीनेंपटओर १ फीनेंबादरबंदरवि
नृमलजलयाषांन असेंतौहोतहिसुक्यों
अद्भुतकहतबषांन १ जोकदाचिकोऊ
कहेएसबअद्भुतपाय सुतोनअद्भुतति
हिंकहेदूजोगोरलषाय १ स्यांमबस्तमो
हतिनहींयहसत्यनहींबात कितीयक
बस्तजुस्यांमहेंमोहतमनविष्यात १ नें
नपूतरीकेसअरुअंजनतिलइत्यादि या
तेंइहीअर्थवहेअतिकोकीयोसुवादि १
जोकदाचिअैसेकहोयांतूसादिकरीति
एईक्योंलीजेअवरक्योंनलेहकविजाति १ 4
ज्यों सिंदूकमेंबस्तुअरुजोघ[illegible]
संपुटमेंनगएसुक्योंकहेंनस[illegible]सुघटपदस्तो

गाढेगाढेआबरनबकृतबस्तसंसार तेत
जिकैलीजैसुक्यों पांन्नसादिबिचार प्रश्न
तहांसुनौंह्यां तौ कही चितअंतरकीबात
चिततौनिर्मलरूपहै पवनरूपबिष्यात १
ऐसेकेभीतरजुहै बाहिर सो फलकाय ए
तेपरचितस्यामके नक्कहिकौं यौं पाय १
संसारीकौचितनहीं आहिजुकहै मलीन
संतनकेमनहास्य एउजलकहे प्रबीन १
[illegible] तातैं कोऊअर्थ नहिं समाधान
कौआहि अंतरकहीसुबाहिरै बकृतब
स्तदरसाहि १ स्यामबसतमोहनतबहि
सोऊलषीबकृगौर यातैं याकौ प्रश्नहीर
च्यौसुकबिसिरमौर १ औरप्रश्न इकआ
सहीयह [illegible]जुअर्थकीरीति कहीसुअस
[illegible] होनकबिकीनीत १ अंतर
[illegible]रसुतोदरसआभास ताको

प्रतिबिंबनकरैं छायापरैंलषाय १ यह
तौ कीनेंष्वर्नेकौ दरसन बरन्यौ सोय यातैं
याकेअर्थकौसबदसमर्थनकोय १ उत्त
र तहांअर्थअबबहकहत जामैंअद्भुत र
होय अवरसुपुनिअतिअक्त तौ नासेज
हंबिधिहोय १ चितअंतरहैस्यामकीमूर
तियहसुबषांन चितकौं निर्मलता सही
करी अर्थबिधिजांन १ जैसैं मधि पांन्नस
कैं दीपसुथाप्यौ आनि जगतरीतितैं बि
धिनई सोअद्भुतगतिजांनि १ पहिलैंसु
तियेंरीतिजौ जोदर्पन ढिगहोय तौ पांन्न
सदियासहित दीसेंबुहुंमधिसोय १ सो
तौ निर्मलबस्तमैं दीसेंप्रसिद्धप्रबीन त्यां
तौ जगमैंलषिपरै सेजगमहामलीन १
सबकेमनसंसारतौ मैलौनि[illegible]
सो कहौप्रतिबिंबितहि ल[illegible]

५ मांहि १ यहीसुअप्रस्तुतगतिनई नईरीति
यहजांनि जामेंप्रतिबिंबनपरैतहांपर्यो
यहमांनि १ यहतौअप्रस्तुतसमझियेकही
जुरीतिनवीन अबअतिअप्रस्तुतजोकह्यो
सौअबसुनऊप्रवीन १ दर्पनमैंपांनूसर१
अरुदीपकउबोलषांहि यहनदीयोई१
दीसईपांनुसदीसैनांहि १ तहांअधार
पांनूसहैदीपकहैआधेय दोऊजहांदी
सैप्रगटइहसुरीतिजगनेय १ इहांकृतौ
चितअंतरहिबसतिजुमूरतिस्यांम तौचि
तहैआधारह्यांमूरतिआधेयनांम १ च
हियैदोऊदीसहीइहांसुइहीविधिनाउ
प्रतिबिंबितजगहोतहैमूरतिइकहिलषा
उ १ इकबाचीहीसहहैप्रतिबिंबतजग
...इहोतौतहांचितमलतैसोइ
...आधारसौनाहिप्रतिबिंबतनेय

यहअप्रस्तुतआधारबिनुदीसैजहांअधेय १
तऊसबकौअर्थयह बसतिजुमध्यआधार
तऊइकहिदीसतयहैअतिअप्रस्तुतसुविचा
र १ इसांविशेषालंकारहै सोबिसेषआ१
धारबिनुजहांअधेयजुतिदेइ चितअधार१
दीसतनहींमूरतिदिपतिअधेइ १ दोहा॥
तजितीरथहरिराधिकातनदुतिकरिअनु
राग जिहिंब्रजकेलिनिकुंजमगपगपगहो
तप्रयाग ४ प्रश्न तनदुतिपदयहअधि
कसौकहौप्रजोजनतास उत्तर तनदुति
पदहीतैंकह्यौ रूपप्रयागप्रकास १ जिन
केपगपगधरतब्रजहोतप्रयागसरूप जे
रस्यांमगंगाजमुनपगतरसरसतिरूप १
वार्ता कोऊकोऊदंपतिकेअनुरागकेंसर 6
सुतीकरिकैंकहतहै प्रश्न कौ...तीर
थतजन तनकदोषयहकाज सुपदपद...

६ पतिपगनिपगपगनीरथराज १ अलंकार
ह्यांजानियौंनामअनुज्ञाबिचारि अंगीकृत
तनुदोषजहांबमगुनलालनिहारि १ अन
अर्थ औरअर्थइकजिहिसमैंचलेमधपु
रीस्यांम रथचटिकैंअक्रूरसंगतहांकहति
कोबांम १ तजितीरथहरिकोउहांराधहिं
जाथसंभारि स्यांपगपजुनकतिनिगस्यौ
तपअफयागबिचारि १ जहांकेतनकक
हतहैंहरिअनगमनउपाय केसैंधौंजेहैं
लेहसुखिराधहिंयौंसमफाय १ सीतउस्न
सहिबोसुतपयागसुबकुफलदाय तहांअ
स्नमगहस्तक्यौंतनतोमबइहजाय १ उत्त
र तहांकहियेमगहस्तहीदेतबटोहिनिदां
उ यातैंतपअफयागकोजोगइनहिंइहर
जोन १ औरपलअैसैंसकलदेसनिकं
[illegible]जज्ञाहिकलोकरतसुवेकि

हिंप्रीति १ तहांउत्तरअनिवांननकसकल
कालफलदांनि स्यांब्रजमैंसबरितुसदा य
हबिसेषउरआनि १ इहांकाव्यलिंगअलं
कारहै काव्यलिंगसामर्थताजहांदिढकरि
येआंनि हरिअनगमनसुदिटाकियो तकत
पजज्ञबषांनि दोहा सघनकुंजछायासुष
दसीतलमंदसमीर मनकैजातअजौंवहेवा
जमुनीकेतीर ५ टीका यहांअर्थजिहिथ
लकियेपियसंगसुष्पअपार तिहिंथलकी
सषिसौंकहतरीतिसुबिरहमंफार १ सषि
अवकवाथलगयैंवहीसुमनकैजात जनु
पियसंगहैतहांहसत करत बिलासनिवात
१ प्रश्न तहांप्रश्नयहबिरहमैंबस्तुषद
सबहोय यहांकह्यौछायासुषदबनैनय
हपदसोय १ उत्तर जबमनबहइकैगयोत
बसबसुषदसरूप यातैंहैवहसुषदपदसो... 7

७ बनहीकविरूप १ पुनःप्रश्न तहांसुनौंअ
बतौनरूनिउहिंथलसोयहमांहि बानैंब^
हथलकीकहतबेगीनिजयहमांहि १ बाज
मुनाकैंतीरयौंकह्योबचनयहबांम यातैंजा
नीजातहैअबनहिंयहउहिगांम १ तबतो^
याहिबिजोगहीहैसबबिधिसुधिजाहि कै
सैंवाहिसुषदकहै बनैंनकहतैंताहि १ उ
त्तर सुषदजुनायकतासकौसघनकुंजकी
छांह मनक्षेजानअजौंबहैजातसषीनिहिं
मांह १ प्रश्न बाजमुनांकेतीरजोकह्योस
षइहिंगोर नौकहैजमुनाइसरीहैकोऊह
जमैंओर १ उत्तर जमुनांकेवानीर ऐसें
अथलहोइहां नीरबकुंतकविधीरजहां
कुंजछायासघन १ इहांअनमंनअल
कारहै कछुलषिसुनिसुमिरनजहांहोयसु
मतिपरकास सुलोकुंजलषिकैनएसुमिर

नपीयबिलास दोहा जहांजहांगादोलषो
स्यांमसुभगसिरमोर उनकबिनुछिनुगहि
रहतहगनिअजौंवहगौर ६ अलंकारसमृ
तहै लक्षन उनिस्थलनिकीसुधिकरतिहै
दोहा सषिसोभितगोपालकैं उरगुंजनकी^
माल बाहिरलसपियैंमनौंदावानलकी
ज्वाल १ प्रश्न गुंजमालगोपालकैंबरनत
सोभाचाहि तहेंदावानलसौंउपमकहैंअ^
मंगलआहि १ उत्तर गुहीसोतिकेहाथकी
पहिरैंमालगुपाल जांनिपरतइमिबचनतैं
हियैईरषाबाल १ इहंअलंकारउक्तासप
दबलक्षनसाहै उत्प्रेक्षाअंकमैंजहांसंभ्रा
वनअरूहोय बस्तहेतुफलमयत्रिबिधिमनु
जनुपदतहंजोय १ तहांबस्तउक्तासपदअ
नुक्तापदजांनि हेतुरुफलसिद्धासपदअ^
सिद्धासपदमांनि १ गुंजमालइहिंवस्तमैं ८

८ करीमंभावनज्वाल मालउक्तउक्तासपद
मनुपदप्रगटरसाल १ दोहा चिरजीवोजो
रीजुरैं क्यों नसनेहगंभीर कोघटिएहषभ्रा
तुजावेहलधरकेवीर ८ अर्थ यामेंसषि
कीउक्तियहक्योंननेहअधिकाय दोउनि
कोसंबंधइकथाप्योयुक्तिबनाय १ उत्तम
हेतसमोनकोयहप्रसिद्धहेबात हषभांन
हलधरउवोअगनितेजसरसात १ हष
सूरजमैंतेजअतिअर्थकीयोहषभांन सेस
नागहलधरसुनोमहासुतेजनिधांन १ प्रश्न
वेउहिताकरिकैंकहीएजुकहेबलभ्रात
इहांमित्रसंबंधसोवननतनइकसीबात १
उत्तर दुक्षघासपतिएकसीप्रीतिनतहांबर
मांनि मित्रमित्रकीअधिकईप्रीतिअधिक
नहांजांनि १ ज्योंनृपनृपधनीधनीइकसो
सषनिजगेह क्योंकिनएसुषमित्रकेचहैंजु

करिकरिनेह १ महाधनीअरुनृपतिसोंदि
नदिनअधिकैंप्रीति इकअगपासुषचहतहैं
इकधनसुषइहरीति १ तातैंमित्रसंबंधमें
योंरसवढतअपार कह्योइहांक्रमसमझिये
सासनवलनिर्धार १ इहांसमअलंकारहै
जहांमिलैंअनुरूपकछु सतअसतैंसमचाहि
समप्रभावकहिउजांनिकोजिहितैंअतिहित
याहि वार्ता कोककोकअरूपहलहषभनको
संबंधकहतुहै दोहा नितप्रतिएकनहीर
हतबेसबरनमनएक चहियतजुगलकि
सोरलविलोचनजुगलअनेक ए प्रश्न
वयमनइकइकबरनकिमिवेसुगोरवेस्या१
म उत्तर वेसमनस्कतिएकसीतनमनइक
धुनिधांम १ इहांसमअलंकारहै जथा१ 9
जैसाकोसंगजहमिलेसुसमनिर्धारि इहांवे
समनकरिद्वोइकसेमिलेविचारि दोहा॥

९ मोरमुकटकीचंद्रकनियोंराजतनंदनंद
मनुससिसेषरकीअकसकीयसेषरसतचं
द १० अस्य ससिसेषरतिनसौंअकसकह
अधरेसतचंद उत्तर शिवजुजरायोकामसो
उपजायोनंदनंद प्रस्न तहांप्रस्नतोशिवहि
येअकसबढीइहिंकाम मोरिकबोसुरथा
कियोअकसबनेनहिसाम १ उत्तर ससि
सेषरकियअकसचितयहलषिचितनंदने
द निजप्रभावसुदिषावहीधरिसेषरसतचं
द १ चंदहिधरनप्रभावकिमि इक्कतोइह
कांएक फेरजरावहितोइहांसुधाधरअसु
अनेक अतिसायोक्ति हेतुत्प्रेक्षालक्षिन
है मोरचंद्रकनिमेतरके ससितत्प्रेक्षाजानि
हेतुअकसअसिधासपदअकसअसिभव
हमानि दोहा नाचिअचानकहीउवेबिनु
पावसवनमोर जांनतिहोनंदितकरीयहहि

मिनुमलकिसोर ११ अर्थ पत्रीआदिसंदेस
केसप्रियनकरेउपाय इकसषिआयकलो
नवलिमोरनृत्यतिहिदाय १ आवनसोपरदे
सतेंसहीइहांसोअर्थ बिनुपावसमचेनहीस
षीसुलषोसमर्थ १ वार्ता इहांउदेसदसाजा
निये उपायकरतहांस्योहीयहसषीनेआय
कह्योअनुमानतेंआगमजान्यौं इहांअनुमा
नालंकारहै हेतुपायअनुमानतें समुझलेत
अनुमान मोरनृत्यतेंलदिपस्योश्रीवनस्या
मसुजान वार्ता हहितार्थ मोरनाचउठेते
तैस्यामआयोयहमैंजानीयहअर्थपुष्टही
अरथलहिताकोकरतयहदिसतहांबनैंन
तेरयहयेंचाहियेदिसअसमर्थसुश्रेन १
अन्यसंजोगसंसयकरततहांयहनिश्चयेय 10
कोहि किउंकेघरकैयरिकमैंहैहरिल्येनजा
हि वार्ता यातेंलक्षिअन्यसंजोगसंसया

अर्थापत्तिअलंकारलक्षण दोहा प्रलय
करनबरसनलगेजुरिजलधुरइकसाथ सु
रपतिगरबहरयोहरषिगिरिगिरधरनाथ
१२ प्रश्न जुरिकेंग्रोइकसाथकोएकैअर्थ
प्रसिद्ध इहोप्रश्नपुनिरुक्तिक्यौंकहीकहो
बुद्धिहाद्ध १ उत्तर प्रलयकालकेमेघबक्र
बरसततोइकसाथ कहाकिइकहीसमयमें
पायसासनंनाथ १ पैजुरिकहइकवेनहीं
कैबरसतइकवोर क्योंकिभूमिकेबकतर
थलदेसनगरबनश्रोर १ नासकियेसब
चाहिये प्रलयमन्तरतमांहि यातेंबरसेनि
नकैजुरिवेबरसतनांहि १ ह्यौब्रजतोहै
एकतहग्रपादीसुरनाथ यातेंजुरिसब
एकठेबरसतहेंइकसाथ १ काव्यलिंगा
लंकारहै काव्यलिंगसामर्थताजहांहढ
कहनजताय गर्वहरनसामर्थताहढगिर

धरिवौजाय दोहा भिगतपांनिदिगलात
गिरलषिसबव्रजबेहाल कंपिकिसोरीह
रसिकैपरिलजांनेंलाल ३ टीका ग्रीया
हरससात्वकनयौ करकंपितइहिंहेत गि
रिभगिरैंहुजजनडरतलषिहरिलोजतचेत
१ जबनिरषीसात्विकक्रियाप्रियाअंगकै
माहि नवमुलजानेहरिषरेमतिमुप्रीतिल
षिजांहि हेतुअलंकारलक्षण हेतुजहांकारन
सहितकाजकहेकविराज हेतुबिहालव्र
जकेपरकारनलाजमुकाज दोहा तोपैंर
कोपैंइंद्रलोंरायेंप्रलेअकाल गिरधारीता
बसबैगोगोपीगोपाल १४ परिकरांकुरअ
लंकारहै साभिप्रायविसे
षजहांपरिकरअंकुरजांनि गिरधारीयह
नांमलांसाभिप्रायबषांनि १ समताबनेग्र
नेककीबडजसांवलअनुप्रास तोपेंकौमैराप

११ हीअनुप्रासइहंनाम दोहा लाजगहौबे
काजकतघेररहेघरजांहि गोरसचाहतफि
रतहीगोरसचाहतनांहि १५ अमकालंका
रहै न्यारेन्यारेअर्थपद इकसेजमकबषा
नि गोरसइपदजिनअरथबानीरसदषि
जांनि १ गोसवकोतदीनअर्थनमिदचो।
जाहै दोहा मकराकृतगोपालकेंसोहत
कुंडलकांन धस्योमनोंहियघरसमरको
दीलसतनिसांन १६ टीकाबस इहांप्र
त्यकहस्योमुजबनयेकांममयमोय न
बकुंमलपहिरेमुनोऊंतेसिसरूपजोय
उतर नृषनजोबनहीलसतइहथसिद्ध
जगजांनि इहांलसतकुंमलकह्योलेसमु
भबहीमांनि १ सहजनिसांनधररहे दो
दीमुदितरूप नृपसमआवतभारपैओर
न्लिसनिसरूप १ लोभवाळ कांमसु

उपजतमनहिसैहेमनोजइहिनांम इहांक
होसुप्रवेसकविकहोकुंतेकिहिनांम उ
तर मनमेंउपजतमरनसोआलंबनबिनु
नांहि सोआलंबननायकासुनोअन्यथल
मांहि १ तरुनीचोरगयोनवहिजबमन।
मोजुनकांम अबनिजतनआयोनहींकेस
कांमगुंनधांम १ यातेंकलोप्रवेसदीज्यो।
कऊंराजदिपाय आवतनृपकेनिजघुरे
सुवहरीतिदरसाय यामेंउक्तासदवस्ता।
लेछालंकारहै कुंडलबसतउक्तयांत
केकरीकिनिसांन उक्तआसपदबसतकी
उसेहामनुवांन दोहा मिलिपरछांही
जोंन्हसोंरहेउकुंनिकेगात हरिराधाइक
संगहीचलेगलीमेंजात १७ समामीलिता।
लंकारहै मीलितअहंसाजस्पतेंभेदनमोमो
जाय परछांहीपियजांनितियमिलेनपरकै

१२ तनअघाय दोहा मोपिनुसंगनिसिसरदकी
रमितरसिकरसरास लह्योछेहअतिगति
तुकीसबनिलयेसबपास १८ विसेषालं
कारहै एकवस्तुजहांबरनियेठोरअनेक
बिसेष इहांरसिकरसरासमैंसबसंगलै
घ्योसुलेष वार्ता लह्योछेहबालाकौ
कहतहै अबजोईस्वरताकेपक्षलगाई
यतोईस्वरकीगतिकोसीघ्रताकहीये दो
हा मोरचंद्रिकास्यामसिरचढिकेतकर
तगुमांन लखिबीपायनपरलुटतसुनि
यतराधामांन १९ टीका प्रियामांनकी
मोकसुधिनपियाहितिहिंबार कोऊ
सषीसुधिदेतकहिलषिहरमजतसिंगा
र २० निकटसपीतिहिंसोकहतमीतहि
बचनसुनाय गरबकरतिकिमिचंद्रि
कोलषिबीपरसतपाय दोहा गर्वेसुक्यो

करिकोविप्रैंकहोचंद्रिकामांहि उत्तर इसी
गर्वैनिजअंचलामोननिमोसमनाहि इसे
नितप्रपर्यायोक्तिअलंकारहै पर्यायोक्ति
सुभतिनरहकछुरचनासोंबात स्येमान
कह्योनहीकह्योरचनसरसात दोहा मो
हनओटेपीतपटस्यामसलोनेगात मनो
नीलमनिसैलपरआतपपर्योप्रभात २८
उत्प्रेक्षा [illegible] है उक्तगातपट
बरूपेतकेनीलगिरिरूप उत्प्रेक्षासयदव
स्तुकीउत्प्रेक्षामनुरूप दोहा कितीनगो
कुलकुलबधूकाहिनकिहिंसिषदीन कौं
नेतजीमकुलगलीकैमुरलीआधीन २१
बिसेषोक्तिअलंकारहै होतुनकारजहै 13
तसबबिसेषोक्तिपरतीत सोत्यांप्रीयानि
कैंबहीरहीकुलगलीभीत दोहा अवराध

१४ रतहरिकैंपरतञ्जोवदीविपटनोति हरित
बांसकीबांसुरीइंद्रधनुषरंगहोति ११ अ
तद्गुणालंकारहै तदगुननिजगुननजि
नहोंओरैगुनलपटाय जदैवासुरीइंद
धनुओवञ्जादिरंगपाय इतिनक्रिमार
गकेदोहा अथबिहारीसतसयाके
कमकाबांध्यानदोहा कियोबिहारी
सतसयासुतोअरगजाबेस मिसलबा
रपैइहनईटीकाहितअमरेस १ चमत्का
रहीमुख्यहैयासतसैयामांहि नहीअनु
क्रमनायकाग्रंथरीतियांमांहि १ तदपि
यथाक्रमदेषिकैंबरनैंपंचबिलास प्रथ
मनक्रिमारगहिकेदोहाकितकप्रकास
१ इतिसिंगाररसमांतिवङबरनैपौरासि
कसुजांन प्रस्ताविकपुनिकहिकहीअनो

कतिबिधिओनि १ बङरिमांतरसनोति
इहंक्रमकोलयौप्रकार कह्यौनक्रिमारग
सुअव बरनतरससिंगार इतिश्रीअमर
चंद्रिकायांअमरसरतिविलोतरेनक्रिमार
गदोहाबरननंनामप्रथमोविलास १ अ
थसृंगाररसव्याषांनआरंभ्यते तत्रप्रथम
वैसंधिबरनैनं दोहा छुटीनसिसुताकीझल
कझलक्योजोबनअंग दीपतिदेहदुऔ
निमिलिदिपतिताफतारंग २३ दोहामें
तदगुणअलंकारहै उपमेयरुउपमा
धरमबाचकहैजहांपाव इकबिनुद्वैबिनु
त्रिबिनुसोलुप्तोपमबिधिआव १ देहइहां
उपमांनहैताफतासुउपमान दिपतधर्मइ
नपदनहींबाचकलुप्तजांन दोहा नियु 14
तिपितरुनिकिसोरबय पुन्यकालसमदो
उ काहूपुन्यनिपाईयतुबैससंधिसंक्रोनु

२४ अथ तियतोतिषित्र्यकतम्हनिवहजो
किसोरवयआहि पुन्यकालकेसमसुकह
तियकोआरस्तुवाहि अथ तसंक्रमयइ
हबिषितरनि किसोरत्वपरमोनु वहजो
वयातियअंगझलकपुन्यकालसमजोनु
अवस्था सरजइहांकिसोरबयसोनव
नैसमताय सरजयरसेरासिद्व तहांसंक्रम
नगाय १ सोकिसोरजोबनसरसनहिसि
सुताकोलेस वयसंधिवेतातिहिकोंकहतसि
सुताजोबनबेस (अथ हेकिसोरबर
बयतरुनिद्रुकंकबीचजुआहि सिसुता
जोबनमधितरुनिज्यौंदुरासिमध्यचाहि
१ पुन्यकालसंक्रमनितियपुन्यउदेकों

काल जिंहकीपियकेलालसातक्योकरति
अतिबाल यथा पुन्यकालएकहीसहमंद
नावकदेइहांसबिषयसावयवसकलव
सतुबषानि रूपकोजियेंज्यांबयहिअंग
संक्रमनजानि दोहा लालअलोलिकेल
रकईलषिलषिसषीसिहाति आजुकार
लिस्मैंदेषियतउरउकसोहींभांति २५
अथ अज्ञात यौवना है लोककहतनिवने
नअहो लोकोकतिकहिताहि आजिका
लिवहलोककीकहनिप्रसिद्वचितचाहि
जोबनवर्नन दोहा नावकउमसेहोंन
योकछुकपस्योनदआय सीपहराकेमि
सहियोंनिसदिनहेरतजाय अथ पर्यायो
क्ति अलंकार है छलकरिसाधियइष्टज
हंपर्यायुक्तिविसिष्ट सीपहराकेमिसहि 15
योलषतिसुसाधतिइष्ट दोहा रुकनीजव

हवैंपरे बूडेबहेहजार कितेकभोगुमजग
करत नैबैचटतीबार २७ प्रश्न नदीचदेंकैं
पछलगैं जीजनआदिप्रकार बयकेचहेंसु
किमितहां जीजनादि बिबिधिबात उत्तर जी
जनादिकेरूपतेकहेसुआरप्रकार उहांबै
सकोदरससोआरप्रकारबिचार १ श्रवन
सुप्रश्रोचित्रपुनि प्रतिछलषनदहआय
लगनलगतक्रमक्रमसुद्रषपरतैंपरप्रभि
काय १ जिनबयसुनीसुदुषत्रयोजीजन
कोसोवाहि जिनसुपनैंदेषीसुछबिवह १
लैंपरेसुचाहि १ चित्रदेषिबूकेनिसमदु
षसुनयोतबरूप. प्रतछिमांहिबहिबोमर
दुषदैंअपारजुसरूप उल्लासाअलंकारहै
एककेगुननैंदोषजहां सोउल्लासकबिभूप
मैंबकोचहिबोसुगुन औरहिंदोषसरूप
दोहा अपनेअंगकेजांनिकेजोबननृपति

जिन श्रवन सुने ... ते ... करते ... नदनि ... जिन सुपनें देषे सो ... जिन चित्र में देखे को ... जिन ... कारो

[illegible]

प्रवीन सनमननैननिनबकौंबमोइजाफाकी
न २८ ग्रंथ प्रत्नइजाफावमकहातहोउत्नर
इहजांनि अत्र जोबनमैंसबअंगबदनइ
न्हेंबदनिअतिमांनि १ मर्जादातैंबकसहे
बमोइजाफासोइ निहिंसुपायसोजाजगत
पावतहेसबकोइ १ बात उरजादिककी
सोभाअतिबढीयहीबमोइजाफा इहांहेत
उत्प्रेछाअलंकारहे औरबसमैंओरकी
संभावनजहांहोय बस्तहेतफलमयत्रिर
विधउत्प्रेछाहेसोय १ अपनेअंगकेजोनि
कैंइहतोहेतुबिचारि तरकइजाफाकीकरी
मनोअपेपबिधिधारि काव्यलिंगअलंका
रहे काव्यलिंगसामर्थताजहांहृढकरति
सुजांन बकेइजाफामैंबदनजोबननतनीसु
मांन दोहा देहदुलहियाकीबढैंज्योंज्यों
जोबनजोति सोंत्योंलखिसोतैंसबैबदनम 17

लिनद्युतिहोति २४ उल्लासअलंकार
इककेगुननतैंदोषजहांऔर हिदोषउला
स दुलहीकेगुननतैंबन्यौसौतिनदोषप्रका
स दोहा नवनागरितनमुलकलहिजो
बनऔमिलजौर घटिबढितैंबढि घटि
कमकरीऔरतैंऔर ३५ उल्लास जोरसह
कौभावकहतहांइहांबिधिसुनिअर्थ
उत्तर कादिदईसिसुनउरज बढिघटिक
हिसामर्थ वार्ता औरकौअर्थजुमैल्महै
याहीहामैपारसीसहबकतहै जथा तन
मुलक औमिल रकम तैसैंहीजौरहै
सबिषयसावयवरूपकाअलंकारहै रू
पकसबिषयसावयव सकलबस्तनिर
धार जोबनऔमिलतनमुलक घटि
बढिऔमिलबिचार दोहा लहजहा
त्तितनतरुनई लखिलगलौलफ्फिजाय

लगीलोकलोयननरीलोइनलेतिलगाय
३६ प्रतीपअलंकारहै उपमेयरुउपमा
धरमअरुबाचकजहांहोय सहमोहिभ्रा
रौंजहांसरनउपमांसोय १ उपमेयसुलोइ
ननरीलगउपमानबिचार लौंबाचकल
फनौंधरमसरनउपमनिहार १ बात लो
यनसहदोयबारअर्थभिन्नहैलोयननेत्र
लोयनलावन्यतातातैंजमकहै दोहा
सहजसचिक्कनस्यामरुचिसुचिसुगंधसु
कमार गनतनमनपथअपथलखि बि
थुरेसुथरेबार वार्ता बारलषतप
थगनतनहिंदोषअगम्यांहोय उत्तर
नवमुग्धारतिअपथतिहि वहतबार
बिजोय वार्ता उत्तर किमनवमुग्धाबेस उ
त्तर कहेनदीरघकेस जातिअलंकारहै
जातिसुजेसोजासुकौरूपकहैंतिहिंसाज

१८ स्यामसविकनसुगंधमय कवबरनेकवि
राज दोहा वेईकंभ्योरनिवहे व्योरोकों
नबिचारि जिनहीउरज्योमोहियो तिनहीं
सुरझेबार ३३ ईहांपंचमीबिभावनाल
कार कारजहोयबिरुद्धतें यह बिभाव
नमांनि सुरझावककिरियानयो तिहतें
उरझनिआंनि दोहा कुंचसमेटिकंर
नुजउलटि षऐंसीसपटडारि काकोमन
बांधैनयहजूराबांधनिहारि उत्तर
काकोमनबांधैनयह तहांअर्थयहजां
नि सबकोमनबांधतइहैतोकुलटाउ
सहांन उत्तर काकातियबचप्रथमहै
काकोमनबांधैन निजमषितादिकलो
नयहतूकहिऐसोहैं न इहांजातिअ
लंकारहे दोहा छुटेछुटावैजगततें
सटकारेसुकमार मनबांधतबैनीबंधे

नीलछबीलेबार ३४ छुटैंजगतजबम
नबंधेपुनिबंधिबो क्रिपिमित्र उत्तर
देषिछुटैंजगक्रियछुटैं बंधेदेषिक्रिय
चित्र इहांचतुर्थबिभावनांहे दोहा
कारजअन्यहीकारनहिं होयबिभावन
लेषि बंधेहेतुनहीबंधनकोंतिनबांध्यो
मनदेषि दोहा कुटिलअलकछुटिप
रतमुषबढिगोइतोउदोत बंकबकारी
देतज्योंदामरूपईयाहोत ३५ इहांपूर्णो
पमालंकारहै मुषसअलकउपमेयहैदां
मबकारिसमेत उपमांनसुज्योंबाचकर
सुधर्मउदोतनिकेत वेसावर्नन दोहा 19
सबैसुहाएईलगैं बसैसुहाएधांम गोरे न
मुषबेदीलसैअरुनपीतासितस्याम ३६
उत्तर नहिंबेंदीपरसंसहै मुषप्रसं
सयहधांम गोरेमुषतेंलसतियह बस

१९ सैतिसुहाएवांम १ कविकोमतनतुयौं
कहौ मिसलवारमनऐक वाहीमतकेअ
नुपैंबुछिबलउत्तरदेहु उत्तर वांमसु
हाईलगहिज्यौंबसैसुहाएआनि गोरेमु
षबेंदीनतेंलसैंपायरंगबांनि प्रतिबिंबा
अलंकारहै जावस्तुवप्रतिबिंबकोह
वांतसुउहिंगाय मुषबेंदीतेंलसतज्यौं
मोहतसोंहनपाय दोहा कहतसबै
बेंदीदिएँआंकदसगुनोंहोत तियल
लारबेंदीदियेंअगनितबढतउदोत
३८ व्यतिरेकअलंकारहै वर्नअवनीहि
तेंजहांहैविसेषव्यतिरेक अंकदसगु
नोंगालतियअगिनतअधिकाविवेक
दोहा भालललबेंदीछयैंछटेबारछ
बिदेत गह्यौराहअतिआहकरिमनौं
ससिसूरसमेत उदाहरन राहु

यमितरविससिजुहैतैसोनाजुननांहि
तौत्यांबेंदीगालकीनिंदाहैइहमांहि उ
त्तर इहविधिकीजेअर्थत्यां गह्यौराहु
धरिधीर मनुससिसूरजदुहुंनमिलि
तहांसोअसबीर प्रश्न जोपैराहुआ
योकहौतौनसोंअनुतराहु त्यांतौक
योकिबारछबिदेतछुटेकविनाहु पु
नःप्रश्न जोकदाचिछबिदेतपदकहौ
सुबेंदीमांहि तौनबनैंतुकदेतिअरु पु
निसमेतइहमांहि १ मुषपैकचआवत
कछूकचपैंमुषनहिंजात राहुज्योंस
सिसूरनैंअर्थनपुष्टलषात १ तौत्यांप्र
ससुतीनहैबारनिछबिसुबनैंन देति 20
समेतनतुकबनैंकचऔवोकिमिबैन
उत्तर गह्यौराहससिसूरनैंइहीअर्थ
बरसोय पैयहइहविधिकीजिएप्रसर

हैनहीकोय अर्थोबिपि नालसुबेदीला
लकरिसोवहछबिकौंदेत छुटेबारनु
मैंसुयौंअर्थकरजबिनचेत १ कचकी
छबिसुनिषिधकियनुककबनीसुजा।
न मुषपैकचकौंआइबौसुक्तिप्रबकप्र
योविधान १ कलंककंयौंलंबननच
हिंआवतरिपुकोय नाककौगहिबौसु
न्यौंयकरीतिजगजोय [illegible] क
सोसुकौंकरिजानियें गहेराहुकौमंद
कहतउदीकीसबलताआयोइहीजता
व [illegible] तहासुछूटेकेसकोसमयसुब
नैनजानि कछुआछादनमुषनहीं ता^
तसमयनबषांनि १ न्हातसमयबेंदीन
हीहोतदकौसोनांहि यातेंयहजानीप
रतबेंदीमुषछबिमांहि १ अहन्हातियौं
राहुदकिलेतदकौसोनांहि यातेंरबिस

सिअहननहिंगहैराहुकरमांदि [illegible]
[illegible] जा
लालकचबसमेंससिराषितमकीत^
के लहेबसतउकासयदउत्पेछाकुलक्ष
के [illegible] पायलपायलगीरहैलगिअ
मोलिकलाल मोइरककीनासिहैबेंदी
नोंमनिलाल ५२ अर्थोबिपि पायलला
ललगतउपायलगैसबकाल बेंदीनो
दरकीजदपितउनासिहैनाल [illegible]
[illegible] लहैदोषतैंदोषइक गुनतें गु
नउल्लास पायलगनपायललहौबेंदी
नालसुबास [illegible] उतिम
संपति हीनकैं तउकचआसनजोग अ
धमधमीताउरहै सेवकनावसजोग प्र
स पायलमेंकहनौघना बेंदीकहैंउच
भाय [illegible] पायलपगहेतहिबनत^

२१ बेंदीभालहितायं अन्योक्तिलछन अ
नोक्तिअदप्रतिकहे अदकीबातबिख्या
त पायलबैंदीप्रतिकहीऊंचनीचकीबा
त दोहा भाललालबैंदीललनआंषत
रहे बिराजि इंदुकलाकुजमेंबसीमनोरा
हुनयभाजि ४१ हेतुउत्प्रेक्षाअलंकार है
बैंदीआषतमेंतरक उत्प्रेक्षापरसिद्ध
हेतुराहभयपदप्रगट मनुहहपदलसि
द्ध दोहा मिलिचंदनबैंदीरहीगोरेमुष
नलषाय ज्योंज्योंमदलालीचढैत्योंत्यों
उघरतजाय ४२ अन्मीलितअलंकार
है अन्मीलितलषियेजहा किलबिसे
[illegible] षकरि
[illegible] भेद
[illegible]
[illegible]

मदलालीतैलषिपरीमलयबिंदुबिनुभेद
दोहा तियमुषलषिहीराजरीबेंदीबढैबि
नोद सुतसनेहमांनोंलीयोबिधुसत्नबु
धगोद ४३ प्रश्न इहांप्रश्नबुधहरितरंग
हीरामेतबनेन उत्तर [illegible]रमतसुपुरान
कैबुधसितअसेबैन द्वितीयउत्तर बुद्ध
पंडितकोकहतहैंसंबोधनइहेंजानि
नेहसहितमिलियसुतहिबिधुगोदनिर
जाकृतमांनि प्रश्न हीराकिमबिधसुत
कह्यो उत्तर कबिप्रियानिहिंसाबि मे
तीनाकबुलाककोकह्योचंदसुतराषि
यथा मात्रृगोदचंदहीकीषेलेसुतचंद
को उत्प्रेक्षाअलंकारहै बेनीवर्नन
दोहा ताहिदेषिमनतीरथनिविकट
ति जायबलाय जामृगनैनीकेसदाबे
नीपरसतपाय [illegible] तीरथनुकी 22

२२ निंदाअधिकवै अथ अर्थविधि छप
नासुरकेबधविषैकहीकिकंसबिआय
भीयाकह्योतीरथकरोनहांस्यामबचपा
य इहांद्वितीयविसेषालंकारहै तनुअ
रंनबनसिधजहांलहैविसेषप्रसिद्ध ति
हिदेषनअमतनुअवरबेणीबरनसि
द्ध बात बेणीसहकरिसेषरूजांनियै
टीकोवर्ननं दोहा नीकोलसतलिला
टपरटीकोजटितजराय छबिहिबढाव
तरविमनोससिमंडलमैआय ४५ टी
का इहांबसतअकासपरज्योछापरवी
न टीकोवसतसुउकहै रविसुतर्कयहकी
नं बात कोऊकहैरविससिकमाजवे
सोभानुतनाहीनोरलंयरबनुतालं
कारहै जांनियै कोईबर्ननं दोहा ग
हरचनांबदनी अलकचितवनिनो ह

कर्मान आपबंकाईहोवटैनकनितुरंगम
तांन अथ दीपकालंकार उपमाअरुउप
मेयसोइकपदलागतहोय गंहआदिक
सबलीलग्योआघुबंकाईसोय दोहा ना
सामोरिनचायदृगकरीककाकीसोंह को
वेलौंकसकतिहियेगडीकटीलीसोंह ४
७ स्वभावोक्तिअलंकारहै जहांसुभावक
छुबरनियेंस्वभावोक्तिकहिताहि नासा
मोरिनचायजिगकलोभावइहवाहि प
र्यायोपमाकहै उपमेयहेकंटक
लहिउपमान लौंबावककसकनिधरम
मरनउपमांजांन दोहा षोरिपनचभृकु
मारन गर्वी टीधनुषबधिकसमरतजिकांन हनतत
कनिमृगतिलकसरसुरकिमालनरितांन
४८ सविमयसावयवरूपकालंकारहै
रूपकसबिमयसावयवसकलबसनुव

२३ षांनं षोरिपनिवउतिकारको रूपकवि
योसुजान नेत्रबर्ननं दोहा रससिंगारमैं
जंनकियेंकंजनषंजनदेंन अंजनरंजनरूं
बिनांषंजनगंजननैंन ५७ प्रस्न रसमं
जनमैंकोनिइहै छएनएरसमांहि कंजन
षंजनगंजबो हेतंचमतकृतनांहि उत्तर
रससिंगारकों आेपदियरहतसदाहग
बांम याहीतेंकंजादिकेमदगंजनअति
रांम प्रस्न देउपमानदिक्योंतहां उत्त
र कंजनदृगगुनअरि षंजनरूमैंस्यांम
ताचंचलताउतिमरि वार्त्ता इनउपमा
नमैंसबगुनआएइहां
वितरेकाअलंकारहै
बर्नेअबर्नेहितेंजहां
हेविसेषवितरेक कंजादिकतें
दृगनिमेंआेपदेनअतिएक वार्त्ता

पुनः छेकनुप्रासफ्रहै अक्षरसमता
बारबरु आवेंहत्यनुप्रास मंजनकंजन
आदिदैप्रास बरुतपरकास दोहा जो
गजगतिसिषईसु वै मनोंमहामुनिमैंन
चाहतपियअवैततोंसेवतकांननैंन
५८ वार्त्ता इहांइकदेसविवर्तीसावयव
रूपकालंकारहै औरसिद्धासपदफ
लउत्प्रेक्षालंकारकोसंकर सोइकदेस
विवर्तिइकलहैकहैबिनुजेउ जोगजु
गतअंगसबथपे दृगसिषपदधरिलेउ
उत्प्रेक्षा सेवानहिंअसिधासपदफल
अहेततातचाहि तर्ककरीमनुसहकरिउ
त्प्रेक्षाअवगाहि वार्त्ता जोगअरूकांनन
सदृमैंश्लेषफहै दोहा सायकसमंमाय
कनयनरंगेत्रिविधिरंगगात फषोंबिल 24
षिडरिजातजलजामिजलजातलजात ५९

प्रश्न सायकसमदोहाविषैअर्थसुनिब।
हतनाहि कहेसितासितहगबरनित्रयरं
गक्यौंइहमाहि १ जषडुरिबोकंजनिल
जानिसायकपष्यलगैंन यातैयाकेअर्थ
कीसुनियेबिधिसुषदैंन उत्तर गहिसले
षबिधतर्कह्योउत्प्रेक्षालषिलेऊ सायक
समइहईसमुझि जषजलगानिगतिऐऊ
१ डुरैंलजैंजषकंजहगसायकमायकजो
य हकछूटैबऊकेलगेहममैंबिधनहिसो
य अमतोको उत्तर लषितपियहिजर
गिसंगतऊमुकरातिसषिसोंभीत तहीस
रविधत्रयरंगसुमषिलषहिनिजगतिय।
हीत १ सषीबचनहैव्यंगसौंलषीप्राति
अभिरांम यातैंइहबिधिनायकालषौल
षितानीम असिद्धास्पदहेतुत्प्रेक्षालंकार
उरिबोजैफलजानियह असिधहेतुतैंजा

नि असिधासपदहेतुकीउत्प्रेक्षामनमानि
दोहा अरतैंटरतनबरयरेदईमरकमनु
मैंन होमाहोमीबढिचलेचितचतुराईनैंन
५२ प्रश्न होमाहोमीदेनिमैंहोतितीनि
सोंअर्थ उत्तर चितकीचतुराईनयन
देहीगनौंसमर्थ औरबल चतुराईकी
हदनहींनैंनबदनहदआहि यहअस
मंजससीलगेहोमाहोमीवाहि उत्तर चि
तचतुराईऔरपुनिचतुराईजोनैंन तेदो
ऊबाढीअमितचितचतुराईसैंन प्रश्न
चतुराईकेअर्थमैंबनेबाढिचलैंनाहि
उत्तर चितचतुराईजुतनयनदोऊबढे१
लषाहि असिद्धास्पदहेतुत्प्रेक्षालंकार
है मैंनमरकयहहेतुहैमनोबढेइहनाय
बढतइसासिद्धासपदहेतुत्प्रेक्षागाय दो
हा येलनासिषएआलिनलैंचतुरअहेरी।

मार कौनतचारीनैंनमृगनागरनरनिसि।
कार ५३ वार्ता इहांरूपकालंकारमेया
लंकारअरुनरससहांअलंकारहै अलं
काररूपकइहांबरन्योंरूपसिकार कौन
नपदकैकैअरथसोसलेषनिरधार वार्ता
मृगचतुरमिनषकीसिकारषेलैंयातैंअद
भुत दोहा बरजीतेसरमैंनके ऐसेदेषेमैं
न हरिनीकेनैंनानितैंहरिनीकेएनैंन ५४
अर्थ बरजीतेसरमैंनकहिमृगहगानी
कबनैंन उत्तर यातैंमृगहगतैंसुबरजी
तेसरइनिमैंन काव्यलिंगअरुजमकालं
कारहै जीतनतैंसामर्थ्यहढकरीनीककी
आहि काव्यलिंगयातैंयहांअवरजमक
अवगाहि दोहा संगतिदोषलगैसबनि
कहियतसांचेबैंन कुटिलबंकभ्रूसंगत
एकुटिलबंकगतिनैंन अर्थ कुटिलबं।

कपुनिकहैहैकहीसुक्यौंआसंक उत्तर दु
षदाईलषुकुटिलहैदीसेबंकसुबंक उल्ला
सअलंकारहै इककेदोषहितेंजहांऔर
हिदोषउलास कुटिलबंकसंगतैंभए कुटि
लबंकपरकास दोहा भृवेजोतिनसंगहै
मनुमुंहनिकसेबैंन याहीतेंमानोंकियें
बाननिकोंबिधिनैंन पद तिवासपदहे
तुअवालंकार भृवेमुषलषिहेतुइहि
कीएबैंनकौनैंन नैंनबैंनसिक्षसपद
हेतुमेछाअैंन दोहा हगनिलगतवेध
तहियोविकलकरतअंगआंन एतेरे
सबतेबिषमईछनतीछनबान ५७ अ
संगतिअलंकारहै सुअसंगतिकारन।
अनतकारजमिनसुथांन लगेहगनि
बेधेहियाहोतविकलअंगआंन दोहा
फिरिफिरिदौरतदेषियतनिचलेनैंकर

२६ हैन ऐकजरारिकौनपरकरतकजाकीनैंन
[illegible] करतकजाकीकौनपरकुलटा
रसहतहोय [illegible] सबिबचनायकहग
निसोसहजप्रसिनहैसोय [illegible]
[illegible] नैनइहांउपमेयहै
धरमदोरिबोजानि बाचकअरुउपमान
कोलोपलखौउरआनि चितवनिवनैनं
दोहा परीनीरलनेदिकैं कितलकेइतआ
य फिरदीठजुरिदीठसोंसबकीदीठबचा
य ५५ [illegible] काजहोइप्र
तिबंधकजहांप्रतिछबिभावनसोय औ र
बाधकहिप्रतिछकदरसकाजसिद्धहोय
दोहा लागतकुटिलकटाछिसरक्यौन
होयबेहाल कगेतजुहियैउसारकिरत
उरहतनटसाल [illegible] विभावना
बिनकारनकारजहोय सरउसारनयो

[illegible]

हीयौफोरिकैंतऊनटसालकोकारननहीं
रह्योतऊनटसालहै दोहा सबही तनु
समुहातिछिनुचलतिसबनिदैपीठि वा
हीतनठहरातियह कंवलनमालोंदीठि
५१ [illegible] दीवजांनिउपमेय
हैकिवलनमांउपमान लौंबाचकसमु
हनिधरमसरनउपमांजान दोहा कह
तनटतरीझतखिजतमिलतखिलतल
जिआत भरेभौंनमैंकरतहैनैंननिहीमैं
बात [illegible] जस्योंनौं
नबाधकतऊकाजहोतसुखबात बाध
ककेपुरतल्छकीसविभांवनसरसात दो
हा सबअंगकरिराखीसुघरनायकनेह
सिखाय रसयुतलेतअनंतगतिपुतरीपा
तुरराय [illegible]
रूपकसबिषयसावयवसकलअंगजुबखा

२७ ने पुतरीपातरकरिकहीसबनिबाहिश्रंग
मांन दोहा कंजनयनिमंजनकियैबेंठी
श्रोरतिबार कचअग्रेगुहिनिबिंदुदीवदे
चितवतिनंदकुमार अथ पूर्णोपमा
अलंकार है छलकरिसाधियइष्टजहां
पर्योयुक्तिबिवाद कचश्रोरनिकेमिस
लहैइष्टहष्टहुतिवाद दोहा दीखिर
तबांधीपटनिचढिधावततनदरात इत
उततेंचितउर्जनिके नटलोंश्रावतजात
६५ अथ नटश्रावतफिरिजातनहिंजा
नसुबनननबात अथ मनैसनैंश्राव
नसुतिहिंकहेसुश्रावतजात लक्षणमा
है उपमेयरुउपमांनजहांबाचकधर्म
मजुहोय हरनउपमांचिसनहलोंधावत
कमजोय दोहा उरेउर्जनिकेहगरूम
किफकेनझीनैंचीर हलकीफौजहरोल

ज्योंपरतगोलयरमीर ६६ अथ कसो
उर्जनिकेहगनिकौंफकेनझीनैंचीर सो
तोरीतिबनेंनहीसुनौंश्रम्मकविधीर १
जोतियहगपटतैंनिकसिमिलेंहगहिं
पियजाय तौतियहगहिफकेनहीबनैन
उर्जकोभाय १ सोऊबनैंनरीतितिय
हगनदकेइहमांहि जिहिकोहोयहरो
लमोनिजदलरोकतनांहि १ जोपिय
हगघंघटाहिमधिजायमिलैहगबांम तो
तियहगसुफकेनहीपटभिदनांहिउर्ज १
कांम १ इजोश्रम्मसुइहयहांजहांउर्ज
बोरहिसैंन वेहीहोयहरोलतिहिंतिय
पटपियहिबनैंन १ अथ संधदकरि 24
बोहेतयहमुषनलष्योकिकिजाय तोश्रो
रनकीदीवकौरोकनकौसुउपाय १ फ
केनझीनैंचीरमैंयहधंनितिनिकसीश्राय

२८ पियकेद्दगनरूकेरद्दैं मिलेपरंतरजाय १
अर्थसुयौंजेरोकियेतेनरूकेपटमोहि त
बसुमिलेद्दगउझंनिकेरहाबिधिरसमर
सांहि १ तोपषांनसुद्दगोलकीनांहिनति
श्र्यरीति किंऊंगंहोतनहोतहेनहाव
धनयौंनीत १ बदनूपरसाइस्छेअरुति
यहौलपटजोग नहिकजाकरसियन
कछुइहंबिधिअर्थप्रयोग ९ दृष्टांतालं
कारहै भावबिंबप्रतिबिंबकोदृष्टांतसु
कविधीर मिलेसुद्दगदृष्टांतजौंपरतलो
लपरभीर दोहा लीनैंकसाहसहस
कीनैंजतनहजार लोयनलोयनसिंधु
तनपैरनपावतपार ९० छेकानुप्रासय
मकअलंकार लीनैंकीनैंबारइकया
तैंछेकनुप्रास लोइनलोइनजमकइक
लावनिअर्थप्रकास दोहा पंकजनैनिमर

रिनसुनटलौं रोकिसकेसबुगांसि ला
षनिलंकीनीरमैंआंषिनहीचलिजांहि
९८ वार्ता इहांबिसेषोक्तिअलंकारहै
अथबिसेषोक्तिअदतीसरीबिभावनां
कोनिर्नय दोहा जहांकारनआनिहोत
हैसुबिसेषोकतिजांनि काजहोयबाध
कहिकीसुविभावनपहिचांनि १ हेतु
नकारजहेतुसब बिसेषोक्तिउद्योत का
रनरोकनहारबज रोकनकाजनहोत
दोहा गनीकुटंबकीभीरमेंरहीबेविहै
पीवि तऊपलकपरिजातउतसलज
हसौंहांदीवि ९९ तीसरीविभावनांहै
काजहोयप्रतिबंधजहां प्रतिछबिभा
वनजाय बाधकभीरकुटंबकीतऊदीव
परिजाय दोहा मिगकमिगातसीबालि
बवकिचितईचलीनिहारि लियेजात

चितचोरदी वहैगोरदीनारि ७७ काव्यार्था
पत्तिअलंकार दोहा औंहउचैश्री चुरउल
हि मो रिमो रिमुहमोरि नीविनी ठिनीतर
गईदीवदावसोंजोरि ७८ स्वभावोक्तिअ
लंकार स्वभावोक्तिबर्ननजहांहोयसुर
भावविलास औंहउचनिमुहमोरिबोक
लोसुभावप्रकास दोहा औंचतिसीचि
तवनिचितैजईओटअरसाय फिरिउझ
कनिकौंमृगनयनिहगनिलगनियोला
य ७९ अनुमानालंकार सोचितवनिकौं
औंचिलियजोतीवाहनिमोहि यातेंफि
रिवहउझकिहैअनुमानसुयहटोहि दो
हा सटपटानिसीससिमुषीमुषघुंघट
पटढांकि पावकफरसीफमकिकैगई
ओजकाझांकि ८० वार्ता स्लेषपमांस
वौकि ससिमुषी पावकफर सी झम

क दोहा नीचीयेनीचीनिपटदीवकुही
लौंदौरि उचिऊंचैनीचेदीयौमनकुलंगम
रूजोरि ८१ स्लेषपुनः दीवदहांउपमेय
है ऊहीऔनिउपमान लौंवावकदौरन
धरमहरनउपमाजान दोहा तियकता
कमनैतीपढीविनुजिहऔंहकमान चि
तचलिबेफेतुकनिनहिंबंकविलोकनि
बान वार्ता वेझानामनिसानेकोइजी
विभावनालंकारहे दोहा हेतुसर्यनहो
तजहांकाजविभावनसोय भूषनअजि
हनहोतसबकाजबेधचितहोय दोहा
इत्यौंपरेसमीपकौमानलेतमनमोद
होतउऊंनिकेहगनहींबतरसहसाबि
नोद ८२ पहलौविभावना कारनबि
नुकारजउदयसुविभावनपहिचानि 20
बरौसमीपनहीअवरचासुमोदहेजानि

३८ दोहा छुटैनलाजनलालसौ प्योलषि
नेहरंगेह सटपटातलोचनघरेन्मरेसको
चसनेह १२ पर्यायालंकारहै ऐकवि
षेजहांवक्रबसैसोपर्यायप्रकास लो
चनथलमैंसटपटीसकुचनेहकोवास
नेहरंगेहपियगेहकोनाम दोहा करे
चाहसौंचुटकिकैखरेउठौंहैमैंन लाज
नवायेतरफरततरतसंदसीनैंन १८
उपमानलुप्ताहै नैंनमहांउपमेयहैसी
वाचकपरवांन संदधर्मयहतांकह्यौ
यहलुप्तउपमांन दोहा नावकसर
सेलायकैं तिलकतरुनिइततांकै पा
[illegible] वकजरसीजमकिकैं
[illegible] गईओजकाझांकि १९ दो
[illegible] लुप्तउपमालंकार नावक
पावकसहमैंहैछेकाअनुप्रास तिय

पावकजरसीजमकिउपमांसर्लोप्रकास
दोहा अनियारेदीरघदृगनि कितीनत
रुनिसमांन वहचितवनिऔरैकछू
जिहिंबसहोतसुजांन ८० चितवेको
[illegible] समप
दमैंइकअधिकईसुचितरेककीउक्ति
औरैपदजहांदेतअतिनेहकातिसयु
उक्ति १ दृगकरिबकजातियमलसेपै
यहअतिताऐक बस्तसुजांनकरिबौ
सुगुनबरइमककहतअनेक दोहा च
मचमातचंचलनयनबिचिघूंघटपट
झीन मांनकसुरसरितांबिमलजलउ
छरतजुगमीन [illegible]
है पटमैंदृगमनुमीनजल मीनसुवस्त
बिचारि बस्तअछाहेइहां उक्तआसप
दधारि दोहा फूलेफदकतलेफरीपल

कटाछकरवार करतबचावतबियनय
नपायकघायहजार कटाछको पुंज पा
यकषडगबचावहीउक्तदिसिपेलतमांहि
नायकतियाकछाटाछिकौंसुन्योंबचाव
ननांहि १ वहतौचितचाहततरहतबंक१
बिलोकनिनारि पलकमूंदिनहिलेमजौं
फरीआकतरवारि १ अस मेंननिपाय
कसमकियेउक्तदिसिअर्थलगाय सो
सलेषत्यांनानबिधिदऐसुकबिदरसाय
१ ईकल्यभिन्नअर्थसुधसोअवरभिन्न
पदजांनि तौजेसुद्धसलेषवृंदक सह्द
अर्थकैमांनि १ सोअभिन्नअर्थसुकहै
इकैअर्थदुकवोर ज्योंपांनिपनेसाभिये
षडगमुकसरओर १ सोफलेफदकान
इकैअर्थसुपायकबैन परीपलकसुक
टाछिअरुषडगभिन्नपदऐंन १ करत

सह्दयहकअभिन्नकरतउल्लंइकअ
र्थे तहांबचावतमैंसुनौंसुद्धसलेषसम
र्थे १ वेसुबचावतकरतहैचोटबचांव
नजाय ऐसुबचावतकरतहैऔरनसौं
नलषाय १ यातैंतीनौंबिधिनुकेकहे
सलेषबनाय कबिकोबिदहीजांनिहैं
अलंकारकेभाय १ कोऊकहैजुहगनि
कौंनहिंपायकनिर~~[illegible]~~
~~[illegible]~~है बाऊ पायकओरनिसौं
नहींसुबचावतअवगाऊ १ तहांकहि
येसासहृदकीकहीस्यांमतौसोय जाव
स्यांमतानहितहांउदाहरनबकजोय १
सेनापतिकबिउक्त मंगनलषिपरद
तहैदातासबसमान तौस्यांपरइहंस
हैकीनईस्यांमताजांव अथबजका सेव
तकांननमैंनैसांकाननकेदेअर्थ अव

३२ नक्षोरवनतहैंइहोसमतासहृसमर्थ अर्थ
चन्द्रीसमर्थदर्शविकायो अन्दविमानहै
ताजहंसविविसमन्नूपनहोहोय तहां
कहियेकरहंसजबवाहनतवविधिहो
य १ यातेंकलंककलंकवतैनेंसहृस्यांमसु
लेष इहविधियाकेअर्थकोंसमझन
बुद्धिविसेष दोहा जदपिचवायनिवी
कनी चलनिचलंदिसिसैन तदपिनछा
नतडऊंनिकेहसीरसीलेनैंन अथ टीका
सेनचवावकरीवलैंइहतोकहतिसुभाय
प्रथमचीकनीसैंनकोअर्थसुहेकहिजाय
उत्तर जेदृषीनसोंसहोतिनकीसैंनम
रोष लोकहिवेकोंबोरहेडग्लगावत
होय १ जोचिकनीजुहिलमी तिनसैं की
नगनैंन यहप्रतिटिठईडऊंनिकीह
सीनछाडतनैंन [illegible] का

जहोइप्रतिबंधजहांप्रतिछविमांवनजो
य बाधकसैंनचवावछतहसीकाजनऊ
होय नासावर्नन दोहा जटितनीलमनि
जगमगतिसींकसुहाईनाक मनोंअलीचं
पककलीवसिरसलेतनिसांक पद बचन
[illegible] सींकबस्तुतिहिमेंक
रीअलिकीतर्कविचारि बस्तुतपेछागां
नियेंप्रगटमनोंपदधारि दोहा बेधकअ
नियारेनयनबेधकैंकरननिषेध वरवट
बेधनमेहियेंतोनासाकोवेध अथ बसु
[illegible] अमहेतनेंहोइजहंका
जविमांवनमित्र बेधनकोकारननहीबे
धबेधियतचित्त दोहा बेधसुकारनचाहि
नयपहिरनकोंआहि वार्ता विछतिप्र
बुकैसमैंनायककोबचनहै दोहा जदपि
पिलोगललिलोनऊनहनपहरिइकओक
सल्संकवटिमेरहेरहेवटीसीनाक ८६

३३ आक्षेपालंकार है व्याजस्तुति निंदा
विषे अस्तुति बिंग बिचार नाकचढीसोंफर
मैहै सयह करत सुमार दोहा सषी को उर
क्ति तो नाकचढि बमें मानकौ अमहोत है
लोगपहिरें चढीसी केजात है नाकचढीस
हस्लेषहै दोहा बेसरि मोती ऊतिजल क
परी ओठपर आय चूनों होय न चतुर तिय
क्यों पटपोंछ्यो जाय अथ सबाल अमवाली
को चतुरकिमसंबोधन सोंआरि अथ
अगजहां जोंतलमें कहे सुघर पदयाहि
आंतापन्हुतिअलंकार भ्रांत्यापह्नुति
और की संकाआंतिनिवार हनेकौ अम
हरिक्रियमुकतफलक कहि चाद यथा
चतुरापन्हुति है यथा दोहा दहबेमोती
हीसुगयतन थगबिनिसोक जिहिपाहि
रैंजगदृगग्रसति लसति हसनिसोंनाक
पुनः यथा यह देही मोती कहे गर्वोपागि

षजांनि नाकौगर्ब नसंभवे अथ सुगयत
हुतेमांनि पुनः यथा गर्बकहा नथमें नयो
कहिनकविकोरीत अथ गरबअसम
अगदृगग्रसति लख्या अर्थकीनीत पुनः
यथा अगदृगग्रसतसुबचननतें कुलटार
सहतहोय अथ अगदृगस्यामसुजांनहै
हि गहिबोतिनकोजोय काव्यलिंगअलंकार
है काव्यलिंग सांमर्थताजहांदृढनाति र
दिषाति मुकतिनुबनीसमर्थताजिनसौं
नाकलसाति दोहा बेसरिमोतीधनितु
हीकोबूझेकुलजाति लीबोकरितियअ
ठकौरसनिधरकदिनराति अथ अर्थांतर
न्यासालंकार अन्योक्तिजहांओरप्रति कहैर 64
औरकीबात दहांअधमनरसोंकहतवरै
तियलहीबिष्यात अप्रस्तुतप्रसंस दोहा
लसतसेतसारीदप्योतरलतरोनांकान प

३४ स्योमनैंसुरस रिसलिलनरविप्रतिबिंबवि
हौन [illegible] भो
[illegible] दोहा सुवलितिडुराईदुरतिनहिंअ
गटकरतरतिरूप छुटैपीकओरैंछवीला
लीओवअनूप [illegible] पीकछुटनावु
नकोकहाअतिप्रायदृहिंगोर कहापान
नहिंषातिहेतियपियबिनुककेओर
[illegible] अधरपानमेंपीकजोछुटीसुहेरह
अर्थ रंगसबपियअधरनिलयोओरे
रंगसमर्थ [illegible] छुटीपीकजोपान
मेंतोसुडरावतिकाहि सबदुरावनन
हिबनैंवहतोसहजहिंआहि [illegible] यह
परकीयाबिलासहेपानषातपियआय
अधरपानकियरंगलग्योसोपोछतयु
हआय १ क्योंकियहेनिजपानकोषेबो
सुतोबनैंन रसनोंमदनहिंलालएपान २

षांनविधिहैंन [illegible]कि
नेदकातिसयउक्तिजहांओरैपदअति
त ओरैलालीओवयहअधिकाइकाहि
देत [illegible] दोहा कुचगिरिचढ़ि
अतिथकितकेचलीदाविमुहचाउ फि
रिनटरीपरियेरहीपरीचिबुककीगाड ८१
२ [illegible] काव्यलिंगसा
मर्थताजहांदिढकहेकविमोर परीरही
यहहढकियोंअतिथाकिबोहगोर [illegible]
हा ललितस्यामलीलाललन बढीचि
बुकछबिहुन मधुछाकेमधुकरपर्यो
मनोंगुलाबप्रसून [illegible] इ
नकहा [illegible] एकचिबुककीछबि इन
बिंदुकीछबि [illegible] दोहा
मोरोकोनीगानगहेनैनबटोहीमारि चि
लकचोंधमेंरूपठगहांसीफांसीडारि ८४

२५ वार्ता इहांसविषयसावयवरूपकहतौ
रूपकौवगसौंरूपकहोजे दोहा तौलग
बिमोमनजोलही सोगतिकहीनजाति
बोमीगादगयोतऊ उग्योरहैदिनराति
५५ वार्ता उग्योरहैदिनरैनतौगयोउ
छनहिहोय अवर करपरसैंकिंकिवि
भुककोसोचरहैदिनसोय विरोधाभास
अलंकार विरुद्धाभासविरुद्धसोनासै
अविरुद्धआय गयोउमेनहिविरुद्धय
हअविरुद्धमनकोभाय दिवैनावर्नन
दोहा लोनैंमुहदावनलगेयोंकहिदीनो
ईव इनीकेलागनलगीदोयदिवैनादी
५ ५६ विषमालंकारहै विषमइष्टके
उद्दिमतेंहैअनिष्टजहांजानि दीवनलोगे
दिवैनदियसुनोलागतिबड्डआनि दोहा
पियतियसोंहसिकैकह्यौलषेदिवैना

दीन चंदमुषीमुषचंदतैंभलोचंदसमकी
न ५७ वार्ता चंदमुषीनदिवाहियैसंवे
धनइहगोर चंदमुषीजोऊंतीयतोकियो
नयोकिंअंधोर १ कोऊकहैअबहीभई
चंदमुषीयैनांम सुनोचंदमुषिनैंकियो
कौनसहइहगांम दृष्टोपमा निंदामु
षकीकरतह्यांक्योंबचंदसमकीन क
हाकिनिकलंकीप्रथमजोअबसोनाही
न तीजोपमा दुरिगोनावर्ननकियो
ताकीनिंदाहोय जिनजुबिगारोबदन
छबिप्रसतीनबिधिजोय अवर चंदमु
षीसंबोधनको चंदमुषीकहिचंदजोप्र
थमअमलहोजानि पाछैंसकलंकितभ
योउहिंसमकलोवषानि वार्ता चं
दमुषीकेकहतहीइहांचंदपरतीन अम
लप्रथमनिकलकबिधिसोनसहुइहैंरी

न चौथेप्रतीपलक्षन चंदमुषीजेनायका
तिनमुषतेंबरआहि औरचंदकतेंनलो
कीयोचंदक्योंताहि अर्थयहकिउपमेय
तेंनलोउपमकतेंजु सोक्योंकीनोचंदस
मजिहिंसकलंककहेंजु पाचौंप्रतीप ज
हांकह्योउपमानतेंनलो तहांउपमेय जि
हितेंनलोनचाहियेकहिबोइथासुमेय
१ जैसेंनृपतेंकहिनलो मेंत्रीतेंसुहयोहि
तैसेंउपमोकहिकह्योउपमयचहियेनांा
हि अथ तहांउपमउपमेयकौंदुहूंनिश्रे
ष्टताआहि जहांप्रतीपनहांश्रेष्टताउपमे
येलचाहि १ कैसोहेयहचंदजिमिनुव
मुषअतिछबिदेय यहप्रतीपतोवेप्र ह
ह उपमियबरछबिलेय १ यामेंदोऊ
मतिनिकेलियेदुहूंनिकेनाम कह्योसु
इहिंबिधिअर्थमेंप्रलनहींयनधाम म

त जुयहअर्थइहेंबिधिकरौ रानिहीनता
होय जैसेंकलोउलनितेंनलोवदनमह
जोय १ तैसेंलोचहियेकह्योदोऊसमर
क्योंकीन यहरीतिनदुहूंतेंनलोक्योंइक
समकरिलीन १ यातेंबनततनअर्थयुक्त
अकडपलइहिमांहि मुषनिंदाकहिबो
नकीनिंददोऊसरसांहि पिअंतअर्थको
उतर अवतुमइहेंबिधिअर्थकोसुनक
सुकबिचितलाय कियाबिछइहिंहाव
भौकीनीतियइहेंजाय १ रिसमैंतियनू
पुननिकीसोजाधरतउवाय सोबिछित
भगहीनताहिषवृतपियहिंरिसाय १ नि
मकरतहेंचंदतें तोमुषबरउतिलीन
सोउनचितहिंरिसउकैदिषयोउतिकरि
हीन १ तहांपियमुषलषिहसिकह्योन
सोचंदतेंआहि क्योंकिचंदसमकीनतेंन

३७ ईचहतहीचाहि १ नईसचंदसमकीनन
ऊसोभासहितअपार यामैंमुषकहिवौं
नकीछबिबरनीनिरधार १ कामसौं
कोऊकहत चंदमुषीसुनिबात यौंपिय
नैंतियसौंकह्यौलषिबिलछितसरसात १
बितरेकअलंकारहै बर्णेअबर्णेहिमैं
जहांहै बिसेषबितरेक. षसिअसोभसा
मत्वमैंतुवमुषसोभअनेक १ सुमचनैं
दोहा सरउदितकमुदितमनमुषसुष
मोकीओर चितैरहतचकओरतैंनिह
चलैचषनिचकोर [illegible] चकओर
तैंमुषलषनपाछैंतहांबनेंन उत्तर मु
षमुषमांचौगिरदतैंलषिबौतहांसुमे
न भ्रांतिअलंकारहै भ्रांतिसुओरवै
स्तमैंओरैभ्रमजहांहोय धोषैबिधुकै
तियमुषहिरहतचकोरसुजोय दोहा

पत्रांहीतिथिपाइयैवाघरकेचहंपास नि
तप्रतिपन्यौंहीरहैआंननओपउजास
एक प्रश्न जोनिसकौंपून्यौंलषीप्रात
प्रतिपदागपांन हौंहीपत्रांहीबिषैतिथ
सुनबनैंबषांन उत्तर प्रथमहिप्रतिप
दगपांननौपुनिपून्यौंतिसिदेषि सबदि
नपून्यौंजानहीतिथिपत्रांहीलेषि पर
संष्याअलंकारहै परिसंष्यासुनिषेध
करिबिधिइकथलमहंराइ पत्रांहीति
थियांनहीलहियतप्रगटतजाइ उदा
हरनं दोहा नैंकहसौंहीबांनिन
जिलष्योपरतमुषनीचि चौकाचमक
निचौंधमैंपरतचौधसीदीठि १०७ का
व्यलिंगअलंकारहै काव्यलिंगसुइहां 38
कहींहटसमर्थताहोति लष्योपरतमु
षनीचितिहिंहटसुकरतिरह्योति बाती

३८ हास्यकौउपमाबिजुरीकीहैयातैंनेत्रमैं
चकाचौंधमैंसुषीकेहोतुहै महदीवनै
नं दोहा गमेहुमेंछोबिछाकिछकिछै
गुनीछोरछुटैंनै रहेसुरंगरंगरंगउदीन
हदीमहदीनैंनें प्रम प्रभा प्रसबकेछ
बिनदिवनैंकहनिबमौछबिआदि
अवर प्रभरछबिकेछाकजेबकेतिनहिं
कहिचाहि छेकानुप्रास वार्ता ऐकरंगस
८ बुअधिकहै अवर महदीकोरंगहस्यो
है तामैं नहीवाकेसुरंगरंगमैंरंगीइहै.
इहीछेकानुप्रासलाटानुप्रासहैलाटानु
प्रासकोलक्छनछेकानुप्रासगम्येवहै.
महदीमहदीओर रंगरंगलाटसुहै.
तिबिधिवर्णमित्रताठौर लुमातिछेका
मोमैंवाहीरंगमैंरंगेहैं वार्ता अंजिता
कीसषीसोंनायककेवचन मेरेनैननेर
रीहीनायकाकीमहदीसौंरंगिरहेहैं औ
रकारतैंआरकमतिसमुझि याअर्थ
मैंव्यंजोकि ओरैकछकहिआकारदु
राईये कुवलयानंद दोहा चलननपाव
तनिगममगजगतुपज्योअतित्रास कुच
उतंगगिरिवरगह्यो मैनामै[illegible]वास १८२ नमे वा
वचन अतिशयअतित्रासकोकहोक
हाजहंमाहि अवर रुकनचलनबसुहै
रनबियमगसुनिगमसुधिनाहि वार्ता
निगमकोअर्थजोमारगकीषबरिनपरे
मैनपहमैंनिगमवेद दोहा मैंनत्रास
योंअतिभयोउलहतकुचहोत्रास अव
उतंगकुचमैंनहैयातैंअतिपरकास वा
र्ता इहांमैंनअरुमैंनाकोरूपकरूपका
अलंकारहै दोहा गाढेबाढेकुचनिढि
कैलिपियहियपियबरसाय ढकसोहेहीतो

३८ हियेसवैदईउकसाय १८३ चतुर्थी
विभावना अन्यहेतुतैंकाजजहांहोत
विनौवनगायप्रबलतकासनसोंद
ईउकसौंहैउकसाय कार्यविरोधदो
हा औंज्यौंजोवनजेवदिनकुचमति
अतिअधिकाति त्योंत्योंछिनुछिनु
कटिछिपाछीनपरतिनितजाति १८४
टीकावचन अतिअधिकातसुअति
कहाघटिदिनप्रतिअधिकात तीस
घरीतैंबढतनव अतिअधिकातबि
ख्यात कुचमुग्धाअधिकातमधि
जोवनअतिअधिकात सोंहीकटि
कौघटनिहेजांनिलीजियेबात तद्
पानुपकअलंकारहै जोवनजेव
सुकुचसुदिनकारिसुछिपाहल्लाय
रूपकहैताकूपहलांसमकऊकविक

विराय मितंवर्णनं दोहा लगीअन
लगीसाजुकटिकरीबरीविविषीन कि
येमनौंदेहाकसरकुचनितंबअतिपी
न १८५ पत्र परीषीनकहैंतहांसुनौं
जिहिंसुकसरकौंपाय उत्तर दैवतैंअ
तिपीनकियपरीषीनइहजाय हेतुअ
लंकारहै अधर्मपवर्नन दोहा
जौंजुगललोयननिरे करैंमनोंविधि
मैंन केलितकनिदुपदैंनयौंकेलितरू
नसुषदैंन १८६ पत्र करदलिजंगमैं
वलटिगतिक्योंतिनदुषदसुबैंन उत्तर
केलिमांहिविधिकेलितवकेलिनदा
नदुषदैंन वकतौवात्प्रपमाकहै
मनौनिरेलोयनकरेवस्तुत्प्रेछाहोय
केलितकनपदहैजपकअलंकारवि
वजोम दोहा रसोदीवहाटसगहैंस

श्री

४८ तिहरगह्यौनस्तर मुख्योनमनमुरवांनतु
नि जैतरनचपित्र १७७ अर्थविधि
सषीकहतजैसेजुमन नायककोहौ
सूर सोमुख्योमुरवांनिजैतूरनचपित
रत्नर अलंकारसंबंधातिसयोक्तिहै
सर्वधातिसयोक्तिजहांजोगअजोगहि
देत. तूरनपाईजोगपनानहिकछूवर
यहहेत ऐसीबर्नन दोहा पायमहा
वरदैनकौंनायनषेवीआय फिरिफि
रिजोनिमहावरीएसीमीनतजाय १७८
अर्थ नायनवकुरायनितनहिंजांनर
तिकिमअंगमाहि उत्तर. नवडुलहीसु
सरारिकीनायनसुलहीमांहि इत्यन्ना
तिअलंकारहै भ्रांतिसुऔरैवस्तमें
होयऔरभ्रमआनि सहजअपर्न
तामेंपरयोधोपोजावकमानि दोहा

कौंहरसीएडीनुकीलालीदेषिसुजाय पा
इमहउरदेहकोआपनईबेपाय १७९
प्रतीपअलंकारहै कौंहरहेउपमानसां
एसीलषिउपमेय सोबाचकलालीधर
मधरनउपमांनेय पायलबर्नेन दोहा
कियहायलचितचायलगिबजिपाय
लनुवपाय फुनिसुनिसुनिमुषमधुर
धुनिक्यौंनलाललल्लचाय ११८ टीका
प्रश्न इहांचायलगिसहृयहअनमिल
अर्थदिषात उत्तर तहांपहिलीदीपीत
मैसषीकहतियोंबात १ कियहायल
चितसमुझिपायलधुनिहीसांम मुष
धुनिसुनिललचैनक्यौंतूजेचायलगि
वाम पुनःप्रश्न पायजकीधुनिसुनिजि
एहायलचितजुआवैन तोवाहियेमुषधु
निसुनिनम्रूरछललचबनेन उत्तरसोसषा

पायलहायलकीन मुषकंनिसुनिक्यौंहो
यनहिं यातैंकहतिप्रबीन क्यौंनलाल
सौंललचई १ क्यौंनपददेहरीदीपकका
व्यलिंगग्रलंकारहै काव्यलिंगतैंजहां या
सांमर्थनदृढग्रर्थ हायनललचनक्यों
नजहांमकरंदकंतिसुसमर्थ ग्रनवट
वर्नन दोहा सोहतग्रंगूगपाइकैंग्रन
वटजस्योजराय जीसोतरवनिकुतिसुढ
रिपस्योतकनिमनौंपाय १११ प्रश्न इहां
एकग्रनवटसुक्योंनहिंकछुवेवनजु
कि उत्तर तहांकहियेइकजितसबैतें
होतडुकंनिकीउक्ति प्रश्न जोदोऊतो
रविसुइकयातैंप्रश्नरहोत उत्तर तहां
ग्रर्थग्ररुंगइकग्रनवटसिवाविष्यात
वार्ता दृष्टांतहेतुग्रलंकार हेतुत
रवनिडुतिनैंजीसो पुनियादोहाकौप
रमारथपध्यकहियतुहै कोऊकहत१
जुसिष्यसौंग्रैसोमननिहिंमारि जीसो
मनुजकहावईवहिगतितूमनधारि ग्र
र्थविधि ग्रैसोमनसोहतकहासोतूमा
रिकुबार ग्रंगूगामैंपायकैंग्रनवटग्र
मजुबार १ जस्योग्रपुनपोजारिवट
ग्रबजीसोसुनिताहि तरवनिडुतिजो
तरपस्योहछनिगतिलईजाहि १ ज्यौं
ज्यौंफलैनवैसुमौंतरनितरैकोग्राउ सो
मनजीसोपायतूयाबातहिकरिवाउ
वार्ता दृष्टांतग्रलंकारतरवनकीसी
जोतिमनहरिपस्योयापैं ग्रथगतिव
र्नन दोहा पगपगमगग्रगमनपरत
चरनग्ररुनडुतिझूलि गौरगौरलषि
यतउवेडुपहरीयासेफूलि ११२ टीका
मनडुपहरियासेउठे फूलिकहतइहिं

गांम मनौकाढतसौंव्यंगतै अस्तलोछा
नांम बसनभूषनबर्नेन दोहा ऊरतिन
कुचबिचकंचुकीचुपरीसादीसेत कवि
ग्रांकनकेअर्थलौं प्रगटदिषाईदेत १
१२ मतोपिमांअलंकारहे काव्यअर्थ
उपमांनहेकुचउपमेयसुजांन लौंबा
चकदीसतधरम इरनउपमांमांन यातें
प्रम अलंकारउपमांधस्योयहेअरथ
परमांन सोतोअर्थनसंभवैयहेप्रसबु
धिवांन १ कविग्रांकनकेजोअरथप्रग
टधरेहीहोय तोटीकाकाहेकरेबनेय
यसबजोय उत्तर सौंग्रांकनकेअर्थ
सबकविकोनासेआन सोंहीकुचबि
चकंचुकीसबगुनजानेजांन दृष्टांतालं
कार दृष्टांतसुयातेंकह्योसमजऊचतु
रसमर्थ डरतनकुचबिचकंचुकीसोंअ

कनकेअर्थ दोहा नईजुतनछबिबसन
मिलिबरनसकैसुनबैन अंगओपअ
गीडुरीआंगीअंगडुरैन १५४ मीलितअ
रुविनांवनांहे मीलितअंगआंगीडुरी
आंगीडुरतनअंग काजहोयप्रतिबंधज
हांसुविनांवनपरसंग विनांवनां वाऊ
रांवनवारीआंगीताकेहोतनअंगदिषा
ईदेवोकाजहोतहीहे ऐसोअर्थ दोहा
पहिरनभूषनकनकके कहिआवतइ
हहेत दरपनकेसेमोरचेदेहदिषाईदेत
१५५ विषमालंकार हेअनिष्टजहांइष्ट
केउद्दिमविषमनगोय भूषनपहरतसो
नहितसुवेविगारतवोय दोहा मीनकं
विधितनअछिछविस्वछरापिवेकाज
दगपगपोंछनकोंकियेभूषनपायंदाज
१५६ सम भूषनलषिअंगनलषेंयहर

43

४३ कछुनहिनिरधार अरुमुकपोलादिक
निपैंनहिभूषनपरकार उत्तर जेनर
बरतिनकाजनहिंपायंदराजबिचार. अ
वनरनकेकाजजिनपगरछनपरका
र १ तेसैंजेदुतिरसिकतेलषतनभूष
नसाज जिनकीफचिभूषननिमैंतिन
हितपायंदराज १ अनहींकेहगमलिन
जेधरतभूषननिहाष्टि रसिकसुनरव
रअमलहगजानतसबाविधिस्पष्टि
उत्प्रेछाअलंकार तनछबिस्वछरहे
छहीफलनिमित्तयहकाज फलउत्प्रे
छाअसिधपदनाहिंसिधपायंदराज
दोहा सोनजुहीसीजगमगेअंगअंग
जोबनजोति सुरंगकसंभीकंचुकी दु
रंगदेहठतिहोति १७ लुप्तोपमालंका
रहै अंगजोतिउपमेयहैसोनजुहीउ

पमान सीबाचकजगमगधरमबरनउ
पमानजान दोहा छिप्योछबीलोमुषल
सेनीलैअंबरचीर मनौकलानिधिफ
लमलैकालिंदीकेनीर ११८ वस्तूत्प्रे
छाहै दोहा लसेमुरासातियश्रवनि
योंमुकतनिदुतिपाय मांनौपरसकपो
लकैरहेस्वेदकनछाय ११९ हेतूत्प्रे
छाअलंकार जडकैसात्वकनयो हेतु
सुपरसकपोल हेतुत्प्रेछाजांनियेतकै
स्वेदकनबोल दोहा बोलतिहैनटसा
लसीक्योंकंनिकसतनांहि मनमथने
जानोंकसीखुनीखुनीजियमांहि १२० अ
र्था मनमथअयुधसरखासिधनेजान
दिनबषान उत्तर मनकौमथिकैजोखु
नीनेजानोंकसमान बाकी इहोग्रलोंका
प्रगटहीहैखुनीनेजानोंकसीखुनी दोहा

अजोंतस्योनांहीरस्योअतिसेवतइकरं
ग नाकबासबेसरिलस्योबसिमुकतनि
केसंग १२। प्रश्न इहांश्रवनकीमूनता
मुकतिनकोपरभाव अंगतेंअंगकीसि
ष्टताबहियेबर्ननभाव दूजोउत्तर अ
तिसंपायोनांवहेमुकतनिकेसंगबास
यक्कअसमंजसएकविधिलाअनहीप
रकास तीजोउत्तर अजोंतस्योनांहीर
सोकहासुकेहेओर यत्तनबर्ननप्रश्न
त्रयसुनैसुकविसिरमोर उत्तर तहां
कहतयहस्वर्लीकोअससंगतनसनांम
जिनिअतिसेयौनांमतिहिंलस्योतस्यो
नांवांम १ सुवहतस्योनांपत्रइकजाप
रापतथार तरैरहतसबपत्रकेनांमह
मैत्रधहार १ नाकबासबसिपदलस्यो
बेसरअसमसमर्थ अरुमुकतनिके

संगहैजामैंओटसुअर्थ १ इहांश्रवनकी
सूनतानासाकोपरभाव यामैंअंगतेंअं
गबरबरनतउत्तरभाव प्रश्न ऐकनेंना
मलह्योएकनेंबासलह्योयाकोउत्तर
दूजोउत्तरउनिलस्योनांमतस्योनांसाय
उनबेसरिनांमहिलह्योजाकीसरनहिं
कोय तीजोउत्तर अजोंपदको यहसु
बरनजबलगिश्रवन तबलगितरवन
नांम अजोंरह्योयातेंकह्योतीजोउत्तर
नांम उल्लासालंकार है नहेंदोषतेंदो
षइकगुनतेंगुनउल्लास अतिसंगल
ह्योतस्योंनपदबेसरनाकसुबास पूरना
रोपरूपर्थ परमारथकेपक्षमेंअर्थसु
इहिंबिधिजांन बेदपाठतेंसाधकोसंग
सुकविकरिमांन १ सुवहतस्योनांहीसु
जिनअतिसेयोइकत्र अंग मुकतजुसा

धसुसंगतिनिलह्योनाकदिविसंग प्रश्न
मुन्योंश्रवणाबिदकीकरनीनोहिनजोग
सबैपदारथलाभकोबेदहीतैंसंजोग उ
त्तर बेदअरथसमुझ्योनकछुनहीमन
नकोनेव इहांकह्योइकअंगकहंपावमा
त्रश्रुतिसेव प्रश्न पावकुकीनहिंवाहि
येकरीश्रवज्ञाजोय उत्तर अजौनस्यौ
नाहींइहांइहधुनितरिहैसोइ पुनप्र
श्न मुकतनिकोसंगपाइकैंमुकतिवा
हियेहोय इहांनाकबासहिलह्योप्रश्न
इहांकसोय उत्तर मुकतिनकेसंगमें
बस्योकल्पतीरथनिजात संताषफल
पानहीसंगफलकह्योबिषात प्रश्न
संगफकोफलतुछक्यों उत्तर तदांव
हउत्तरजोय स्वर्गफलमैंबसरिरह्योबा
सजिहिंनसमकोय वार्ता इहांहीवह

तात्पर्यहै यातैंउल्लासालंकारहीहै दो
हा सोरठा मंगलबिंदसुरंग मुषससि
केसरिआडगुरु इकनारीलहिसंग र
समयकियलोचनजगत १२४ प्रश्न
जगलोचनरसमयकियेतोतियभूषन
जांनि उत्तर तियनैंदृगरसमयकिये
नाडीजगरसमांनि वार्ता रसश्लेषजेम
अर्दजलअलंकाररूपकसबिषयसा
वयव रूपकसबिषयसावयवसब
बिधिसमताचाहि मुषकोयहसंमूह
करिजावसुकह्योनिबाहि दोहा गो
रीछिगुनीतषअरुनचलासामछबि
देइ लहतमुकतरतिछिनकइहनैंन
त्रिबेनीसेइ १२५ वार्ता इहांसबैकै
अंगुरीमैंत्रिबेनीकोरूपक दोहा नर 46
वनकनककपोलद्युतिबिचबीचहीबि

कांन लाललालचमकतचुनीचोकाचि
न्हसमांन १२४ मीलतलछनकोसूर
कर मीलतभेदनसहसमें छप्योकपो
लनिरखर्म लालचुनीचोकाचमकसमउ
पमावर्त प्रोदाविचित्रर्ण कोऊसषि
सषिसोंतीयकोविन्हुजावातिवाहि ल
षिसषिचमकचुनीनिकीचोकाआल
नयाहि आजोकतिहै आजोकतिक
छुकहिजहांलेतअकारजाय कही
सुचमकचुनीनकीचोकासमरहनाय
दोहा सारीमारीनीलकीवोटअचूक
चुकेंन मोमनमृगकरवरगहो अहेअ
हेरीनेंन १२५ टीकायछक चुकेंनअर्थ
अचूककोपुनिअचूकपुनिफक उनर
मोमनमृगसुअचूकहो किंवरनाय
कउकें अनन्वयहेतुको ऊतेअहेरी

नेंनयोंकीजेअर्थविष्यात वार्ता इहांअ
हेरीकेसबअंगसविषयसावयवरूपक
अलंकारहे दोहा तननूषनअंजनदृग
नियगनिमहाउररंग नहिसोभाकोसा
जियतकहिवेहीकोअंग १२६ टीका
रूपगर्वितोकेवचनसोभाकहिबेमांहि
कहियेहोकेअंगतोअंगसुहागिलवांहि
मीलितअलंकारहे विजनिजरंगअंग
आनमिलभूषनादिएजाय यातेमीलित
समरंगमहिमिलेनभेदलषाय दोहा पा
यतकनिकुचउचपदचिरमबस्योसबगा
उ छुटेंवोररहिहैवहैजुहेमोलछबिनां
उ १२७ टीका अपोगांवकुलटानिरस उ
तरदेषतिसबेलुजाय यहमननिश्चल
नायकाठगेगयेवचपाय टीका मोलजु
छविघटिहैसुतोनांवघटनिकिंहिंजाय

४१ और गुंजमालसंगगुंजपद चिरमिछुटैं।
पदपाय [illegible]लंकारहै इककेगुनसों
होयजहांऔरहिगुनउल्लास ऊंचसंगतें
छबिवंतपदमोहनगतिलहिजास दो
हा उरमानिककीउरबसीहटतघटत
हगदाग फलकतबाहिरबरिमनोंति
यहियकौअनुराग [illegible] टीका कहति
सुजेदनपायसखिलईजुनिजकरमित्र
पियसौंतोसौंप्रीतिअतिदिढवनकाहि
तियचित्र । परषिजबतियहगजर
नितुवहियअतिअनुराग अत्योपद
किलाषिहोतसुथितबसुघटतहगदा
ग [illegible]अलंकार दोहा सह
जसेतपचतोरियापहिरैंअतिछबि
होत जलचादरकेदीपज्यौंजगमगात
तनजोति [illegible] दोहा टट

कीधोंईधोवतीचरकीलीमुषजोति फि
रतरसोईकेबगरजगरमगरद्युतिहोति
[illegible] यातैं मातिअलंकारअरुजगर
मगरलोकोक्तिहै दोहा जरीकोरगोरे
बदनबढीषरीछबिदेषु लसतिमनों
बिजुरीकियेंसारदससिपरवेषु १९०
[illegible] दोहा तीजपरबसौंति
नुसजेंभूषनबसनसरीर सबैमरगट
जेमुदकरीउहीमरगजेचीर [illegible]
[illegible] याकीजौबारीकंतीमौऔरनिकि।
पिदाद जौबारीटारीकहोतऊप्रसनि
रबार । उषनहिजिहिबारटरीसब।
क्योंहौंहिमलीन यातैंयाकेअर्थकीर
चनाकौप्रवीन [illegible] पियबिदेसतैंआ
यनिजसंषिबहिकीयोमिलीन तहांचि
तचुनीसुबोलिनिसिकरिपवईरतिजांन 18

उदिंसुगरबतैंनासजेन्रूषनपटसुबनाय
वेलबिनईमलीनसबरतिसपत्तनिद्रुष
दाय असंगतिअलंकार सुअसंगति१
कारनअनतकारजसिअसुथान जुकै
मलिनपटतियद्युतिनु मलिनकरीति१
यअांन दोहा देषीसौंनजुहीफिरतसौं
नजुहीसेअंग द्युतिलपटनिपटसेतक्रै
करतबनौंढीरंग १३३ तद्गुनालंकार
अपनौंगुनतजिसंगगुनिलहैसुतदगु
नषंग द्युतिलपटनितैसेतपटअयोब१
नौढीरंग दोहा पचरंगरंगबेनीबनी
उवीषरीमुषजोति पहिरैंबीरचिनौंढि
याचटकचोगुनीहोति १३४ अप्रम पच
रंगफुनिरंगसहूबढि इकइहसप्रसु१
अोन दूजैचोगुनचटकमिलिलषियत
तीनप्रमान उतर किततियपियसौंर

गअयैंसज्योसरससिंगार तहांसबिसौं।
सषिकेबचनकहतिसुइहपरकार १६
कसुषद्युतिइजैंबरीअईरंगपियपायु
ताजैंबेंदीबीरलहिचटकचोगुनीगाय
अनुगुनअलंकार निजगुनसिधपरसं
गअधिकहोयसुअनुगुनगाय एकचूट
कसैंचोगुनीभईसंगपरपाय दोहा वे
दीमालतंबोरसुष सीससिलसिलेबार
हगअंजेराजेषरीएहीसहजसिंगार १
३५ जातिअलंकार है छबिबर्नन दो
हा हैरीफीलषिरी जिहो छबिदिछबी
लेलाल सैांनजुहीसीहोतिद्युति मिलत
मालतीमाल १३६ तद्गुनालंकार तद
गुननिजगुनतजिजहां अौरैंगुंनलपटा
य मालासनद्युतिसंगन ईसोनजुहीरंग
नाय दोहा जानेंपटमैंफुलमलीफलक

49

४९ नञ्योपञ्चपार सुरतरुकीमनुसिंधमैं लै
सतिसपल्लवडार १४७ [illegible] दो
हा फिरिफिरिचितउनहीरहत तुटीला
जकीलाव अंगअंगछबिझौरमैंनयो
नौरकीनाव १४८ वार्ता [illegible]
[illegible] दोहा के
सरकेसरकौसकेचंपककितकअनू
प गातरूपलखिजातदुरिजातरूपको
रूप १४९ [illegible] सो
प्रतीपउपमेयलहिउपमअनादरहो
य केसरचंपकबरनकी निंदाइहथल
जोय दोहा वाहिलषैलोयनलगेकौ
नजुवतिकीजोति जाकेतनकीछांह
ढिगजौन्हछांहसीहोति १५० [illegible]
दोहा उतेछांसौंव्यंगहैजोनकबु
धिसमर्थ मनोछांहहैजौन्हपदइहै

बिधिप्रगटतअर्थे दोहा कहिलहिकौं
नसकैंदुरीसौंनजायमैंजाय तनकीसह
जसुबासबसदेतीजोनबताय १५१ [illegible]
[illegible] उन्मीलितजहां
सद्रिसमैंभेदलहतकिरूजाय तनसु
बाससेंतियलषीसौंनजुहीमैंजाय दो
हा हरिछबिजलजबतैंपरेतबतेंछि
नुबिछुरैन भरतढरतबूडततरतरहै।
तघरीलौंनैन १५२ [illegible]
[illegible] दोहा रहितसक्योकसुक
रिरह्योबसकरलीनौंमार भेदतुसार
कौंयोहियोतनउतिभेदेसार १५३ [illegible]
[illegible] काव्यलिंगसामर्थताजहां
दृढकहियतहोय जोभेदतहेसारकौंइ
हभेदेईसोय वार्ता [illegible]
सारबस्तुसारलोह दोहा पदरतहागौ

५८ रैगारैयौं दोरी अति लाल मनौं परसि पुल-
कित नईबौलसिरीकी माल १५४ प्रश्न
पुलकितसी होत हि सदा मौलसिरीकी
माल ताहिकहै पुलकित नई परसैं प्र-
म्म बिसाल उत्तर पियजु दईवरमाल
तिहि पहिरत गोरै गरैं यौं बाढी छबि बा
ललाल परत पुलकित मनौं वार्ता इ
होहेतुत्प्रेक्षालंकार है मनौं लालनके पर
सकारनतें नायकापुलकित नई दोहा
कहा कुसमकहिकौमुदी कितक आरसी
जोति जाकी उजराई लखैं आंखि ऊजरी हे
ति १५५ प्रतीपालंकार जहां उपमा
न समर्थता देखतीयल्ला सोय कुसमआ
रसीकौमुदी कहा निंदइ निजोय दोहा
कंचनतन धनबरन बरन रह्यौ रंग मिलि
रंग जांनी जात सुबास ही केसरि लाई अंग
१५६ प्रश्न प्रश्नकारत तिय अंगकी कही
सुबरनसुबास उत्तर बहतौ है ही अन्य
विधि नई सुकरी प्रकास दोहा अर्थ अं
गतैं अंग लावन करौं लागि गई पटमां
हि यातैं कही सुबास ही लही अवर बि-
धि नांहि अमीलितालंकार दोहा अं
गअंगनग जगमगति दीपसिषा सी दे
ह दीपबढायें हूं रहै बनौ उजारो गेह
१५७ अनगुनालंकार है निजगुनसि
ध परसंग अधिक अनुगुन लषि निर-
धार दीपदेह कनगन कहि सी तैउ
पमा धार वार्ता देहदीपसिषासी ज
गमगै यातैं लुप्तोपमा है दोहा कै
क सरमनि मयरही मिलि तनदुति मुक
तालि छिन छिन परी बिचष्टि नौ लष
ति छुड़ायति जु आलि १५८ तद्गुनालंकार

५१ तदगुनअलंकारहै तदगुनसंगीगुनल
है औरनिसुभ्रमजहांहोय उतिसंगमुक्ति
कमरउति भ्रमजौसषिककंजोय दोहा
षरीलसतगोरेगरैंधसतिपांनकीपीक
मनौंगुलूबंदलालकीलाललालउति
लीक १४९ मल उतिगुलूबंदला
लकीगरचकंधारहेछाय लीककहन
यहनहिंबनैंऔरषरीकिंजनाय अत
र मनौंगुलूबंदलालकीउतिकौंलीक
समान कहाकिअपजसदांनिहै षरील
सनितैंजान वार्ता हेलालएकलाल
संबोधनलालबाह्हिरतैंसोभावानपी
कलीनतरहैतऊसोनाअधिकतातैंषरी
लसति इहांहेतुन्छेछाप्रगटहीहै षरी
लसतहैयाहेतैंमनौं लीकअपजसदां
नि रूपयहतर्क दोहा बालछबीली

तियनिमैंबैठीअछुछिपाय अरगटही
फूलसीपरगटहोतलषाय १५० इहां
दुरीऔरकरिबेंकि उपमांनउपमेय अर
गट घूंघटमासहित बालपांनूससील
षाय सरस दीठनपरतसमांनद्युतिकन
ककनककसेगात भूषनकरकरकसल
गतपरसिपिछांनेजात १५१ उन्मीलि
तालंकार दोहा करतमलिनआछीछ
सहज बहिंहरतजुसहजिविकास अंगरागअं
गनिलगेंज्योंआरसीउसास १५२ वि
शेषालंकारहे विषमदृष्टकेउदिमतें
हेअनिष्टजिहिठौर अगरागसोनहि
सजेंसुवहबिगारतऔर दोहा वरन
बासमुकमारतासबाबिधिरहीसमाय
पंषुरीलगेगुलाबकी गातनजांनीजाय
१५३ मीलनालंकार छंद सजिसबस

५२ मैंनेदनलहियै मीलितअलंकारसोकहि
यै दोहा अंगअंगप्रतिबिंबपरि दर्पन
सेसबगात उहरेतिहरेचौहरेभूषनजो
नेजात १५४ सुनोत्प्रेक्षाहै मनुदुहरे
तिहरेअंगनिभूषनहैइहंनायउत्प्रेक्षा
मनुलोपकीबस्तभोछिदरसाय दोहा
अंगअंगछबिकीलपटउपजतिजाति
अछेह षरीपातरीऊतऊलगैंभरीसीदे
ह १५५ मनौंभरीसीउत्प्रेक्षा दोहा रं
चनलषियतपहिरियैंकंचनसेतनबा
ल कुभिलंभीजांनीपरैउरचंपेकीमाल
१५६ उन्मीलितअलंकार सुकमारता
बर्नन दोहा भूषनभारसंभारिहैक्यौं
यहतनसुकमार सूधेपायनधरपरत
सोभाहीकेभार १५७ वाती अलंकारक्षो
कोक्ति क्यौंसंभारिहे अर्थकिनसंभारि

है दोहा नजकधरतहरिहियधरैंनाजु
ककमलाबाल भजेंतभारभैभीतकेघन
चंदनबैनमाल १५८ व्याजअर्थनाय
कबिरहप्रेरवा हरिनधरतकलहीय
धारतनाजुकबालछुनि भजतभारल
षिजीयमलयमालतेंबिरहलस बातो
हेनाजुकबालयहबिसेषनसाभिप्राय
है कितुमंननाजुकहै कसताकेउपकों
नलेजांनतिहैंइहांपरिकरांकुरअलं
कारहै दोहा परिकरसाभिप्रायजहां
कहैबिसेषनधारि नाजुकयहजुबि
सेषनैंसाभिप्रायनिहारि इसोअर्थना
यकबिरहको हैहरिनाजकधरतहिय
नाजुककमलाबाल भजतभारभयल
हिधरैंकनतकमलयजलमाल भारकेदो 52
यअर्थ घननजलमांनतभारसमभारउप

षलजांनि मालहजांननमारनुत्यमहा
बोऊसममांनि व्याघातालंकार कौंन
रूपेकप्रकारतेंसुषदअहितव्याघात घन
कमलयजलमालएनऐंडुषदबिष्यात
तीजोअर्थधीराधीरानायकाबचन रति
प्रस्विदचंदनघन्यौसुमनरहेघननांहि
तहांकहतकछुव्यंगसौंधीरअधीरनुमां
हि १ हरिकलनहिंसुलषीहियेनाजुक
दबैनबाल यातैंतनचंदनसुमननज।
नजारनयलाल वार्ता नजनकोअर्थ
अंगीकृतलुमहेतुम्बेछा मनुयाहेततें।
दबैंनहीप्यारीहलकीमालापुनमैचंदन
अंगीकृतकरो फुन्स परमार्थपक्षअर्थ
जेहरिहियहिंधरैंसुतेजकनधनश्री।
जोय नजतमलयबनपंक्तिजहांअूहि
नयजापनकोय वितरेकालंकारहै

वार्ता हरिकीसरनअतिसुषदहै कमला
लक्ष्मीतैंअकतियकीप्रातितैंसुषदयातैं
इनकीजकछोनी दोहा छालेपरबेकेम
रनिसकेनहाथछुवाय ऊझकतहियै
गुलाबकैंफ़वाऊवेयतपाय १५८ अर्थ
यहसुऊबैंयतपदअबनसुबनऊवाव
तहोय यातैंबिरहनिअर्थमैंबनऊवैय
तसोय उत्तर बिरहनिगुरजनसासनां
धावतिपगकिंकदाय नायनिछालेके
मरनिकुसमतिधोवतिपाय उत्तर गुर
जनसासनपायपगसुऊवैंयतपदवनों
अअनसुमेलपगनायबिरहनिहीकौंसंग
वे वार्ता सुकमारताकौअर्थहैहाप्रत्य
नीतिअतिचमत्कारहै इहांसबंधातिसयो
क्तिअलंकारहै दोहा सबंधातिसयोक्ति
जहांजोगअजोगहिदेत हाथछुवतछा

लौपरैयगाहिंजोगनहिंहेत दोहा मैंबूर।
जीकेबारनह्वतकितलेतकरौंट पंषुरीगौरन
गुलाबकीपरिहैंगातषरौंट १६० मल द
नकितलेतकरौंटपदयामैंअर्थवैनैन पं
षुरीतौसबसेकपरहोतयर्थयहवैन उ
त्तर फलगौंदषेलैंडुबौंपियबच प्रथम
दिषात किमिकरवौटबचाइबौफुनि।
तियबचमृदुगात प्रश्न गातहिंमृडुक
हकरनहीं उत्तर तहांसषिसौंपियबैन
नक्यौंकरहिंबचावईसषिबचमृडुतन।
कैंन सबंधातिसयोक्तिहै दोहा अरु
नबरनतरुनचिरनअंगुरीअतिसुकुमा
र छुवतसुरंगरंगसीमनौंचपिविछिय
निकेमार १६१ हेतुत्प्रेक्षालंकार रू
पवर्नन दोहा कनदैबौसौंप्योसुत्र
बकप्रुरहपीजांनि रूपरहचटैलगिल

ग्यो मांगनसबजगजांनि १६२ विषमल
लंकार विषमइष्टकेतदिमतैंहैअनिष्ट।
जहांलेषि इष्टअल्पदत रूपनमनसुदत
गयोबढिदेषि दोहा ज्यौंज्यौंप्यासेईरहत
ज्यौंज्यौंपियतअघाय सगुनसलौंनेंरूप
कीजुनचषत्रिषाबुझाय १६३ सम बस्त
सलौंनीजछनतैंप्यासनीअतिहोय त्यौं
सलौंनसौरूपहीपीयनरूपदीसोय उत्त
र सगुनसलौंनैंकोकहामीतसलौंनौंजा
नि सोउरमैंबसिकैरह्यो रूपप्यासबकुमा
नि विसेषोक्तिअलंकार होतुनकारज।
हेतजहांबिसेषोक्तिवहलेषि पियनहे
तुहेप्यासगतिकारजहोतुनदेषि दोहा
रूपसुधाआसवछक्यौ आसवपियतनब
नैंन प्यालेओठपियाबदनरह्योलगायें 55
नैंन १६४ तुल्ययोगितालंकार तुल्य

जोगसाधर्मइक बर्नअबर्नहिंहोय याले
अरुहरगकोधरमलगिबोइकह्योजोय
दोहा उसहहसौतिसालेजुहियगनतिन
नाहबिबाह धरैंरूपगुनकोगरबाफिरैं
अछेहउछाह १६५ बानी सोतिसालन
जोउसहहैताकोंरूपगुनकेगर्बतेगन
तिननाहकेबिबाहमेंअछेहउछाह है
गर्बएकतै रूपगुनको सालेनहियजो
ऐसेंपावहोयतोउलहिनकोगर्बबने
नहैयांचवीबिभावनाहै कारजहोयबि
नहेतेंसो बिभावनामानि आगमसोति
उछाहकोकारनबिनहसुजांनि दोहा
लिषनबैविजाकीसिबीगहिगहिगर्बे
गहर नपनकेतेजगतके चतुरचितेरके
र १६६ यम अर्थसुगर्बगहरकोएकै
सोमुनिहकि उत्तर कहतसुकिर्कांचिते

रसौंहेगहरयहउक्ति बानी गहरगबीरु
कौंकहतहै यथा गिरतैंनगहबोगहरा
हौंनयारहतैंयहसाषबिसेषोक्तिअलंका
रहैनुहोयकाजैनहोय दोहा तोतन
अवधिअनूपरूपलग्योसबजगतको
मोहगलामोरूपाहमनिलगीअतिचटा
परी १६७ आधारमालाअलंकार इक
कोइकआधारक्रममालआधारसुचा
हि तनमैंरूपसरूपमैंहगहगचटपटा
आहि यथा हाव वर्नन दोहा त्रिबली
नाभिदिषायकरि सिरढकिसकुचसमा
हि लगीअलीकीओटकैचलीभलीबि
धिवाहि १६८ स्वभावोक्तिअलंकार दो
हा केवाआवतइहगलीरह्योचलायचलै
लैन दरसनकीसाधैरहैसूधैहीहिननै
न १६९ हाव भावा सधैरहैतनैन क

हाहोतटेढेकछ क्रोधसहितहगऐनटेढे
तौतिनकौंकहत उत्तर यापैसोहैहग।
चलतदहसनाविबिधात दहांजितेष्या
रीसदनपतिनकौंपुरिजात वार्ता जाग
लीमेंप्यारीकौमंदिरहेतहांनायकजातु
है जबतांईमंदिरनआवैतबतांईतो।
नैनसौंहै देषतचलेजातहैं जबवहगैर
आई तबआगेंचलबेल्लैरहै ओरमं।
दिरकीओरकौंकेजातुहै सूधेमारगकी
ओरनहीरहतकैसेहैं नैनजिनकौंदरस
नकीसाधेरहेहै यहबिसेषननेत्रनिदी
कौहै हेतुअलंकार टेढेहोनकौगली।
कोआंबनकारन–है टेढेहोनौंकारजहै
दोहा बिहसिबुलायबिलोकियत औ
दतियारसझूमि पुलकिपसीजतिपत।
कोपियचूम्योमुहचूमि १७० टीकावार्ता

पियकेसतकौमुंहचूम्यौं पियकौहूंम्यौंजा
निकैं असंगतिअलंकारहै सोरठा मन
मनमथमदधारि चहियैपियमुषचूंमि
बौ चूम्यौसुतमुषनारिसुअसंगतियुहैर
जानिचित्र दोहा देष्योअनदेष्योकियो
अंगअंगसबैदिषाय पेठतसीतनमैसकु
चबैठीचितहिंलजाय १७१ वार्ता पेठति
सीतनमैंयहस्वभावोक्तिहै दोहा रहौ
गुहीबैंनीलषैगुहिबेकेसोनार लागेनी
रचुवांनजेनीविसुकाएबार १७२ परिह
तअलंकारहै परिहतकीजेओरकछु उ
पजिपरेकछुओर गुहिबोकाजकरतेल
ग्योनीरचुवनतिहिंठौर दंपतिसात्विकस
मीचनं दोहा स्वेदसलिलरोमांचकुस
गाहिदुलहतिअरुनाथ हियोदियोसंग
नाथकेहाथलियेंहीहाथ १७३ रूपकस

छहेसंकल्पको दोहा मानकंमुंहदिषरा
कनीकुलहनिकरिअनुराग सासमदनम
नललनकसोतिनदियोसुहाग १७४ प्र
श्न सौतिनअनुरागनबनैमुहदिषांव
नीमांहि उत्तर साससललनकंसंकहे
मणीअर्थोफिरिनांहि १ सोयहपदअनु
रागकोसासललनहीलाग वहपदम्या
रोहारह्योसोतिनुदियोसुहाग प्रश्न जु
अनुरागपदसोतिकीवारनलेतसचेत
दीयोसुपदतटसोतिक्योंसाससललनघ
रिलेत उत्तर तहांअर्थयोंसासअरुल
लनकंकरिअनुराग मुहदिषांवनि
कुलहिकीकरीसुनकंबडभाग हेतुअ
लंकारे दोहा निरषिनवोढानारितनछु
टतलरकइलिस जोप्यारोपीतमतियर
निमनअंचलतारदेस १७५ हेतुदोहा

दोहा दीओदैबोलतिहंसति प्रौढविला
समअप्रौढ त्योंत्योंचलतनपियनयनछक
ऐछकीनवोढ १७६ व्याजनिंदालंकारे दोहा
वानिकजलचषकषलगानिउपज्योसु
दिनसनेह क्योंनृपतिकैभोगवैलहि
सुदेससबदेह १७७ प्रश्न प्रसन्नरानीव
रमीनकैबकुंजनजनिनृपनांहि उत्त
र सनिकषलगनकंसुदिनश्रोहोयसुन
पत्तुवमांहि वार्ता रूपकअलंकारहै
नृपनेहकोरूपक दोहा चितइललचौं
हैचषनिमटिघुंघटपटमांहि छलसोंच
लीछुवायकैंछिनकुछबीलीछांहि १७८
व्याजोक्तिलंकारे दोहा कीनेकंकोरिकजत
नअबकहिकाटेकौंन जोमनमोहनरूप
मिलिपांनीमेंकोलौंन १७९ दृष्टांत दोहा 58
नेहननेंननिकोकछूउपजीबडीबलाय

नीरुनेरे नितप्रति रहै तऊ न प्यास बुझाय
१८० वार्ता विसेषोक्ति नीर कारन है प्या
स बुझै नहीं दोहा छला छबीले लाल र
कौन वलने हलाहि नारि चंमति चाहति
लाइ उरप हरति धरति उतारि १८१ अ
संभवालंकार है दोहा थाकी
जतन अनेक करि नैंक न छाडति गैल
करी षरीऊ बरी सुलगि तेरी चाह चुरैल
१८२ विसेषोक्ति है विसेषोक्ति जहां
हेतु कैं होतु जकाज न होय करीषरीऊ
बरीजु पद हय अनुप्रास हि जोय दोहा
उनि हरि की हंसि कैं उतैं इन सौंपी मुसक्या
काइ नैं न मिलें मन मिलि गयो दोऊ मि
लवत गाइ १८३ प्रश्न नियहर की सों
पी सुपिय मिलवत नाहि बनैं न उत्तर
पिय हर की न हिले न संग इन सौंपी दिसैं

न कहत सुगाय मिलाय बो कहि बेक को
अर्थे तहां सौंपी पदन हिं बनै गो चार नहिं
समर्थ असंगति दोहा असंगति अरु र
काज तहां होय और ठौर गो मिलव
न और नह्यो नो मन मिलन सुजान वार्ता
हर की हां कि बे कौं कहत हे दोहा फेरि
कछू करियो रितें फिरि चितई मुसकाय
आई जोवन लेन जिय नेहै ऊंच चली जमाय
१८४ असंगति अलंकार है सु असंगति
अद काज जहां होइ और मो ओर दखिज
मिबो और नह्यां जम्यो नेह इह वोर १ फे
रि कछू करि चितई पर्यायोक्ति है छल
करि साधिय इष्ट जहां पर्यायोक्ति विचा
रि दोहा होमति सुष करि कांमनी तुम
हिं मिलन की लाल ज्वाल मुषी लीजर तैल
की मिलगनि अगनि ज्वाल १८५ इहां बिरह

59

५८ मैंहोमकीरीतिकहीलखिचित होततियह
सिसुखअगनि लगनिकोंमनौमित्र अत्र
पियकेबिछुरतहोमबे सुखसुखिदाकेनां
हि इहांकहोहोमतिसुखनिसुखकहां
बिरहेनिमोहि तदगुन तहांअरपसु
खसहेकौहोमतिसुखकरिसोय पूरब प्र
रूपफेरिहोमतिकहाहबिबिनुहोमनहो
य अतद्गुन होमतिहेतनअर्थयहैकढत
सुकविवरदेखि लगनिअगनिमेंजरति
हैतनजरिबोतहांलेखि १ तौतहांमनहो
तानयौतनसुहव्यकरिजांनि ज्यौंसतीनके
तनसुहव्यमनहोतापहिचांनि अनुगु
न ओपप्रसज्वालामुखीसुतहसिद्धहै
जांनि जहांनकारनअगनिकोकाष्टआ
दिबितर्यांनि १ इहांलगनकारनसहित
लखिबोकारनमाहि निहकारनेंसुकार

नैंक्यौंबसौमतानाहि उनमीलित विसे
षको अलंकारसुविभावनांइकसौंछकौव
निमांहि इहविधिसाहसतालपौसबबि
धिसंसयजांहि १ कारनबिनुकारजजहां
प्रथमबिभावनजांनि जैसैंजावकबिनुदि
यैंतियपगअरुनबषांनि १ हेतसमग्र
नहोयजहांकाजबिभावनदोय सरकरा
छिछोडततदनिजिहबिनभूषनजोय १
काजहोयप्रतिबंधजहंत्रितीयबिभावनां
म तस्वनरविमुखबिधुनिकठ बढतसु
कचतमसांम १ कारनेकाकारजऔरकौ
तासौंकारजहोइ तजिप्रसिद्धकारनसु
औसंघवीनधुनिजोय १ कंवसंखबह
तेंकढतबांनीधुनिजौंबीन तौतहांका ५८
रनसंषनाहिबीनधुनिहिपरवीन १ तै
सैंइहांसुलगनकौंकसौंअगनिसुविचार

तीनहीकारनमृगनिकेकाष्ट्यादिनिरधा
रि १ तेतीनहिदृगदृगमिलनइहिकारन
सोंहोत अन्यहेतज्युबिर्गोबुनीसोइहोअई
उबोत १ सोहीज्वालमुषीसुमधिकाष्ट
आदिएनाहि ष्यांनहिकारनहेतहोंउय
नऔरथलमांहि १ गिरस्योनपाबीन१
कोप्रसिद्धहेतसोज्वाल दृगमिलवीनहि
हेतसोबिरहागिनिइहकाल बात दोहा
कोअलंकाररूपकसबिषयसावयवहे
दोहा होमरीतिकेअंगसबपापेबिरह
मंजार रूपकसबिषयसावयव सबअं
गबर्ननद्वार दोहा मेंहोजोमेंलोयन
निजुरतिबाढिहेजोति कोहोउंनतदी
वकोदीव किरकिरीहोति ७६ अब
इहोअलयहपियलषेंआनंददृगनि१
सुजोति दीवमित्रकीकिरकिरीकिहि१

अकारकरिहोति १ जोकहियेदेषतहिं
मुदफिरिकिरकटीसमांन ह्योनुकह्यो।
दृगजुरतहीहोतकिरकिरीमांन १ जोक
हियेअनतियलषतफुनिइहितनदृग१
दीन तेतहीपियकीदृगहिकोंचहतसु१
क्योंरसलीन १ अबजहांतियकोंलषत
तहोदीवजोरिबोहेन क्योंकिईरषाचित
नईजोतिबढेसुकहेन बात कोऊकह
तहेकिसोतिदिगहेताकीदीवकिरकिरी
हे दोहा सोतिहष्टिहेकिरकिटीमोअ
बनेनबात वासोंकतचाहतबढीजोति
सुदृगनिबिष्यात अब अक्रनामसा१
त्विकत्रयोदेषतपियकेनेन देषनमेंबा
धाकरीकिरकिटिअक्रसुत्रेन बातो
बिसमअलंकारहे दृगजोतिकोउद्यम
नईकिरकरी दोहा नसिसकोचदसवद

६१ नवसरसांचुदिषावतवाल सियलौंसोधति
तियतनहिलगतिग्रगनिकीज्वाल १७७
[illegible] सोवदिषावनवहसुतौसियपथ्यवि
ष्यात यहकहिसांचुदिषावईतियसोकहि
यतबात उत्तर हीसकोचकेवसतऊतहां
भलीहोपेम ज्योंसियवसदसवदनकेतणी
प्रेमजुतनेम [illegible] सियकोंग्रनउर
निबोकहहनेप्रेमकोभाव इहांजरैज्योंज्यों
तियासौंसोहितपरभाव १ यहतोप्रस्न
वनैनहीजरिवोपदह्योनांहि त्योंतोसो
धतपदउक्तुंनिग्रर्थसुनौंविधिमांहि उत्त
र सोधतिकहाकिसुवकरतिनिजतन
सियतियजांनि दुष्टतिकेवसजोरह्योति
हिग्रपिवत्रसुमांनि १ दरसनवाधकद
सवदनइहासकोचजोआहि ताकेवसग
तनहिकोंसोधतिग्रगनिसुचाहि १ सि

यसोध्योरिपुसदनकहि लौंयहग्रायसंके
त ग्रानुरउतकोंवितसुकेसोधतितनहिंस
चेत वार्ता तियसियलौंतनसोधतिहरणी
श्रोहै दोहा जोनजुगतिपियमिलनकी
धरिमुकतिसुहवीन जोलहियैसंगसज
३ नतोधरकमरकन्हकीन १७८ प्रश्न मुंह
मुक्तडारतधर यहकहतयुक्तिनभूर वि
चनरकसुषनमिलाप इहांभोगवतफल
पाप उत्तर सषिहुतिउत्तरदीन यहस
मुक्तिबातप्रवीन जोमिलनपियसुग्र
जुक्ति यहधरितुल्यतवउक्ति परसुदय
इनमतिमांन इनमिलैंदोषनज्ञांन संग
मुक्तइनसमुदाय मरनरककोजुमिटा
य दोहा अलंकारयहग्रर्थकोहजोप 62
रयायुक्ति वचनरचनकीचातुरीहुतीस
वीकीउक्ति सोरठा सोहसौंतजिमोहहग

६२ चलैलागिउहिगैल छिनकुछायछबि
गुरुनरीछलेछबीलेछैल १८९ वार्ता
रूपकालंकारहैवगसौंरूपककहियै दो
हा कोजांनैंकहैकहाजगउपजीअतिआ
गि मनलागैनैंननिलगैंचलैनमगैलगला
गि १९० वार्ता ऐसीलगलागिअद्भुत
आगिकीहैतासौंमगनचलैं अर्थ लोग
सहहोतोतोयहनीकैंबनतो सोतोल
गिसहहैतातैंयहअर्थनबनैं अर्थ गु
रुजनसषिसिष्याइहांमोसंगलागिच
लैंन मगलगपऊंचाऊसुझ्योवगियार
तोहिवगैन १ नैंननिसोंलगैलगनिपु
निमनतहिंजायअतिलागि सोअलंका
रअसंगतैंकऊंसुलगैकर्कलागि दो
हा तजतअठांननहवपर्योसठमतिआ
ठैजांम रहैबांमवांबांमकौंनयोकांमबेकांम
१९१ वार्ता विरहनिजारनकांमइह कै
सोसुकौंबेकांम अर्थ सिद्धकहाअब
लाविजयउतितिनिजितेगुंनधांम वार्ता
बनौसबलकैकैंअबलापेंआगेपोह
रजोरकरतुरहै यातैंसबमितपुष्पनई
तातैंकाव्यलिंगहै बांमकांमसहजम
कहै दोहा लईसोंहसीसुननकीतजि
मुरलीधंननिआन किये रहतनितराति
दिनकांननलागेकांन १९२ वार्ता प
द रातिदिनकहोतहोनित्यसहअ
धिकलागेहै अर्थ रातिदिनकेकहने
मैंएककदिनसमुझ्योजाय यामैंनित्त
करातिदिनकहैहै मनोसोंहलईहैउ
त्प्रेक्षा दोहा नुकुटीमटकनिपीतपट
चटकलटकतीचाल चलचषचितव
निचोरिचितलियोबिहारीलाल १९४

।दोहा।हग उरफत टूटत कुटुम। जुरत चतुर चित प्रीत।
परत गांठ दुर्जन हिये। दई नई यह रीत।१।

६३ आर्थीस्तिकालंकार दोहा चलत घेरु घ
र घरत ऊ घरी न घर वह राति समुझि उ
ही घर कौं चलें भूलि उही घर जाति १८५
टीका यथा भूलि उही घर जाय यमें कट
नवात हमि भ्राय यह कि समुझि निज घ
र चले प्रेम कहि ले जाय १ तौ ह्यां समुझि
उही घरहिं चलै न चहिये जाय उत्तर स
मुझि उही घरही चलै घरहि भूलि तहिं
जाय वार्ता समुझि उही कहा उहि घे
र कौं समुझि कैं चले अपने घर कौं भूलि
उही घर कौं भूलि कैं पीय के घर ही जाय
यहां विसेषोक्ति अलंकार है दोहा हो
इ न कारज हेतु सब विसेषोक्ति यह ना
म घेरु विविध घर रहन के हेतु पैं न रहै
धाम दोहा मरन टरै नौ हन परे हरे न का
ल विपाक छिन छा कैं उछकै न फिरि ष

रौ विषम छबि छाक १८६ यथा यरौ वि
षम कहि अरु कसौ हरे न काल विपाक
बऊ रिकहै तउ छकै न फिरि सु पुनि फ कम
धि छाक उत्तर मद मैं इक सम छाक है
जामें सुधि व्यवहार विषम सु इक वाकि
बो तिमिर जहां निजादि प्रकार १ तौ वि
षम सु छाके वहै अरु छ विछाकन्नु आ
हि ऐसे बा विधि विपरीति जहां बरौ वि
षम इमि वाहि १ उछकन ताको अर्थ
यह मद छुटि चेतन भाय छिन छाकैं
कहछन कमद लेइ उछकत हां पाय १
सोइ हौं छिन कर कैं छकैं कह छैन द्युति
जुलषाय तउ न उछकइ हैं तन हिरा
ल विपाक न साय वार्ता इहां आधिक्यो 61
क्ति मैं उपमेया धिक व्यतरेक है ताको ल
छन वर्नन अवर्ने हितैं जहां है विसेष वित

रेक इति छबिसुछाकउपमेयहै मधिछा
कउपमान सोलोंछबिकेछाककी अधि
काईसुबषांन १ तौउपमेधाधिक्यकौव्य
तिरेकसुदुहंढौर इवकोहैआछेपइम है
अछिम बिधिऔर बात मदनहिंसम
छबिछाककैयौकोह्योवहियेसोसमर
कौअछेपकरिलीजै दोहा जटक्विद
तिउतरतिअटानैंकनथाकतिदेह नई
रहैमिनटकोबराअटकीनागरनेह
१९७ टीका चढिकैंउतरनहेततैं था
कनकाजनहोत बिसेषोक्तिनटकोब
टारूपकरूंउदोत दोहा लोभलगेह
रिरूपकेकरीसाटजुरिजाय हौंधनबे
चीबीचहीलोयनबनीबलाय १९८
टीका भाव रहौंसुबीचिबिकायबो
कह्योहैकिकंजाय हगमिलबौसुकहो

सुतौ मिलतनमनबिनजाय अमर षो
हातिमेयगुनश्रवनपियरहीचाहबढि
चित कारूबाधकतामिटैठ्योमिलन
तबमित्र १ बीचहिकरूंआएहरीकी
अनुरतानैंन देषतगईबिकायतियतन
हगपतिउहिबैंन बातों साटसोरूपक
सप्रुष्टहै दोहा नईलगनिकुलकीसकु
चबिकलभईअकुलाय डरूंऔरऐंची
फिरैफिरकीलौंदिनजाय १९९ उपो
वानुलोपमा फिरकीसोउपमेयहैलौं
बाचकउरआनि डरूंऔरऐंचीधरम
उपमेयलुप्तामानि दोहा इततैंउतउ
ततैंइतहिछिननकहूंबदराति जकन
परतचकरीभईफिरिआवनफिरिजाति
२०० उपमेयबाचकलुप्तोपमाहै चक
रीसोंउपमानहैधर्मसुआवलजान उप

६५ मेयकबावकसहितलुभेप्यांसुजांन दो
हा नजीसंकसकुचितनचितबोलतिबा
ककुबाक दिनछिनदाछाकीरहेछुटैन
छिनुछविछाक २९१ वितरेकालंकार
है वेसममेंइकन्त्र धिकई वितरेकसुकहि
ताहि मदछकतेंछकिछाकमेंछुटतन
यहन्त्रतिन्त्राहि दोहा दरेदारतेंहीदर
तहूजेंदारदरैंन कैयोंलंग्रांननन्त्रांनसों
नैंनालागतनैंन २९२ यथा दरैदारतें
हीदरतइजैवसपुनिफ़कि पियसबिव
चपहलेचरनइजेंन्त्रनिसपिउकि उता
र काकोक्तिकरिजबकहीनबसचित
हरहीन नैंकेंनहिलागतकिमेंन्त्रांन
नसोंहगलीन काकोक्तिन्त्रलंकार दो
हा चकीजकीसीफेरहीवूझेंबोलति
नीढि कालदीवलागीलगीकेकाहकी
दीठि २९३ गूढोत्तरालंकारहै दोहा पि
यकैध्यांनगहीगहीरहीवहीहैनारि
न्त्रापुन्त्रापुहीन्त्रारसीलषिरीझतरिझ
वारि २९४ यथा गहीसहइकन्त्रधिक
हैन्त्रदइकन्त्रलविष्यात न्त्रापुन्त्रपुनपै
रीझिबोयहन्त्रसमंजसवात उतर पि
यकैध्यांनगहीजुतिहिं गहीन्त्रारसीबा
म मनकरिहरिक्तेकैंलषीतियछबि
न्त्रारसधाम तद्गुनालंकारहै तदगुन
निजगुननजिजहांन्त्रोरैगुंनलपटाय
ध्यांनधरनहीमनतिया पियमननीय
थहनाय दोहा कौ ल्यांतैंक्रोक्रांनेइ
हांनेंकौधरतनधीर निसदिनदाढीसी
रहेबाढीगाढीपीर २९५ हेस्तनुप्रास
दोहा समरससमरसकोचबसबिबस
नकिकुवहसाय फिरिफिरिउफकतिफि

६६ रिझवतिडरिडरिउझकतिश्राय २७६ अ
र्थ डरिडरिकेदेषवेमैंवहरावकीरीतिहै
उत्तर श्रायसहूनैवाकमैंवहराव्वमराष्यो
कंतियहकिकबलश्रावतिहै कवल२
जावतिहै मनकोऊपाछैतेंदेषतेंनदेषे
समरससमरसजमकश्रकलाटानुप्रास
दोहा उरतरछ्योचितचोरसोंगुरुगुरुज
ला नकीलाज चटेहिंमोरेसेहियेंकियेंबनै
यहकाज २७७ कोमलसुन्दरी दोहा स
षीसिषावतिमानविधिसैंननिवरजाति
बाल हरैंकहोमोहीयमैंबसतविहारी१
लाल २७८ पर्यायोक्तिश्रलंकारहै ज
होंबचनरचनाकछूपर्यायोक्तिसुनाम
पियश्रतिप्यारोपैकह्यो वचनरचनकहि
बाम दोहा उरलीनेंश्रतिचटपटीसु
निमुरलीधुनिधाय होंनिकसीझलसी

सुनौमोझलसीहियलाय २७९ वार्ताज
मकसपुष्टश्रर्थेझलसीलायगयो दोहा
जेतबहोतदिषादिबीनइंश्रमीइकश्रांक
दगैतिरीछीदीठश्रबकैबीछीकोडांक
२८० अर्थ दगैतिरीछीदीठयोंचहियै
दगैवनेंन उत्तर ठनरयहश्रपकोकह
तदगैंजरतयोंबैंन १ क्योंकितियात
बमुग्धहीश्रमीदीवतिहिंदाय श्रबसु
तिरीछीलगतिहूबीछीडांकसुभाय प
र्यायोक्तिहै एकबिषेजुश्रनेककी
बासबकलपर्याय जिहिंहगपहिलैंश्रु
नीयश्रवबीछौंडांकसुभाय ष्ठेनबने
दोहा लालतुम्हारेरूपकीकहोरीति
यहकोन जासोंलागेंपलकहगलागैंप त
लकपलोंन २८१ विरोधाभासलक्ष
विरोधाभासविरुद्धसोंभासेश्रविरुद्ध२

६७ चाहि लगतपलकनलगतपलक विन।
हुवातसीत्र्याहि दोहा अपनीगरजनि
बोलियतकहानिहोरोतोहि तूप्यारो।
मोजीयकोमोजीयप्यारोमोहि २१२ वा
र्ता यामीनातियकेबचनकाव्यलिंगअ
लंकारहे काव्यलिंगसमर्थता जहाँह
ढकहतिबर्षानि बोलनकोदिढकिय।
किमोजीयमोहिप्यारोजांनि दोहा सुष
सोंबीतीसबनिसामनुसोएइकसाथ मू
२ कामेलिगपजुच्छिनहृष्यनछोमेहाथ
२१३ वार्ता [illegible] मूकामोषेकों
कहतहे परोसीकीप्रीतिहे स्वप्नकेअ
र्थमेंमूकमेलअलयहे दोहा देषो।
जागतिवेसियेसाकरजगीकपाव कि
तकेआवतजातनजिकोजांनेंकिहिंबा
ट २१४ [illegible] कारनबि

नुकारजउदयसुबिनोवनबिष्यात सु।
लेकपाटनहितुनहींनजिबेकोंनजिजात
[illegible] दोहा सुनीउमीलबिला
लकीअंगनांअंगनांमांह बोरीलोंदोरी
फिरैछुवनछबीलीछांह २१५ वार्ता
उपकन्यादृच्छेकानुप्रासहै अंगनांआ
नांजमक बोरीदोरीछेकानुप्रास दोहा
उनकोहितउनहींबनेंकोऊकरौअनेक
फिरतकाकगोलकभयोदुहूंदेहज्योंएक
२१६ वार्ता [illegible] दुहूंदेहमें
जीवइकजेसैगोलककाग जेसेंकोआ
छेपहेदृष्टांतसुबनभाग दोहा करति
जातिजेतीकटनिबढिरससरितासोत
आलबालउरप्रेमतरुतितोतितोहढहो
त २१७ वार्ता रसजोहैजलबढिकटनि
करैजुतरुनरहाय यहअदभुतउरप्रेम

तरुरसबाढेहहमाय यथा इहांअमरसको
अरथप्रीतिप्रेमरूप्रीति उहांसुजलअरु
जिरहै करनिभाव किहिंरीति अथ सोर
ठा रसचसकोअधिकायअरुमायलके
बोकरनि त्योंतरुप्रेमदिढायअरदुतना
सतजलकरनि बिरोधाभासलंकार छंद
प्रथमबिरुद्धसोभास अविरुद्धफुनिप
रकास दोहा तरुबाढेजलकटनिसों बि
रुद्धसुरसजलअर्थ अबिरुद्धरसचसको
कटनिमायलअर्थसमर्थ वार्ता रसके
द्वैअरथ जलअरुचसको करनिकेद्वैअ
रथ करायअरुमायलकेबो इहांप्रेम
कोतरुवहरायोसोजबकहियेजलके
कटाउसोंतरुहढभयो तबतोबिरुद्धहै
अरुजबकहियेरसचसकेसोंजेतोमाय
लहोयतेतोप्रेमतरुहढहोय तबअबि

रुद्धयातेंबिरोधाभासकसोहै दोहा दु
रमनपैयतछिनकुबसिनेहनगरयहचा
ल मार्योफिरिफिरिमारियेखूनीफिरैसु
स्याल अथ वार्ता इकअंगीप्रीतिहैअ
संगतिअलंकार दोहा सोअसंगतिऔ
थलहिकोकाजऔरथलठार मारसुअ
नीकोउचितत्योंमारेकोमार दोहा नि
रदयनेहनयोनिरषिभयोजगतभयभी
त यहअबलौंनकहूंसुनीमरिमारियै
जुमीत अथ उक्तीपर्यायोक्त पर्यायोक्ति
जहांकहैकछुरचनासोंबैंन पियसोंमि
लिआवैसुयहबचनरचनकहैअैंन दोहा
कौंबसियेक्योंनिबहियेनीतनेहपुरनां
हि लगालगीलोयनकरेनाहकमनबंधि
जांहि अथ असंगतिअलंकार दोहा दे
हलओपोढिगगेहपतितरुनेहनिरबाहि बै

बीलीग्रंषियनिरीहतें गईकनषैयनिचा
हि २२१ तिनांमनीमाहै कोजहोयप्र
तिबंधजहांप्रतिछबिनांवननांम नेहनि
बाहनिगेहपतिबाधकरूछतनांम १८
नषियनितिरीनीहाष्टि दोहा हैहियर
हतिहई छईनईजुगतियहजोइ आंषि
नआंषिलगीरहै देहहबरीहोइ २२२
तात्पर्य दोहा प्रेमअमोलदुलैं
नहीमुषबोलेंअनषाय चितउनकी
मूरतिबसीचितवनिमांहिलषाय २२३
प्रश्न वार्ता अमोलकह्यौतौफिरक्योंक
सोकिदुलैनहीं क्यौं मुषबोलेंअन
षायतौ बोलनौमुषहीसौंहै मुषसहु
अधिकहैतहांउत्तर दोहा मूरतिपिय
कीहियबसीसोनदुलतदरसाय मुषब
चअनषसुहियनहीप्रेमअमोललषाय

वार्ता प्रेमअमोलहैसोजांन्यौक्योंकिदुलै
नही मुषबोलेंअनषायें चितमैंउनकीमू
रतिबसीहैसोअरथयहकिमूरतिनहीं दु
लतिसोचितवनिमैंदरसतिहै मुषबोल
नमैंअनषहैयातैंजांनीहियमैंअनषनहीं
अनुमानाअलंकारहै चतुरसषीनैंचितव
निकीचेष्टातैंप्रेमअमोलउनमांनतैंजांन्यौ
दोहा षलबढईबलकरिथकेकटैनकु
बतकुवार आलबालउरझालरीषुरीप्रे
मतरुडार २२४ वार्ता अलंकारविसेषो
क्तिहै कारनसबहैप्रेमतरुकटैनहीं दो
हा चिततरसतमिलतनबनतबसिपरो
सकेबास छातीफाटीजातसुनिटाटीओर
उसास २२५ वार्ता विसेषोक्ति छेकानु
प्राससमुह्र परोसकोबासहै मिलनौंनहीं 50
होत दोहा जालरंध्रमगअगनिकोकछु

उजाससोपाय पीगदियेंजगसौरहैदीवक
रोषालाय २२६ प्रत्यंपालंकार दोहा
अर्थपिसुंदरसुघटपुनिसगुनोदीपकदेह
तकभूकासकरैजितोअरियेनितोसनेह
२२७ रूपकप्रत्यंपालंकार सगुनोंपद
सुसलेषहैरूपकदीपकदेह योसलेषरू
पकदिकोसंकरजांनोंएह दोहा उचितैवि
तहलतिनचलतिहसतिनफुकतिबिचारि
लिषतचित्रपियलषिचितेरहीचित्रलौं
नारि २२८ बल उचितैचितकोअर्थक
हिनहीहसतिकिंहहेत नहीकरतिरिस
सोचिकैंकिहिंबिधिअर्थसचेत उत्तर १
लिषतचित्रपीतमकल्लंगाटआरंभहिकी
न तहांनायकाआयलषिरहीसुहगनतं
दीन १ देषोंमोकिंसंपत्निकोचित्रअरमौ
पीय यातेउचितीकलषतिसंसयसहित

सुजीय १ जुनिजचित्रतोहसिपरैफुकेल
षेबियनारि निरधारयोनहिंताहितेंहस
तिफुकतिबिचारि संसयालंकारहै
नायकाकेसषीसोंबचन दोहा नैंनलगे
तिहिंलगनिजुनछुटैंछुटैंऊप्रांन कांम
नआवतएकलतेरेछोकसयांन २२९
अतियुक्ति अतियुक्तिअतिसयअरु
थदांनसरकिंक्ममांहि ऐसेप्रांनलगें।
छुटैंप्रांनलषेटेनांहि दोहा साजेमो।
हनमोहकौंमोहीकरतकुचेंन कहाक
रोंजलटेपरेटोनेलोंनेनेंन २३० विष
मालंकार दोहा अलिइनलोइनिसर।
निकोषरोविषमसंचार लगेंलगाऐंए
कसेदुहुनकरतसुमार २३१ प्रत्य
सोरठा लागतसरजेंप्रांतिसुतोजगाये। 71
हीप्रसिद्ध अधिकदोषयहजांनिहयाल।

७१ गायैंसहयह १ अकजोकीजैयौंअरथल
गैसुअपनैजांनि औरलगायैंतेंअरथप
रकैंलगैसुमांनि १ क्यौंकिजवैयाकैलगैं
नैनमीनकेआय यहनलषैतोहोतनहिं
बियसुमारयौंपाय १ तोदोऊतनसरलगैं
दोऊनएसुमार तोकाहेकीबिषमतारीति
जगतनिरधार १ इकतौवहियेबिषमता
इहांसुनऊकविराव इजैंघरीकहीसुकह
यक्तचाहीयेभाव १अन्य जगतरीतिपह
लैंसुनौंतातैंतिनअनुहोय सोईहैवहविष
मताअदभुतरससतहांजोय १ महासुन्दर
सुधहिंकरतसुनियतसमरमफार सरसों
सरकाटतसुतकिदकसेकरिसंचार १ जु
वेलगायैंएकसेलगेअबाधितजाय पवन
अन्यनटसरपरसबचिकैंमिलैंजुधाय १
तौवेदोऊसरसकटिपरलन्त्रमिपरसीति ५

बाधानहिसरपेरकनिसरनिबाधइकनी
ति १ नैंनलगायैंजोलगी बाधालाजहिता
रि तोऊरकजौनैंनकेतेसुमारचितधारि १
यहीबिषमकासरगिरतइहांसरनिकेईस
षरीबिषमतायहकिहगऊपजथापितहो
स असंगतिअलंकार छंद बियनिरतव
न दंपतिअचैन दोहा चषदचिचूरन
नारिकैंवग लगायनिजसाथ रह्योनाषि
हवलेगयोहथ्याहृथीमनन्हाथ २२२ अथ
कवमको लक्षन जौनायककोवचनतोव
नैंलेगयोनांहि नियवचकनांहीवनैंना
घिरह्योइहमांहि अथनिदर्शन मन
कौंनाबिरह्योजहठतऊलैगयोमीन अ
लंकारतोजांनियौं बिसेषोक्तिइहरीत न
षनविपावहोयतौ अथ नषलचिअसे
पावपरकहोवचनयहकोन जोनियवच 72

७२ पियनषनरुचिकरुककहीकवितौन १ पि
यबचतैंमनलेगयौकैसैंअर्थनिबाहि ३
अर्थापीबचन मोमनठगह्वलेगयोतिय
नषरुचिकरआहि दोहा जौलौंलक्षेन
ऊलकथ्याविकतोलोंठहराय देषेंआवत
देषिबौक्यौंसुखह्योतनजाय २३२ वाती
सभावनीअलंकारजौलोंतोलोंइति दो
हा बननननकौंनिकसतलसतहसतहस
नइतिआय हगषंजनगहिलेगयोचित
वनिचपलमाय २३३ [illegible] दोहा
चितबितबचतनहरतहवि लषनहगान
बरजोर सावधानकेबटपरा ऐजागतके
चोर २३४ विभावनांहै बाधकछतरू
काजहोसावधानताऔरजाग्रतछत
हूंचितहरतकाजहोतइहचोर दोहा सु
रतिनतालफ्तांनकीजवेनसुरवहराय

एरीरागविगारिगोवैरीबोलसुनाय २३६
[illegible] नायकाबचनसानुकूलउपजा
यरागविगारयो अरुरह्योतुनहीगयो
यातैंबैरी अलंकारलोकोक्तिवैरीपदतें
प्रश्न बैरीपदप्रियउचितनहीप्रीयबच
नकूंनहीसोय उत्तर छैरीबैरीकोअरथ
गोसुनायबचदोय छेकानुप्रासहै दोहा
यहैकांटेमोपायमहिदीनीमरतजिवाय
प्रीतिजनावतजीतसौं मीतजुकाढ़ौआय
२३७ विभावनापंचमीहै कारजहोयविरु
द्धतैंयकुविभावनागाय कांटेतैंजीवनभ
योविरुद्धहेतदरसाय दोहा जानसयान
अयानकैवेवगकाहिवगेंन कोललचाइ
नलालकेजपिललचाहेनैंन २३८ आ
त्मानि निंदामिसिअस्तुतिजहांव्याजअ
स्तुतिकहिताहि बगकरिकहेसुनिंदसी
प्रेमप्रसंसाआहि दोहा [illegible]

७३ नहींदेषतसांवलगात कहाकरौंलालव
भरेचपलनैनचलिजात २४९ उत्तरा
लंकारहै जहांप्रतिउत्तरकलषोसोउत्त
रचितमांनि प्रथमअर्द्धमैंसषिबचनपुं
नितियबचनरच्यौंनि दोहा नषसिष
रूपनरेषरेतऊमांगतमुसकांनि तजत
नलोचनलालच्यौंएैललचौंहींबांनि ५०
विसेषोक्तिहै जरेपुरैयहदेतहैपैनअजा
चकताप्रिय होतुनकारजहेतुजहांविसे
षोक्तिवहपाय दोहा नैनांनैंकुनमांनहीं
कितौकह्यौसमुफाय तनमनहारैंकेंह
सैंतिनसौंकहाबसाय २५१ वार्ता विसे
षोक्तिसमफाइवोहेतुहैमांनिवोकाजेन
हीहोतहै दोहा लटकिलटकिलटकत
चलतडटतमुकटकीछांह चटकभरयो
नटमिलिगयोअटकभटकबनमांह २
५२ अतिसयोक्ति दोहा वोवजवेंहांसी

नहींहगनैंहनिकीचाल मोमनकहांन
पीलियोपियततमाषलाल २५३ आल
अलंकारहै दोहा फिरिफिरिबूझतिक
हिकहाकह्योसांवरेगात कहाकरतदे
षतकहांअलीचलीकोबात २५४ अन
हेतुकहै दोहा उपहायनचरचानहीं
आननआननआंन लगीफिरतढूंढादि
येंकांननकांननकांन २५५ सुगल बर
नाआननमुषनहीं आंनमुएैकेअर्थ उ
नर बरनायहअरुमुषनहींमुकरनक
रमसमर्थ वार्ता इनिउपियांनिकोवर
नानहीं नकारहैमुषमेंऔरअर्थकेष्टू
छेतेंमुकरिजातहैं अत्यन्ताभावहै दो
हा नहकेसबजीयकीकहतठोरकुठो
रलषैंन छिनुऔरैछिनुऔरसेएछबि
छाकेनैंन २५६ वार्ता औरैंपदसैंभेद
कातिसयोक्तिहै दोहा कहतसबेकवि

कमलसेमीमननिनैनपर्षान ननरककन
इनाबियलगनउपजतबिरदहसांन २
४७ हेतुमेबाहै दोहा लाजलगीमनमी
नहीनैननामोबसिनाहि एतुहजोरितुरंग
लौंअैंचतक्षचलिजाहि २४८ प्रतोष्
माहै दोहा इनिउपियाअैपियनकों
सुषसिरजोईनांहि देषैंबनैंनदेषतैंअ
नदेषैंअकुलाहि २४९ बिसेषोक्ति
दरसनपियसुषहेतहै पैनहोतसुषका
ज होतुनकारजहेतजहां बिसेषोकिक
विराज दोहा लरिकालेबेकेमिसनिल
गरमोटिगआय गयोअचांनकअांगुरी
छातीछैलछुवाय २५० वार्ता पर्यायो
क्ति छलकरिसाधियइष्टजहां अथ
नायकाबचननायकसों दोहा तोहीनि
रमोहीलपो मोहीयहीस्वभाव अनआ
येंआवेनहीआयेंआवतआव २५१

उत्त अनआयेंआवेनहीतोमृतुदसौं वि
चारि केरिआवआवेसुकैोंबनैंनबचन
निहारि उतर वार्ता तोहियनिरमोहीहै
ताहियसोंमो हियलापोतातेंसंग तिपाय
यस्तुनिरमोहीनयो मोसोंतेरेआयेंबि
नुआवतनहीताते आव संगकरिबुला
वतहे मोहीमोहीजनकहे आएलाटनु
प्रास नायकबचन दोहा विलकवि
कनईचटकसोंलफतिसटकलोंआय
नारिसलौंनीसांवरी नषतिलोंफसिजा
य २५२ वार्ता नारिसटकलौंलफतिदो
यसलोंफांनारिसटकलौंलफति नारि
नागनिलोंफसिजाय यामेंआनेंआए
दोहा रह्योमोहमिलनोंरह्योयोंकहि
गहैंमरोर उत्तदैसाबिहिंउराहनोंउत्त
चितईमोओर २५३ अनेकिसजातीप्रति

७५ दोहा नहिनचायचितवतिहगनि नहि
बोलतिमुसकाय ज्यौंज्यौंत्यषक्रषीकर
तिसौंसौं चितचिकनाय २५४ विहग
नैकार्यकीविभावना दोहा सहितस
नेहसकोचसुषस्विदकंपमुसकानि प्रा
नपानकरिआपनेपानदएमोपानि ५५
वार्ता अर्थमैंबिबाहकोहृसमैसंभवे
विस्मयाअलंकारहै जहांदेकैकछुली
जीयै सोविस्मयकीगाथ जानआपनै
हाथलियपानदयेमोहाथ दोहा चि
तवनिभोरेभायकीगोरेमुहमुसकानि
लागतिलटकिअलीगरेचितषटकत
निआनि २५६ स्वभावोक्ति दोहा
षिनषिनमेंषटकतसुहियषरोनीर
मैंजात कहिजुचलीअनहीचितेओ
वनिहीमैंबात २५७ भाव षटकतिहै

सोबातकहिषरीनीरकौंपाय कहिजुच
लीपियसौंपियाओवनिमैंहरवाय अंत
र मनहीचितहैआपकोउपालेअयह
दीन सोईषटकतबातयहसमुझतपर
मप्रवीन स्मृतिअलंकारहै दोहा आ
हेदहेंमीजिनधरेजिनतूलेहिउतारि
नीकेहैछीकोछुयेंअैसैंहीरहिनारि २
५८ जातिअलंकार दोहा चुनरीस्याम
सतारनभमुषससिकीअनुहारि नेह
दबावतनींदलौंनिरषिनिसासीनारि
२५९ निसासोरूपक सषीवचननाथ
कसौं दोहा मैंलैदयोलयोसुकरहु
वतिछिनकगोनीर लालतिहारोअर
गजाउरकेलग्योअबीर २६० असु
अलंकार दोहा तौपरवारौंउरबर 45
सीसुनिराधिकासुजांन तूमोहनकेउर

बसीकैउरबसीसमीन २६१ प्रश्न नहीं
निरंतरउरबसीभूषनउरनिरधार सम
तानिहिक्यौंदीतहो उत्तर श्रीउरबसी।
बिचारि उपमकालंकारहै दोहा हसि
उतारिहियतैंदईतुमउनतिहिंदिनोलला।
ल याषानिधानकरज्यौंवहैचिकुंटनी
माल २६२ वार्ता चिकुंटनीमैंसामर्थ
ताघ्रानकरवाविबेकी काव्यलिंगाऽ
लंकारहै दोहा रहीलहूकैलालअंक
लषिवहमालअनूप कितेमिठासद
योदईइतेसलौंनैरूप २६३ विरोधा
भासहै विरुद्धाभासविरुद्धसौंभासे
विरुद्धजुनांहि बर्नन कियोमिठासलौं
विरुद्धसलौंनैमांहि दोहा सोहतधो
तीसेतमैंकनकबनेतनबाल सारद
बारदबीजुरीभारदकीजनिलाल २६४

बात प्रतीपालंकारहै उपमाकिनिंदा
हत्यनुप्रासकहै दोहा वारौंबलितोह
गनिपैंअलिषंजनमृगमीन आधीहष्ट
चितौंनजिहिकिएलालआधीन २६५
वारौंतहांनिंदाउपमहैप्रतीपइहमाघि
वेषआधीहगबसिकरेइहवितरेकव
ताय दोहा देषतचुरैकपरलौंउपेजा
यजिनिलाल छिनुछिनुहोतषरीष
रीछीनछबीलीबाल २६६ वार्ता बा
लकपरज्यौंउपेजाय इहांषलैपांहे
षरीषरीविष्णाकहै दोहा छिनकुछ
बीलीलालवहनहिंजोलगिबतराय
ऊषमयूषपियूषकीतोलगिभूषन
जाय २६७ टीका रुचिउपजावतिस
षिपियहिनियमभकवैंनबषांनि हत्य
औरवितरेककौंसंकरइहांसुजांनि कु 77

७७ ऊषमयूषपियूषइहइतनुआसविचारि
तियबचमैंमधुरताअधिकइहवितरेक
निहारि दोहा नागरिविविधिविलास
तजिबसीगवेलिनिमांहि मूढ्योमैंगनि
बौकितरुद्यौरेइवलांहि २६७ पर्यो
योक्तिहै कछूरचनीसौंबात पर्योसुक
विप्यात बचनेरचनसमिआन छुडव
तकदयौबांनि दोहा पियमनरुचिव्है
बौकबिनतनहू विहायसिंगार लाषर
करौआंषिनबढ़ेबढ़ेबढ़ायैवार २६८
प्रश्न पियमनरुचिकैबोकबिन सषी
बचनीरसजोय उत्तर कहतिसुतिहिं
कीभूषननिचहत्तजुपियबसिहोय
वार्ता यहनायकासौतिकौंसिंगारक
रतीदेषिविचारतिहैजुमतियासौंपि
यकीमनरुचिव्हैजायताकौंसषीसमा

धांनकरतिहै दृष्टांतसुष्ट दोहा नहिं
परागनहिमधुरमधु नहिंविकासइहि
काल अलीकलीहीसौंबिध्यौआगेकौं
नहवाल २७० प्रश्न अलीकलीसौंन
हिबिधतुरसिकनसिसुतामांहि सोक
हियेसमुफाइकैं डवोसंगबनमांहि
उत्तर नहीपरागमाधुर्यतामधुजोर
सनहिसोय हैबिकासइहकालकछू
तहांबिध्यौअलिजोय १ नसिषजराज
सरूपकोतनछबिमधुबचहीन जो
बनतनकबिकासकछुलषिअौरसि
कआधीन अन्योक्ति दोहा दुनिलहै
सबदोलमैंरहीजुसौतिकहाय सुनैर
अैसविष्योआपसोकरीअदोषिलआय
२७१ दोषालंकार सोतिनकौंबसिकर 79
करमकुंतोदोषमयजोय हैनायदतेअ

वसवहिजोनौंगुनहोसोय १ तातेंवसि
करकरमवह दोषसुजोगुनरूप किलं।
प्रकारतैंदोषगुनहोयलेषकविरूप दो
हा लषिलोमैंलोइननिकेकोयनहोय
नग्रराज कौनगरीवनिवाजिवोकतलगो
रतिराज २७२ प्रस्न कोनिवाजिवोतरु
निसौंवचनसुनीरसआदि उत्तर नाय
कसौंसषिकौवचनकोनिवाजिवोचा
हि प्रस्न वार्ता कोऊकहैगरीवसहूना
यकोपष्यअसंभवहै उत्तर नायकाकौं
चतुरसुघरकहियेतोगरीवकहूकहने
कौदोषनहीं औरअर्थ नायककौंसिं
गारकरतैंदेषिसषीकहतहै अबकौं
नगरीपावधारिकैंनिवाजोगे अर्थात
इनकीगलीगलमेंचाहनाहै हस्तनुप्रा
स दोहा देषतिकछुकौतिगइतैदेषौ
नैंकनिहारि कबकौइकटकलगिरहीं

टटियांअंगुरिनफारि २७३ प्रस्नापीति
हेस्त मननधरतमेरोकह्योनआपनेंस
योंन अहेपरनिपरप्रेमकीपरष्यपारि
नर्वीन २७४ प्रस्न परिकैंप्रेमहिंप्रांन
परहष्यनपारिरसहीन उत्तर पखिम
हिंनहिंपरहष्यहिंदेहप्रांनजुप्रवीन प्र
स्न सहांप्रांनसैंयहसहूसोप्रियवाचीन
समर्थ उत्तर असुहितवाधकसषिनके
हष्यतपारियहअर्थ वनैमित्रतरूपीह
स्तनुप्रास दोहा वहिकिनइनिवहिनौ
पुलीजवतववीरविनांस वचैनवनीस
वीलरूचीलघौंसवांमास २७५ प्रस्न
अन्योकतिमैंअर्थयह जासवुहेइनिवैं
न वहनायनकेसदनरहिसुंदरनारिव
वैंन १ जहांजेहैंवचिहैंननहोरसाभास
यहअर्थ चीलहपुरुषअरूमांसतियम।

७९ मताल्हनसमर्थे उत्तर बहनापेकरिउ
निसदनघण्योचहनिसंकेत नहांसषि
कहतसंकेतन् करिजिनिअन्य निकेत
१ महाछबीलीसबनगरबगरबगरइ
हचाह जहांजैहेलेहुसुबहकरिअप।
नोंईनाह प्रश्न वार्ता कोऊकहेवील्ह
सहूलपुदषबाचीहेतहांउत्तर धौंस
वाघरकोंकहियेतहांघरस्त्रीसोंहीहे
तातेंयहबिसेषनहे बील्हमादाहीहे
दृष्टांतालंकार दोहा मैंतोसोंकेबा।
कह्योनजिनइन्हेंपत्याय लगालगी।
करिलोइनमिउरमेंलाईलाय २७६
प्रश्न वार्ता सषीकोबचननायकासों
सोनीरसहे देषिबोमनेंकरतिहीयाते
उत्तर नायकाकोबचनमनसोंयहअ
थीरसधायकहे असंगतिअलंकार
लगालगीलोयनसों लायउरमेंलगी

दोहा सनसक्योबीतीबनोंऊषोलईउषा
रि हरीहरीअरहरअजों धरिधरहरहिय
नारि २७७ वार्ता अनुसयानांस्पुष्टहे
अफअभिसारकरायाचाहतिहे अफपो
षितपतिका मानतीकोअर्थबलवांन
नहीं अलंकारविप्सा अफछेकानुप्रास
फहे हरीहरीहेवीप्सा पदआतिहेतबि
बेक अरहरधरहरछेकयहप्रासकार
जोएक दोहा फिरिफिरिबिलषीकेल
षतिफिरिफिरिलेतउसास सांईसिर
कचसितलोंबीनोचुनतकपास २७८ ही
का वार्ता कपासचुनतदेषिऐसेंदुषमें
वीत्यों जैसेंसांईकेसीसकेसेतबारचुनत
दुषपईयेतहांनायककीहृदतालषी
प्रश्न चुनिबोथोरेकचनिकौतहांनडु 80
षलांआहि अनार्थउत्तर हेसांईसिर
कचचुनेंसमदुषजयोसुयाहि तहां प्रश्न

सिरकचचुनतैंमोदकछुमिततागतछबि
पाय उत्तर चुनतकपासकिदेरउहिं उष
समसिरसिततायपुनःप्रश्न चुननसहु
देरनप्रसिद्ध उत्तर तहांकहतसाषिकोय
तुमसुचुंनतइहलषउनहिंसिरसितसम
उषहोय प्रतीपको सिरकचकपासलौंसे
त दोहा जोवाकेतनकोदसादेष्योचाह
नआपु तोबलिनैंकुबिलोकिये चलिंओ
चकहुपचाप २७५ वार्ता काव्यलिंगअ
लंकारहै चुपचापचलौयासहूतैंकस
ताद्दढसमर्थनुकरी जोतौयासहूकरि
संभावनालंकहै दोहा कहाकहौंवाकीद
साहरिप्रांननकेईस बिरहज्वालजरि
बौलयैमरिबोभईअसीस २७६ लेषा
लंकार लेषजहांगुनदोषसोदोषसुगु
नआकार मरिबोहोगुनमयकह्यौजु
होदोषपरकार दोहा नैकनजांनीपरत

यौंपर्यौबिरहतनछांम उठतिदियालौंनं
दिहरिलियेंतिहारौनांम २७८ उपमोलं
कारहै दोहा दयोसुसीसचढायलेआ
छीनातिअयेरि जापैंसुषचाहतलयो
ताकेंदुषहिंनफेरि २७९ बिचित्रालंका
र सोबिचित्रजहांजतनतेंइछाफलविप
रीत दुषफेरनविबहारहतलेंनचहतसु
षप्रीत वार्ता नायकनैंअन्यासक्तकेकैं
दुषदयोहै तहांसषीकीसिछाअदपर
मारथ्यपष्यफलगोहै दोहा कहालमै
तेदृगकियेपरेलालबेहाल कहूंमुरली
कहूंपीतपटकहूंमुकटबनमाल ८०
वार्ता व्याजस्तुतिअलंकार निंदामिस
स्तुतिहै दोहा बनेकहावतआपकम
रवेगोपीनाथ तोबदिहूंजोराषिहैहाथ
घनलषिमनुहाथ २८१ वार्ता सिंगारप

८१ समायकाकेहायकोवनेनं आधमिस।
ठुनिपरमार्थपसग्रथं कोऊनलाईन
हिलिषीश्रेसोलषिमोहाय नौबदिहों
जुनिवाजिहौ लेषमेटिहुजनाथ संभा
वनालंकार दोहा तूमोहनमनगागिरही
गाढीगडनिगुवाल उठैसदानटसाल
लौंसोतिनकेउरसाल २०५ अथ गनि
रहीगाढीफेरिगिकनिकहा उदा० मोहन
सबकेमनमैंगडेताकेमनमैंतूगडी या
तैंतेरीगाढीगडनिहै असंगतिअलंका
रहै दोहा रहीदहेंडीढिगधरीभरीम।
डुकियाबारि करफेरत्तिउलटीरईनई
विलोवनिहारि २०६ वार्ता असंगतिअलं
कार दहेंडीकेभ्रमबारिमैंरईउलल
टीदारी दोहा कोरिजतनकीजेतऊना
गरिनेहडुरैंन कहैंदेतचितचीकनेनई

कपाईनैंन २०७ वार्ता विभावनापंचई
बिरुद्धतैंकार्यहोइ इहांरुषाईतैंचिक
नाईप्रगटतिहै दोहा मछैक्योंरूषीपर
(रही) तिसमिबगिगिईसनेह मनमोहनछबि
परगटीकहैकह्यानीदेह २०८ वार्ता सा
लकरोभांवएहोकह्यानीदेहनैंस्नेह ह
टसमर्थदिषायो यातैंकाव्यलिंगहै दो
हा तूमतिमानैंमुकतइकियेंकपटबि
नुकोटि जौगुनहीतौराषियैआंषिनमां
हिअंगोटि २०९ वार्ता नायकसवतहां
सषीवचननायकासौं जौगुनहीगुनह
गारहैतौआंषिनहीमैंराषिकपटरूपी
बिनदैइतौऊमुकतईछूटनौउनकौम।
निमांनि संभावनाअलंकारहै जौतापद
जिहिहोयसंभावनतहांजोय दोहा बा
लबेलिसषीसुषद ~~[illegible]~~

८२ इहक्ष्यो ॥ दप धाम फेरिमहमहीकी।
जियेसुरससीविधनस्याम २५० प्रश्न
रूषरूषमीतनसुषदतियनसुषदइहै
जाय जिहसौंरूषे उत्तर तहांसषीकह
तकिमोसुषदाइ परिकरांकुरहै साभि
प्रायबिसेषजहांपरिकुरअंकुरमांनि
नामइसुंघनस्यामइहसाभिप्रायसुजा
नि दोहा तरहिसषिहैंहीलषोचढि
नअटावलिबाल बिनुहीकोगेससिस
मुषिदहैअर्घअकाल २५१ प्रश्न
तियमुषसरनबिधुकसहीचौपचंद
मांछीन औरसबदिसिकोंअरघतहां
सनमुषतादीन उत्तर ससितजासकौं
देतहैअरघसुउत्तमरीत मुषतजासल
षिदैदियौअर्घअकालअनीत १ सूर
नविधुअपछीनबिधुप्रश्नरयोइहां

नांहिंसनमुषतासतजासकीगईचल्लदि
सिमांहि १ अलंकार पर्यायुक्तिजहांक
हैकछुरचनासौंबात करतबनाईव्यंग
सौंरचनासहदिषात दोहा दीयोअरघ
नीचैंचलोसंकटमीनोंआय सुचितीके १
औरोंसबैससिहिबिलोकेंआय २५२
प्रश्नइहांउचितीकहा उत्तर तहांहैचंद
हिजांनि अरघदैंततैंफिरिगईकछुअ
नीतसीमांनि १ यातैंचलिनीचैंसुबेसुचि
तलषेविधुआय राकाअरुबिदिसां
नबिधुद्वैकोसंसयआय बार्ता उत्तम
पक्षउजासकोअर्घ मध्यमपक्षचंद्रमां
कौंदेषैंअर्घसोह्यांमध्यमपक्षहै नाय
काकोअवहीआवनभयोहै तातैंसब
कोभ्रमभयो यातैंसंसयाअलंकारहै
द्वैपदार्थमैंनिश्चयनांहि यहक्रियइकि

८३ योसंसयमांहि दोहा वेगदैउमदातनउत
जलनवुफैवडवागि जाहीसौंलागेपोहि
योताहीकेउरलागि २५६३ वार्त्ता काक्क
सषीकेवचननायकासौंहै अर्थविधि
मोहियलगैंनकामकीअगनिवुफेयह
अर्थ पियहियलागैंवुफहिगीइकक॑१
निइहांसमर्थ प्रश्न जलनवुफैसुसही।
वुफै वडवागिनिकहिकाहि उत्तर का
कोक्ति कहाजलनवुफिहैवमीवाग्नि
गहिकीवाहि १ उमदातिहेसषीसोय
इखवनावोक्तिहै काकोक्तिवचननैं दो
हा अहेकहैनकहाकहौतोसोंनंदकि
सोर वडबोलीकतहोतिहैवडेहगनि
केजोर २५६४ प्रश्न कहेकहावडबो
लहैइहेप्रश्नइहंवांम उत्तर अहेकहै
जुनकारतेंवहैबोलवडवांम प्रश्न

सुनौनकारनबोलवडनहांसुनौंअरुअ
र्थ तियापियहिअपमानसौबोलीसुनौं
समर्थ १ तोसोंनंदकिसोरकहकहौय
हीवडवैंन तहांप्रश्नतोअहेयहपियप
तिसहूवनैंन उत्तर तियसषिसौंयोंक
हतिकछुधरैमांनमनऐन अहेक्योंनद
कहतिहैइहसौंइहविधिवैंन १ कहाक
हौतोसोंपुमैंकवडनंदकिसोर यौंसुह
उतितवसुनिसषीबोलीजिहिंपियओ
र १ वडबोलीकतहोतिहैकहिसुअना
दरवैंन तोसोंयोंकहिबोलियतइनसो
लहिवडनैंन वक्रालंकार छंद प्रस्तुत
रजहोहोय उत्तरकहियेसोय दोहा मैं
यहतोहीमैंलषीभक्तिअपरववाल लं
हिप्रसादमालाजुमैंतनकदंवकीमाल
२५६५ प्रश्न अरथकियोपनासकतिति

यकाक्तकविओर औसेनकिनचाहियेअ
नुचितहैयहवोर उत्तर नाहिनिंदापर्दा
निकीहैसिंगाररसअर्थ होताकोबर्नन
करतसमक्रबुद्धिसमर्थ पुनःप्रश्न
नकिसहूसिंगारकिमकहाअरबता
य उत्तर लाईनिजसषिमालपियतहां
बहिरंगसंगपाय १ उनकहिमालप्रसा
दकीदानीप्रीतिछिपाय सानुकतनभग
टैसुलषिबहिरंगबचयेपाय १ स्नेहल
छितानायकालषोइहांकविराय अप
बेताकोउत्तर मालापाएहोततनसुवि
सुबुद्धिमुदआय यहीअमरबततलईमा
लामालहिपाय वार्ता अर्क्ततरसब
तालंकारहै अमर्बेसहृसों दोहा दो
रीलाईसुननकीकहिगोरीमुसकाति
थोरीथोरीसकुचसोंजोरीजोरीबात ७६

बात मुग्धाकीबात छेकानुप्रास बीप
सालंकार १ गोरीढोरीछेकपद इकहि
बरनसमताय जोरीजोरी बीपसाअति
तैंबक्रपदआय दोहा चितदैदेषिचको
रत्योंतीजैनजैनभूप चिनगीचुगेअंगा
रकीचुगेकिचंदमयूष २९७ सषीबच
न कैचिनगीकेचंदछेबिपियचकोरओ
चाहि कैतुवबिरहसंहारईकैतुवसंग
हीआहि वार्ता दृष्टांतअलंकार च
कोरजैसैयासहृतैं दोहा कबकीध्यांन
लगीलषौंयहघरलगिहै काहि ॥ म
रियतभृंगीकीटलौं मतिवहईकैजाहि
२९८ समलंकारध्वनितें रहीअब
लसीकैमनोंलषीचित्रकीआहि तजेला
जडरलोकरकोकहा बिलोकतिकाहि २
९९ उल्लेखालंकारहै दोहा वाढीमं 75

८५ दिखैलखैमोहनदुतिसुकमारि ननथ्यके
कलाथकैचषचितचतुरनिहारि ३००
वार्ता विशेषोक्तिअलंकारहै षकी॰
हेतकथितनैननथके दोहा पलनच
लेजाकिसीरहीथकिसीरहीउसास अ
बहीतनरतियौकहामनपवयोकिंहिं
साथ ३०१ वार्ता संभृतिछेकानुप्रास
मनपवयौयहसंभृतिजाकिसीथकिसी
छेकानुप्रास दोहा नाकचढैसीबीक
रैजिनैछबीलीछैल फिरिफिरिभूलि
वहैगहैपियककरीलीगैल ३०२ प्र
श्न सीबीकविकाकरिगदनिचितन
दिनिरदयताप्रश्य उत्तर छैलगैलव
हनिजगहैलखिसुकुमारतनाय १ पि
यकेपगमैलगतकांकरिकसकति
याहि अवधिजानिसुकमारतापरउष

आपतजाहि असंगतिहै लगैंपियकैं
कसकैतियकैं दोहा हितकरितुमपव
योलगैवाबिजनाकीबाय टरीतपतित
नकीतऊचलीपसीनांन्हाय ३०२ वार्ता
बिभावनालंकार बिरुद्धतैंकार्यहोय॰
पांचवी बीजनातैपसीनौसात्वक दोहा
हरिहरिबरिबरिउठतिहैकरिकरि॰
थकीउपाय वाकोजुरबलिबैद्यगौतो
रसजाय्यतोजाय ३०३ वार्ता वृत्यनुप्रा
स इहस्नेषहरिहरिइत्यादिमैंप्रासर॰
समेंस्नेषओषधीअरुनेह दोहा ना॰
उसुंनतहीकैगयौतनओरमनओर द
बेनहींचितचढिरह्यौअबेचढाएलौर
३०४ वार्ता स्नेहलछिता नेहकातिस 86
योक्ति छेकानुप्रास छंद ओनैपदज
होहोय नेदकातिसयसोय अबैंदबेइ

हयास जांनऊछेकनुप्रास दोहा नैंकौ
उहीनजुदीकरीहरषिजुदीतुममाल उर
तैंबासछुट्योनहीबासछुटैंफूललाल ५
वार्ता जमकालंकारजुदीजुदीपदमैं दो
हा सरसतपौंछतलपिरहतलगिकपो
लकेध्यांन करलैपियपाटलबिमलपा
रीपवणांन ७४६ समृतलंकार कछुल
षिसुनिसुमिरनजहांहोयसमृतसोजांन
प्यारीकेपाननिलषैंजोकपोलकोध्यान
इतीवर्ननं दोहा कालवृतइतीबिनां
जुरैंनआंनउपाव फिरिताकेटारैंबनैं
पाकैंप्रेमलदाव ७७७ वार्ता रूपका
लंकारप्रेमरूपीलदावकोनिर्बाह अ
थअभिसारिका दोहा मनमोहनसौं
मोहकरितघनसांमसंभारि कुंजबि
हारीसौंबिहरिगिरधारीउरधारि ७७८

मूल वैईमनमोहनसुनौवैईहैंघनस्याम
अभिप्रायकिंहिलाबिधरैंआरिभांतिके
नांम उत्तर सषीवचननायकसौं तौम
नमोहनसौंहिमो यातैंचलिकरिमोह
यामैंधर्मनिवैबिरहकरिव्याकुलमिलि
तजिछोह १ ऐसेघनस्यांमनिबिषैले
तउनहिंसंभारि व्यंगइहांघनसांमतैं र
सकवेऊबिवारि १ यांबातैंजुसंनारि
पदसुधिकरिकतघनस्याम कुंजविहा
रीकहकिम्रबकुंजबिषैहैंबांम १ गि
रधारीतैंजुउरगिरसहहिकुचजांनि
रूपकातिसयउक्तियहबर्नेंअबर्नेंहिमां
नि १ नागिरधारीउरहियेंधारिबिहरि
चलिबांम ह्यांऊंव्यंगगिरिभिसगही र
सकमधिघनसांम वार्ता इहसत्रलंका
रसुनिरूकबदानासतकोलछन २ दि

८७ षेअर्थपुनिफलसो पुनरुकतवदाभा।
स नाममवैस्यांहरिहिके कियत्निनअर्थ
प्रकास परमार्थपुलनअर्थ चारिपदार
थदानहरि इनहीकोनसेय तिनिआर
निकेनेदत नामनिमेंलषिलेय १ म
नमोहनरूपहरिमामोहीरमासुनाह
अर्थदानयोधर्मदत्त ज्यौंघनस्यामनि।
बाह १ घनतोज्यौवुकरतधरम धर्मदी
निर्किहिजाय उत्तर घनरूतलषिसि
ष्यालहत छातिधर्मतिहिंदाय १ का
मविहारीनामतेंलहिजेकरतबिहार
गिरधररह्यकमनुतैंमोषिनपुनिसंघा
र परिकरांकुरअलंकार सानिजाय१
बिसेषजहांपरिकुरअंकुरजांनि सब
नामनिमैंह्यांकव्योअतिजायबरदांनि
दोहा मोहिमरोसोरीझिहैंउझकिझां

कि इकबारि रूपरिझांवनहारवेएनेंना
रिझवारि ३१० समालंकार जहांमिलै
अनुरूपकछुसवअसतैंसमधारि दोऊ
समरिझवारअेारिझवनहारिनिहारि
दोहा ॥ गोपअथांयनतैंउवे गोरजछा
ईगैल चलिबलिअलिअभिसारकै
गलीसझोमेसेल ३११ काव्यलिंगहै
गोरजगोपनुकोउवनसेलसमर्थकसो
य काव्यलिंगयातैंजहांदिढसामर्थन
होय दोहा सघनकुंजघनघनतिमिर
अधिकअंधेरीराति तऊनडरिहेस्याम
यहदीपसिषासीजाति ३१२ प्रस्न
आवतडरिहेंनोहियौवहियेजातिबनै
न उत्तर बांमहिलैचलिकुंजपियक
होतहांसषिबैंन बार्ता सषनिनियर
कीउतिकाहिपियकैंग्विबढाई बिसे

षोक्तिउपमेयलुप्तोपमासंकर होतुनका
रजदेतजहांविसेषोक्तिलषिजेय सवबि
धितमैंनहिठुरैंअरुलुप्ताउपमेय १ दी
पसिषा१सी२नहुरिहै२तियनोपमउपमे
यनही दोहा फूलीफालीफूलसी फिर
तजुषिंविमलविकास जोरतरईयोंहौं
दितचलततोहिपियपास ३१४ प्रश्न
पहिलैंकह्योजुफूलसीवजारितारईयों
रूप यहसमताकोहीलगैंसुनोसुकवि
कविभूप उत्तर तहांविकासपदठऊ
निमेंसोवेकैहैंदीन यातैंवहसमताल
गीठऊविमलपदछीन वार्ता उपमेय
लुप्ता ४मेंप्रियवाचकलुप्ताकोसंकर
फूलफसीजुविकासपद उपमेयलुप्ता
होय औरतरईयोंत्रयलुप्त इकउपमा
नहिंजोय दोहा उयोसरसैराकासी

करतिकौंनचितचेत मनौंमदनछितिपा
लकौछोहगीरछविदेत ३१४ वार्ता वस्त
उत्प्रेक्षालंकारहै राकाससीपेतकै दोहा
निसिअंधियारीनीलपटपहरिचलीपिय
गेह कहोदुराईक्यौंदुरैदीपसिषासीदेह
३१५ प्रश्न सषिवचनीरसबातमैंनहि
लेजबोमैंन तहांप्रसुतरसबीअरुरूप
गर्विताबैन उत्तर सोरठा चलीजुपियके
धांम पहरिलेहतोनीलपट रूपगर्विता
बांमकहीसुतहोछविक्यौंदुरैं विसेषो
क्तिहै होतुनकारजहेतुसव विसेषोक्ति
उद्योत तम्फनीलपटहेतसबदुरिबोत
जनहोत वार्ता उपमालंकारकहै प्रस्तु
तरतैं दोहा अपेक्षिपाकरछितिछए न
मससिहरनसंतारि हसतिहसतिचलि
ससिमुषीमुषतैंप्रंघरटारि ३१६ काव्य 89

लिंगहै काव्यलिंगसामर्थताजहा दिढक
हतप्रवीन चलिबेमैंमुषचंदरदजोतिस
मर्थनकीन दोहा अरीषरीसटपटपरी
बिधुआधेमैंगाहिरि संगलगैंमधुपनज
ई नागनिगलीअंधेरि ३१७ प्रस्न षरी
कहासटपटअवरअलिनहोतनिसिअं
ग उत्तर इकपरकियबिधुलषितफन
पद्मिनिअलिजिहिसंग प्रहर्षनालं
कारहै इष्टसिद्धहोयबिनुजतनकहत
प्रहर्षननाम बिनुउपायअलिछायुब
कसाधिलियोमनकाम दोहा जुवति
जोन्हमें मिलिगईनैंकनहोतिलषाय
सोंधेकेंडोरेंलगीअलीचलीसंगजाय
३१८ उन्मीलितअलंकार उन्मीलित
किजंबाततैंजहांभेदरसाय मिलीचा
दनीमैंतरुनि दई सुबासजताय पियार

मिलमऊसाह दोहा बालेकीबातैंचली
सुनतसषिनिकेटोल गोएक्लोयनहसत
बिहसतजातकपोल ३१९ बात स्वभावो
क्तिहै लोयनकपोलकौहसिबो दोहा ज्यों
ज्योंआवतनिकटनिसि त्यों त्योंषरीउताल
झमकिझमकिटहलैंकरैलगीरहचैंबा
ल ३२० प्रस्न जौस्वकियाआतुरसक्यों
परकियरतिनिहचैंन दासीबालननसंग
वैप्रसन्नीनहैंमैंन उत्तर आयोपीयुबि
देसतैंसुकियाहीवहकाम सासैंनालैन सास
हितकरतउतायलकाम सुनायोक्तिहै
झमकिझमकिटहलैंकरतनायकजुबर
न्योंसोय जहांस्वभावबन्योतहांसुभावो
क्तिलषिहोय दोहा झुकिझुकिझपकौं
हैंपलनिफिरिफिरिजुरिजमुहाय बी 90
दपीयागमनींदमिसिदीसबसषीउठाय

९७ ३२१ पर्यायोक्तिहै छलकरिसाधियइष्ट
जहांपर्यायुक्तसुनाय मषितउगयबोइष्ट
मिसिनोदासिद्धिकियकोप वार्त्ता बीद१
कोअर्थेजांविकैंमिसकियो दोहा अगु
रितिउत्तनजीतदेउलमिवितेवषलो
ल रुविसोंउत्तउत्तनिकेहमेचाकदपो
ल ३२२ आतिअलंकार दोहा मिसही
मिसआतपउसदं दईओरवहकाइ च
लेललनमनजावतिहिंननकीछांहछि
पाय ३२३ प्रश्न उसहधूपउपहरसर
हीउपहरपगतरछांहि ननकीछांहछि
पायबोयातैंबनतसुनाहि उत्तर सब
सषियनुबहकाइदतआवतललनानि
हारि ननकहसैंतनओटमैं लैछिपाय
इहनारि वार्त्ता पर्यायोक्तिहै छलक
रिसाधियइष्टजहां मिसहीमिसपललोनि

लायबोइलीववन दोहा लाईलालवि
लोकियैजीयकोजीवनिमूलि रहीभौंन
केकौनमैंसोनजुहीसीफूलि ३२४ बात
सोनजुहीसीफूलि जीवनमूलि उपमा
अलंकारहै दोहा नहिहरिलोंहियरां
धरोनहिहरलोंअरधंग एकतहीकरि
राषियैअंगअंगप्रतिअंग ३२५ इप
मांहै इषनजहांउपमानमैं इपनो
पमांमानि हरिकौंदियअरधांगहरजे
सेहोऊनजांनि दोहा रहीपैजुकीनेजु
मैंदीनीतुमैंमिलाय राषोचंपकमाल
सीलालगरैंलपटाय ३२६ वार्त्ता उ
पमेयलुप्तचंपकमालसीगरैयामैं दो
हा रहीफेरिमुहहेरिइतहितसमुहैं१
चितनारि दीठपरतिउठिपीठकीपुल
केंकहतपुकारि ३२७ वार्त्ता अनुमांना

८२ अलंकार पुलकपदतें मिलनवर्नन
दोहा दोऊवाहन्नेकछूवाहतकसो
कहेंन नहिंजाचकसुनिसंमलोंवाहि
रनिकसतबैंन ३२८ अपमालंकार है
दोहा लहिसनैंघरकरगयो दिषादि
षीकेईव गफीसुचितनोहीकरतेकरिल
लचोहीदीठ ३२९ प्रश्न सनैंघरमैंक
उ रगहन गफीसुचितसुकरैंन तोनायक
कीहीननायामैंरसकछुहैंन उत्तर सा
मीवचन सोरठा करिललचोहीदीठ
नोहीकरीसुहियगमी होतमिष्टजुईठ
लगीसरसनोहीहिये जातिअलंकार
दोहा गलीअंधेरीसांकरीभेभटभेरो
आति परेपिछांनेपरसपर दोऊपरस
पिछांनि ३३० वार्ता परसतेपहिचांनि
मोयातेंउन्मीलितलंकार है दोहा

हरषिनबोलीलषिललन निरषिअमि
लसंगसाथ आंषिनुहीमैंहसिधस्योसी
सहियैंधरिहाथ ३३१ अर्थ हाथहि
येंधरिनिजमिलन अवरसीसनिसिना
व यहसंकेतजुकहोलख्योप्रीतमबोध
प्रभाव सविभअलंकारहे किंभाव
तेंजानियेंजियकीसात्तिमनांम हावनि
मेंबोधकहैबरनतजेगुनधाम दोहा
नेटतबनतनलावतो चिततरसतअ
तिप्यार धरतिउगायउगायतेंरअपन
बसनरप्यार ३३२ वार्ता प्रश्न या
कोअर्थमहमानरूप्रासक्तकोकरेहे
तहांरसहीन सोअर्थनायकसुसरा
रिमैंगयौतहांनायकाकीअनिहित
कीक्रिया विभालंकार जहांनिहकप
टप्रीतितहां लषिप्रेमालंकार सोदोहा

८५

८२ हियकीजानिहै नहि दिषवनआचार
दोहा कोरिजतनकोऊकरौतनकीतप
तिनजाय जौलौंजीजैचीरलौंरहैनप्यो
लपटाय ३३३ सर्पेष्वारे सुरतारंभ
वर्नन तनकछूवनिसवादिलीकोंन
बालपरजाय तियसुषरतिआरंभकी
नहिछुवियेमिजाय ३३४ अनुकानु
कते असुभैसुअकेजाय सुवरअयु
कासुकहै नहिछुवियेमिजायरतिमें
अनवांछेसुनहै दोहा दीपउजेरेकं
पतिहिं हरतबसनरतिकाज रहीलप
टिलिविकीछटनिनेकोछुटीनलाज
३३५ प्रसन्न तमलमेंलजाकरतयह
कहिवेकीरीत दीपउजेरेलकस्योला
जरहनिकिंहनीत उत्तर दीपउजेरेक
पतिहिहरतदेहरीवाय बसनहरत।

पैनोछुटीलाजसुपतिहिंसमीप वार्ता
दीपउजेरेलकौहरतुहै अरुबसनक
हरतहै तौऊलाजनछुटी अर्थयहकि
अंधारेकमेंलजातिहै बिसेषोक्ति
होयकारजहेतुजहांबिसेषोक्तिकवि
राज निलजकरनकेजतनकियतऊन
छूटीलाज दोहा लषिदोरतपियकर
कटकेबासछुवावनकाज बकानीब
नज्जगढनिमेरहीयुहौकरिलाज
३३६ सविषयसावयवरूपक रूप
कसविषयसावयवसकलबसनजुब
षांन सुरतसमयअरुकटकगढरूप
कबरन्योजांन दोहा रसिकऊवनिबि
चकरउंचैकिएनिचोहेनैंन षरेअरे
पियकेंपियालगीबिरीमुषदैंन ३३७ 43
जातिअलंकार दोहा सकुचिसरकि

८८ ९३ पियनिकटतैंमुलकिकछुकनननोरि क
रुआंचरकीओटकैजमुहानीमुषमोरि ३
३८ व्याजव्योक्ति दोहा जोंहनिजासति
मुषनटतिआंषिनसौंलपटात ऐंचि
कुडावतकरइचीआगेंआवतिजात ३९
व्याजोक्ति दोहा सकुचिसुरतिआरंभ
कीबिछुरीलाजलजाय ढरकिढारढु
रिढिगजईदीठदिठाईआय ३४० प्र
म ढरकिओरहरिअर्थइकहैपुनअ
कबिचार उत्तर कुरैकिरियेपरसन्न
कैआईलषिनिजवार बातो इहांह
सनुप्रासहे इलनुप्रासक्जोय बरन
मित्रताहोय दोहा पतिरतिकीबति
यांकहीसषीलषीमुसकाय कैकैस
बैटलाटलीअलीचलीसुषपाय ३४१
स्वभावोक्ति है छलकरिसाधियइष्ट

जहांपर्योसुकसुगाय उविवोइष्टसुमि
सनिसौंउवाइहोइहमाय दोहा चमक
तमकहांसीससक मसकझपटलपटी
नि एजिहिरतिसैंभतिमुकतिओरमुक
तिअतिहानि ३४२ बितरेकालंकार
सुब्यतिरेकजहांउक्तिमैंइकहिअधि
कताहोय इतीअधिकरतिमुकतिमैं
उहिमुमुकतितैंजोय दोहा जदपिनां
हिनांहीनहींबदनलगीजकजाति त
दपिनौंहहांसीनरिनुहांसीयेबहराति
३४३ क्रियाक्रियाबिरोधहै जोंहहां
जैसीनई क्रियाक्रियासुबिरुद्ध अलं
कारसुबिरोधसोंजाननिहैमतिसुद्ध
बिपरीतबर्तनं दोहा पर्योजोरबिप
रीतरतिरुपीसुरतरनधीर करतकुला
हलकिंकनीगह्योमौनमंजीर ३४४

८

५४ समासोक्तिअलंकार समासोक्तिप्रस्कृत
विषैअप्रस्तुतफुरैआय कहतिसुरति
कीरीतमधिसुरतलयोइहजाय दोहा
बिनतीरतिबिपरीतकीकरीपरसिपियपा
य हसिअनबोलेंहीदीयौउत्तरदियौ।
दिषाय ३४५ बिभावनांपहलीहै का
रनबिनुकारजउदयसोबिभावनांमांहि
उत्तरकारजतोभयोबोलनहेतसुनांहि
वार्ता दियोदियोजमकहै दोहा
मेरेबूझैबाततकतबहरावतबाल
आजांनीविपरीतरतिलषिबिंदुलीपि
यभाल ३४६ वार्ता अनुमांनालंका
रहै बिंदुलीतैं दोहा राधाहरिहरिरा
धिकाबनिआऐसंकेत दंपतिरतिबि
परीतमुषसहजसुरतफलेत ३४७
काव्यलिंगहै काव्यलिंगसामर्थताज

हांहिदकहियतभाव सहजसुरतिबिप
रीतसुषदिटकियलीलाहाव दोहा रम
नकह्योहविरमनिसौंरतिबिपरीतबिला
स चितईकरिलोचनसतरसलजसरोस
सहास ३४८ स्वभावोक्ति दोहा रंगीसु
रतरंगपियहियेलगाजगीसबरीतिप रा
र्यपैंकपरवठकिकैंअैमनरांग्यैमाति ३
४९ स्वभावोक्ति दोहा लहिरतिसुष
लगियेंगरेलषीलजौंहीनीवि षुलतन
मोमनबंधिरहीवहैअधषुलीहीवि ५०
वार्ता अधषुलीबस्तषुलिजातहै नहिं
षुलितयहबिरोधतो अधषुलीरहि
सबषुलतनहीहैसोपियकेमनमेंबंधि
रहीहैयातैंअविरोधहै बिरोधाभासवि
रुद्धसोंभासैअविरुद्धलीन षुलतिनअ
रुअधषुलीयहैयहबिरोधपरवीन दो०

ल॰५ करउवायघूंघटकरतउसरतपटउफ्रोट
सुषमोटैलूटीललनलषिललनाकीलो
ट ३५१ जातिअलंकार प्रेमषेलबनेनं
दोहा नाकमोरिनाहीकिकैंनारिनिहारैं
लेय छुवतश्रोवपियश्रोगुरिनिबिरीब
तिय दनश्राइय ३५२ जातिअलंकार दोहा
सरससुमिलचितनुरंगकीकरिकरिअ
मितउवान गोइनिबाहैंजोतियेषेलप्रे
मचोगान ३५३ वार्तारूपकालंकार
प्रेमकौचोगांनकौरूपक दोहा दगमी
चतमृगलोचनीअस्योउलटिभुजबाथ
जोंनिगईतियनाथकेहाथपरसदोहा
य्य ३५४ काव्यलिंगदै काव्यलिंग
सामर्थताजहांहदकहतिसुजांनि ज्ञे
दोपियकरपरसकियदिटसमर्थपद
चांनि दोहा प्रीतमदगमिहचतप्रिया

पांनपरसिसुषपाय जोंनिपिछांनिअजां
नलोंनैंकनहोतजनाय ३५५ पर्यायोक्त
अलंकारसाधियइष्टजहांपर्यायोक्तिवि
चारि मिसकअजांनताकेपरममोदइष्टल
हैनारि दोहा कारिमुंदरीकीआरसीप्रति
बिंबोप्योश्राय पीठदियैंनिधरकलषैइ
कटकदीठलगाय ३५६ प्रहर्षनालंका
र इष्टसिद्धकृयबिनजतन सुप्रहरषन
सरसाहिं बिनांजतनपियदरसइहनेंन
योंआनसीमांहि दोहा मैंमिसहोसो
योसमुझिमुहछुम्योढिगजाय हस्यो
षिसांनीगरगद्योरहौंरैंलपटाय ५७
टीकाअर्थविधि नियबचसषिसोंमों 96
तियहसिसहापियजोआहि मैंनिदि
सोयोसमुझिकैंछुम्योमुषयहवादि १

जवैहस्योतनबमैंषिसीउनागरगह्योसुजांन
कचैंमुषकरिवैंसुमैंलपटीगरैंविदांन व
ती त्रोक्तिअलंकारसोवनैंकौत्रमजयो
दोहा मुषभघारिप्योजपिरहतरह्योनगो
मिसिसेन फरकेअवठवेपुलकिगएउघ
रिजुरिनैंन ३५८ जात्यअलंकार दोहा
बनरसलालचलालकीमुरलीधरीलुका
इ सौंहकरैंनौंहनिहसैदैंनकहैंनटिजा
इ ३५९ पर्यायोक्ति स्वभावोक्ति वृत
रसइष्टसुछलमुरलिडरवनपर्यायोक्ति
नौंहहसनिदेबौकहति सुभावोक्तिब
रउक्ति दोहा नैंकउतैंतूठवेगियें कहा
रहैगहिगेह छुटीजातनहदीछिनकु
महदीसकनदेहु ३६० वार्ता व्यंगसों
सषीनायकसौंजतावतिहै किवुम्हारदे
षेंतियकेस्वातिकनयोतुमसोंप्रीतिसनेह

है वक्रोक्ति टेढेभावसौंकहियैबात दे
हा बोंमतमासेकरिरहीबिबसबळनीसे
य ळुकतिहसतिहंसिहसिळुकतिळुकि
ळुकिहसिहसिदेय ३६१ भावालंकार
दोहा हसिहसिहेरतनवलतियमदकेम
दउमदाति बलकिबलकिबोलतबचन
ललकिललकिलपटाति ३६२ वीपसा
लंकार इकहीसब्दबहुबार अधिकाई
हितवीपसा हसिहसिबलकिविचार
अधिकाईकेहेतहै दोहा षलितबचुन
अधषुलित हगलजितखेदकनजोति
अरुनबदनछबिमदछकी षरीछबीली
होति ३६३ जातिलंकार दोहा निपु
टलजीलीनवलतियबहकिवारुनीसे
य सौंसौंअतिभीवीलगैज्योंज्योंधीठी
दोदेय ३६४ जात्यलंकार बनबिहार
वर्नन दोहा चलितललितश्रमखेदक

९७ न कलितअलनमुखवैन बनबिहारथाकी
नदविपरीयकाणनैन ३६५ आसलंकार
दोहा बढतिनिकसिकुचकोरकविकट
तगोरभुजमूल मनलुटिगौलोटनचढ
तचौंटतऊंचेफूल ३६६ जातिलंकार
दोहा धांमघरीकुनिवारियेकलितल
लितअलिपुंज जमुनातीरतमालतरु
मिलतमालतीकुंज ३६७ गूढोत्तरालं
कार बचनगूढनिजभावसौंगूढोत्तरक
हिताहि कुंमघनमालतिकुंजमेंस्वयंदू
तनावाहि दोहा अपनेकरगुहिआपु
हठिहियपहिराईलाल नौलसिरीऔ
रैंचढीमौलसिरीकीमाल ३६८ भेदका
तिसयोक्ति कहे औरैपदतैंजांनिये
भेदकातिसयउक्ति बौलसिरीकेआस
सौंछेकनुप्रासप्रयुक्ति जलबिहारब
नैन दोहा लेचुभकीचलिजाततजितजि

तजलकेलिअधीर कीजतकेसरिनीरसेति
तनितकेसरिनीर ३६९ वार्ता जमकधर्म
लुप्ताकोसंकरकेसरकेसरजमक नीरके
सरनीरसेइहांधर्मलुप्ता दोहा छिरकेना
हनवोढदृगकरपिचकीजलजोर रोचनरं
गलालीलईबियतियलोचनकोर ३७०
असंगतिअलंकार छिरकैनैंननवोढर
केनएसोतिदृगलाल इति हिंमोरावर्न
नं दोहा हेरिहिंमोरैंगगनतैंपरीपरीसी
टूटि धरीधायपियबीचहीकरीखरीरस
लूटि ३७१ प्रश्न रसलूटिकरीमुती षरी
कहोकहाआहि उत्तर बाधककफसाधर
कनऐसबेसराहतचाहि इतियअपैबा
तौ नायकाकौंगिरतैंछातीसौंलगाईयर 38
हीरसलूटिकैंपरीकनी प्रश्न परीसीटूटी
इहांऊंचेसौंगिरीजांनियेनाकौंतुरतषरी
होबोनजांनबो नाजुकताहीनहे रूपकत

मककबोसंकर रूपकगगनदिंनोरतैंज
मकपरीदेबार उपमेयेकहीलुन्नकीसंक
रलबिनिरधार दोहा बरजैंहूनीहबिचु
देंनोसकुचैंनसकाय हूटतिकटिकुमबी
मवकिलचकिलचकिबेचिजाय ३७२
बिन्नावनालीसरीञ्रकबीपसा बाधकल
तलकाजजहांहोयबिनोवनजीनि बर
जैंचढतिसुबीयसा लचकिलचकिमधि
प्रांति दोहा दोऊचोरमिहीचनीषेल
नषेलञ्रघात कुरातिहियैंलपटायकैं
छुवतिहियैंलपटात ३७३ बिसेषोक्ति
होतुनकारजहेतजहां बिसेषोक्तिउद्यो
त दियलपटनुहैहेतपेकाजञ्रघांनि
नहोत सेजतैंउबिबो दोहा लषिल
षिञ्रंषियांञ्रधषुलिनि ञ्रांगमोरिञ्रं
गुराय ञ्राधिकउठिलेटतलटकिञ्रा
रसञ्रीजेंभाय ३७४ समावोक्ति दोहा

नीवनीवउबिबैठिकंप्योप्यारीपरभात दो
ऊंनीदभरेषरेगरैंलागिगिरजात ३७५ स
मावोक्ति प्रभातिसषीबचन लाजगरब
ञ्रालसउमगभरेनैंनमुसकात रातिरमी
रतिदेहकहिञ्रौरेंप्रभाप्रभात ३७६ बा
नी जेसकातिसयोक्ति ञ्रौरेंपदतें हो
य कुंजभवनतजिभवनकोंचलियेनंद
किसोर फूलतकलीगुलाबकीचटका
हटचहुञ्रोर ३७७ प्रश्न कुंजछुनावति
सषिनरसञ्रफततजिभवनजुञ्रंषे कुंज
चलोघरतजिसबदबनैंनबुजिसमर्थ
उत्तर कहतहोकहांकाकसषीचलोभ
वनइहवैन सुनिबरसबिबोजीसुजि
तिभ्रपेयहीमनञ्रैन कांकोकिहे स्यां
कोकोकतिकुंजतजिकहचलियेमधि
ञ्रौन देषोसोमगुलाबकी महसमयोनहिं

१५४ गौंन दोहा नटिनसीससावितनईलुटीसु
घनिकीमोट उपकरियेचारीकरतिसारी
परीसलौट ३७८ वार्ता काव्यलिंगसारी
सलौटनैं दिढकियौ अनुमानाअलंकार
कहै दोहा मोसोमिलवतचातुरीतूनहि
मानतभेउ कहैदेतयहप्रगटहीउपज्यौ
प्रसपसेउ ३७९ विभावनापहली वि
नुकारनकारजउदय अथप्रथमविनुप्रस्वे
द प्रथम हिमतैंस्वेदविकहकिनउ
पर नहिहिमतैंयहभेद वार्ता हिमतैं
स्वेदहोतोगौपांचवीविभावना विक
हकीहोतीसोनहीहिमतैं दोहा औरैं
गतिऔरैबचनभयौबदनरंगऔर
द्यौसकतैंपियचितचढीकहैंचढ्यौहै
सौर ३८० अतिसयोक्ति दोहा
सहीरंगीलेरतिजगे जगीपगीसुषचैन

अलसौंहेसौंहैंकीयेकहैंहसौंहैंनैन अनु
अनुमानालंकार दोहा योदलिमलिय
तमिरदई दईकुसमसौगात करधरिदै
षोधरधरा अजौंनतरकौजात ३८१ भा
वा दोहा अलंकारभाविकइहांधरयौ
कविनकिभ्रांति सुतौनक्यौंलसनवै
लेउसुकवियहिवांनि भाविकलछिन
भूतभविषकौंजहांकहैबर्तमानसोला
य सोभाविक प्रथम षोधरधरा बर्तमा
नदरसाय १ बर्तमांनहीहोयतौवनैं
नलषिनसोय भूतभविषब्रतमांनसो
कहैंसुष्टतबहोय १ करधरिदैषोतब
कह्योअबबहहैभरजीव अजौंसपद १
निरधारकियबर्तमांनलषिहोय १
याकोरूपउदाहरनकबियोंकरतबषा
न लषतबिदेसऊजनुपियादेतिसमि

१०० नजुतपांन १ यातैंनाविकनदिइहां हैवि
षमालंकार लछन विषमउचितनहिं
जोग जिहि मृदुतनदलनप्रकार दोहा
छिनकुउघारतिछिनुछुवति राषतिछि
नकुछिपाय सबदिनपियषंडितअ
धर दर्पनदेषतिजाय ३८३ वार्ता आ
सलंकारअकलाटानुप्रासहै दोहा
कियेजुचिबुकउचायकरि कंपतकर
भरतार टेढीएटेढीफिरत टेढातिल
कलिलार ३८४ वार्ता चिनावर्नापां
चई विरुद्धतैंकारजहोय टेढेतैंलछि
तहोय सोगावितसोनई दोहा औरै
ओपकनीनिकनिगनीघनीसिरताज
मनीधनीकेनेहकी बनीछनीपटला
ज ३८५ वार्ता पियकेनेहकीमनी म
नीकेअर्थ छकगर्ब एकमनिसोव

हलाजरूपीपटमैं छबि निकसीहै लाज
मैंछिपावतिहै नऊप्रगटहोतिहै जैसें
नृमलमनिकीकांतिपटमैंबांधैंकें छवि
निकसतहैयाकेअर्थऔरकहैपैयहमु
ख्यिहै मनीसब्दस्लेष भेदकातिसयोक्ति
अलंकारहै षंडितावचनेन दोहा वेई
गडिगाडेपरीउपट्योहारहियेन औरं
मौंमोरिमतंगमनमारिगुरेरिनुमेंन ३
८६ प्रश्न मनकौंकहौमतंगज्यों नेनव
नैंइहठौर लगेगुरेरादेहमैं देहऔरम
नऔर उत्तर कहतत्वकियाजुकिस
खि मनुगजअंत्रा न्योंमैंन नहींकहोंग्रे
बोवननदिवसहिप्रियामिलैन वार्ता
गजनायकमनुसवदउत्प्रेछा: नहिंग
रेस्थसिधासपदमैंनलिप्र्यायोंहेत असि
द्धासिद्धपदहेतकीउत्प्रेछालषिचेत दोहा

पलनपीकअंजनअधरधरैंमहूउरलाल
आजुमिलेसुनलीकरी नलेबनेहोलाल
३८७ हतोअसंगतिहै अरूपलकारज
औरथलधरेंअसंगतिनाम पलकआ
लथलपीकतहोअधरपीकथलस्याम
औसेहीमहावर दोहा गहिकगोसओ
रेगहेरहेअधकहेबेंन देषिषिसोहैपि
यनयनकियेंरिसोहेनेंन ३८८ वार्ता
नेहकातिसयोक्तिऔरछेकानुप्रासहै
दोहा नेहतरेरोस्योरकरिकतकरिय
तहगलोल लीकनहीयहपीककीअ
तिमनिफलककपोल ३८९ वार्ता ना
यककीसषीकोवचनषंडितासोंआजो
क्ति आजोकतिकहुकरिजहीलेतअ
काउराय पीकजायकहीइहांअतिम
निफलकजताय दोहा बालकहाला

लीनईलोयनकोयनमांह लालतिहारे
हगनिकीपरीहगनिमेंछांह ३९० वार्ता
उतरालंकार छेकानुप्रास लछन प्रसु
नरतेंउत्तरा लोयनकोयनछेक इति दो
हा तरुनकोकनदबरनबरभएअरुन
निसिजागि वाहीकेअनुरागहगरहेम
नोंअनुरागि ३९१ उत्कासपदबल्लभे
षा दोहा केसरिकेसरिकुसमकेरहेअ
गलपटाय लगेजानिनषअनषली क
नबोलतिअनषाय ३९२ प्रश्न केसर
केकुसमकीकेसरसोंकुसमतनुसांको
ऊकहेकेसरहीक्योंनकही तोकेसरल
गीकहनेमेंबाटीकेसरभासे नायककी
सषीकोवचनषंडितासोंहै आजोक्तिव
र्णन दोहा परकीटिगकतदोपियत
सोनितसुभगसुबेष हदरदछदछविदे

१८२ तहँ सदरदछदकी रेष ३८४३ वार्ता या
कौ अर्थ लछिताकौ है नायँकौ पटसौं दीप
नौ असंभव रदछद अधरता बिषै रदको
छद इत्यनुप्रास है दोहा मो मनसौं बात नु
लगैं लगी जो जिहिं नाय सोई लेत रला
ईये लाल लागिय तु पाय ३८४४ वार्ता
काव्यलिंग है नाम उचारन तैं नेह दृढ
समर्थन करयो दोहा सदन सदन के
फिरन की सदन छुटै हरिराय रुचैं जि
तैं बिहरत फिरौ कत बिहरत उर आय
३८४५ वार्ता जहाँ रुचै है तहाँ तौ बिहर
त फिरत हौ बिहरत चीरनें कौं कहत है
इहाँ आय उर कौं क्यों चीरत हौ यातैं रले
ष है वीपसा लाटानुप्रास रूपक है दोहा
छुयुक्ति गुनी पौं तौं गलत अति दीन
तौं दिषाय बलि बामन कौ ब्यौंत सुनि ८

कौ बलि तुमहिं पसाय ३८४६ प्रश्न कै
सेंब नैं सुर्ष दिता चिन्ह कहै कुछ नाहिं
कह बामन सौं जाचिनौ कहा दीन इह
माहि उत्तर सापराध इहि बिधि रहे
सुनें सौति के धाम जखौ निस कि रूको
उकी लई निसा रति कांम लोकोक्ति
अलंकार लोक कहवउ जहाँ बरनई
लोकोकति पहिचांनि गिलतसहूँ अ
क्यौं तवे लोकोकथनि हिं जानि दोहा
लालन लहि पायैं दुरें चोरी सौं ह करैं न
सीस चढें पनिहां प्रगट कहैं पुकारैं नैं
न ३८४७ काव्यलिंग है चोरी कौं दिठ
करति है नैं न अरुन इह बोर काव्यलिं
ग यातें इहाँ जांन कुकवि सिरमोर वा
र्ता पनिहा के अर्थ मुदासा भूत करने
वालो दोहा सुरत सुरत के सें डरत सुर

१०३ तैसेंनजुरिनावि मौंनीदैगुंनरावरेकहैंक
नौडीदीवि ३१७८ वार्ता छेकनुप्रास लो
कोक्ति छेकानुप्रास छलनुरतसरितादि
पद मौंनीग्रात्क्षलोक प्रासकनोंमीके
धरें छेकनुप्रासहिंओक दोहा मरक-
तभाजनसलिलगतइंदुकलाकेभेष झी
नझगामैंफिलमिलैस्यामगातनषरेष
३१७९ यथा मरकतभाजनमैंसलिल
बिचबिधुकलकीछांहि उत्प्रेक्षा नाय
कपटमांहिश्रफबिधुकलसनमुषनां
हि वार्ता एकआधारआधेयकोकम-
नीहीं अफछेजकीकलाभाजनकेपांनी
मैंनदीसे आकासमध्यहोयतोदीसे उ
त्प्रेक्षा सलिलमांहिभाजनलष्यौ ति
हिंमध्यविधुकलरूप तैसेंफीनझगा
सुमधिनषजुतस्यामअनूप लुप्तमरक

उत्प्रेक्षा जनुमरकतभाजनसलिलयौंसु
फीनपटस्याम उत्प्रेक्षाअनुलुप्तकीवस्तु
मांहिगुनधाम दोहा वैसीएजांतीपरति
झगाझंझरेमांहि मृगनैंनीलपटीजुहि
यबैंनीउपटीबांहि ३१८० अनुगामाल
कार दोहा वाहीकीचितचटपटीधरत
अटपटेपाय लपटबुफावतबिरहकी
कपटभरेऊआय ३१८१ विनावनोपं
ब्धीहै काजहोयबिफतैंसुविनां
वनकबिराज बिरहागनिनबुझैकप
टहैबिफलैकाज दोहा कततकाज
चलाईयतचतुराईकीचाल कहेंदेतगु
नरावरेसबगुनिनिरगुनमाल ३१८२
मूल वार्ता एकगुनसेंअधिकहै अ
पैबिधिअर यहमालकैसीहै गुन- 104
निरगुनमालहै जामेंचिन्हमात्रहीमा-

२०४ लाकौगुंनहै और निरगुंन बिनांमोरे कहै
जौ अकेली निरगुन मालकहियै तौ बि॰
नां मोरे मनिकांनितैं माला कौ रूपक न
बनायौ होय यह संनवै ज्यौं तौ मनिका
क्रनहीं ज्यौं तौ मनिकानकौं चिन्हमात्र
एक गुनहै यातै गुनमालक हाई बिरो
धाभास है बिरूधाभास बिरूध सौं भासे
अबिरूध वेतु निरगुंन मैं गुन कथानिक
है निर्गुन अर्थ अतंतु दोहा पावकसो
नैंन निलग्यो जावकलाग्यो लाल मुक
र होऊगे नैंक मैं मुकर बिलोको लाल ॥ ३
वार्ता प्रर्णो ध्ना जमकलाट कौ संकर: पा
वकसो जावक लग्यो सरन उपमां जां नि
मुकर मुकर यह जमक है लगिलमिला
टबषांनि दोहा रहीप करियां टीसुरिस
गेरे नौंह चितनैंन लषिसुपनें त्रियऔ

नरति जगत कौं लगत हियैंन ४०४ वार्ता
सभैं नावतैं यह नायुका षंडिता रति श्रमा
है नायका अनेक है यथा देसकालव
य भावतैं केसवजां नि अनेक भांति अ
लंकार भांति सुआरैं बस कमें औरैं श्रम
जहां होय रतिक श्रमकरि नहि लगत
पियहियतिय यहजाय दोहा रह्यो च
कितचक घांविते चितमेरो मति भूलि
२ सूरतदे आये नैंही हगनिसा फसी फूलि
४०५ वार्ता बिनावनांतीसरी बाधकछ
तकी अरुधर्मलुप्ता रविछतसंभाफ॰
लई बाधकछतते कांज सुबिनांवनां
अरुअरुनविधु धर्मलुप्ता को साज दो
हा अनतबसे निसकी रसनि उरबरि
रही बिसेषि तऊ लाज आई झुकति ष
रेलजौं है देषि ४०६ प्रस्न॰ निस अनसे
बौ अरुअनत बसिबौ अतिऊ कंबोर बि
अरविंदहि [illegible] +

१०५ जोवनोपोवई कारजहोइविरुद्धतैंसुवि
१० जोवनकविराज घरेलजौहैंतेहियेको।
धहोयनहीलाज दोहा सुरंगमहावरसो
तिपग निरषिरही अनषाय पियअंगु
रिनलालीलषैंपरीउवीलगिलाय ७
अनुगुनालंकारजोगुनसिद्धपरसंग
अधिकहोइसुअनुगुनलेषि जावक
लषिकुतियेजुरिसवढीसुपियदृतद।
षि दोहा कनसकुचननिधरकफिरे
रतियोमोरितुम्हेंन कहाकरोजोजाहि
पलगोलगोहैनैंन ४०८ व्यंग्यजना।
तिहरै रतिनमोरिनिदोषहोयहअ
स्कतिकोनाय अभिलाषनिंदाफिरो
हगनिलगोहैलाय दोहा प्रानपिया
हियमैंबसेनघरेषाससिगोल नलो
दिषायोआनियह हरिहररूपरसाल
४०९ कान्हनायकाकेबचनपियसों
जुदेोनंकेरूपकोजावदिषायो रूपकालें।
काहै हरिहरकोरूपक दोहा त्योनच
लेवलिखावरीचतुराईकीचाल सनषहि
यैंघनषमनटनअनषबढावतलाल १०
विरोधाभासअलंकार विरोधाभासवि
रुद्धसोंभासैअविरुद्धसुद्ध सनमअनष
सोविरुद्धहैरोसअर्थेअविरुद्ध हेसनु
पासफ्रहे दोहा नकरनमरसबजगके
हतकतबेकाजलजात सोहैकीजैनैंन
जोसांचीसोहैंषात ४११ वार्ता लोको
क्तिजमकहै नकफनमफलोककथ
नि सोहैसोहैजमक दोहा कतकहि
यतइषदैनकोरविरविबचनअलीके
सबैकहाउरहेलषैंलालमहावरली
क ४१२ वार्ता छेकानुप्रासकहाउरे
महाउरसहृतें दोहा नघरेषासोहैनई

१०५

१०६ अनसौंहैंसबगात सौंहैंहोतननैंनए तुम
सौंहैंकतषात ४१३ उत्तर दोहा ल
लनसलौनैंअदरहैअतिसनेहसौंपा
गि तनककचाईदेतदुषसूरनलौमुह
लागि ४१४ प्रश्न सूरनकौसमतादई
नायककौवहवाम तहँमुंहलगिबोल
गतनहिंनायकपछइहवाम १ जौया
केमुंहलगतहेतौदुषयाहिनहोय जो
सौतिहिकेंमुंहलगैं तौनसूनैबिषिजो
य १ सूरनतौजिहिंमुंहलगैताहीकौं
दुषजांनि यातैंमुंहलगिबोइहांकैसैं
अर्थबषांनि उत्तर दोउनकौमुंहला
गिहोदेतदुष्षयहअर्थ पियकौहि न
हियलागिहैमुषमांगिसबअर्थ सोर
ठा जामेंहैमुंहलाग तिहिंकहतमुंहला
गिके देतिदुष्षअनुराग हियेनऊपर

होजतनक प्रश्न दोहा औरप्रश्नजुसने
हअतितहांनकचाईहोय दुकं औरयह
अर्थतोहैबिरुद्धपदसोय उत्तर अर्थ
यहकिजुसनेहसौंपगेतहोइहमां नि
पगीबस्तकीमधकरता हूपरहीकीजानि
१ चीजीजिहिंअंतरमिटैरससौपहहां
नांहि पगौनिहयामैंकछोहूपरहितइ
हवांहि १ सूरनक्रमैंनेहकौपगिबोव्यं
गहिमांहि कह्यकिहूपरहीलग्योअंत
रमिट्योपुनांहि वार्ता प्रश्न घीवमैंपगि घी
बोसंज्ञानहीं पगिबोमाठेमैंहोतहै उत्तर
सुघरलोगव्यंगसौंकहतहै जहांघीवकी
कमीदेषेतहांकहै कियहसापमीघीव
मैंपागिलएहैं अर्थकिऊपरहीघीव
हैं पहोनहीं सत्तौंपांक्षेपसंकर सूर
नलौमुहलगिललनपररनउपमांजोइ 102

८०।

१०७ सनेहसलौनैंबिबअरथसोश्लेषयहजो
यु दोहा पलसौंहूंपगिपीकरंगछलसौं
हैंसबबैंन बलसौंहैकंतकीजियतएक
लसौंहैनैंन ४१५ छेकानुप्रासहै दोहा
कतलपटईयतमोगरैंसानजुहीनिसि
सैंन जिहिंचंपकबरनीकियेगुललाल
लारंगनैंन ४१६ वार्ता मोगरादिमैंबि
यअरथचंपकादिकिमिनांहि उपमा
श्लेषउपमाबिधिहैइहांदिषईकविता
मांहिं वार्ता श्लेषालंकार औरनुप्रा
सांश्लेषसंकरसुध दोहा नएबटाऊ
नेहतजिबादिबकतबेकाज अबअ
लिदेतउरांहनौंउरउपजतअतिलाज
४१७ वार्ता अतिसबूयौबटाऊऔर
नेहतज्यौसोएनेहतजिकैबटाऊभए
गोपीनिकोबचनउद्धवप्रतियहअर्थ

हेअलि काव्यलिंगालंकारहै लाजउरां
हनदेतजिहिंकरतसमर्थनएदि यहउ
बटाऊसहूहैकाव्यलिंगगुनगेहि दोहा
सुनरमस्यौतुवगुनकननिपचयोकुब
तकुचाल क्यौंधौंदाम्यौलौंहियोदरक
तनांहिनलाल ४१८ विसेषोक्तिहै वि
सेषोक्तिजहांहेतुसबकारजसिद्धनहोइ
हियदरकनकेहेतबड्पैनहिंदरकत
सोइ दोहा आजकछुऔरैभएनएठए
बिकुवैंन चितकेहितकेचुगलएनितके
होयतनैंन ४१९ वार्ता अलंकारभेद
कातिसयोक्तअरुछेकानुप्रासहै दोहा
फिरतजुअटकतकटिनिबिनुरसिक
सुरसिनखियाल अनतअनतनितनि
तहितनकतसकुचावतलाल ४२०
वार्ता लोकरीतिजहांकहतिहै सति सो

षियालनदी यक्षलोकोक्ति दोहा जोति
यंतुमभनभावती राषीहियेबसाय मोहि
षिजावतिदृगनिकैवदईउफकतिआय
४२१ लुप्तोपमा अपनीइछामैंकरति
नरकूकिवहईबोम मनुजनुपदकेलोप
तैंलुप्तजोनिदृहनांम दोहा मोहिकर
तकितबाउरीकरैंआवडरैन कहैदेति
रंगरातिकोरंगनिचुरतसेनैंन ४२२ वा
र्ता काव्यलिंगअलंकारहै रंगनिचुरत
सेनैंननिरंगरातिकोदृढकियो दोहा
पटसोंपोंछिपरीकरोषरीनयानकजेय
नागनिकैलागतिदृगनिनागबेलिरंग
रेष ४२३ वार्ता लुप्तोत्प्रेक्षाजनुनाग
निलगेहैनैननि दोहा ससिबदनीमो
सोंकहतहौंसमुझीनिजबात नैनन
जिनपियपावरेन्यायनिरषिनैंजात २४

वार्ता अलंकारपरिकुरांकुरससिबदनी
साभिप्रायविसेष दोहा उरतिननिघर
घर्यौंदियैंऐरावरीकुचाल बिसुसीला
गतिहैक्षुरीहसाबिसीकीलाल ४२५ वा
र्ता षगोपमांहसीबिसुसीक्षुरीनिघरघर
यौदिवई दोहा बिलषीलषैंषरीषरीन
रीअनषवेराग मृगनैंनीसैंननिननेल
षिबैंनीकेदाग ४२६ वार्ता षरीनाटीष
रीअति अतिकोअभिप्रायकहा अनष
अरुबेराग काव्यलिंगहै सेजनअबो
ताहिबेनीकेदागनिदृढकियो दोहा
जिहिंनांषिनिनूषनरच्यो चरनमहाउ
रमाल उहीमनोंअपियारंगीओवनि
केरंगलाल ४२७ वस्तूत्प्रेक्षा असंग
तिइजी सुअसंगतिथलऔरकौकाज
औरथलहोय चरनमहाउरनालमैंअध

१०। ९९ रंगदिगजोय मानवर्नन दोहा चितव
निक्षेहगिनिकी होमी बिनुमुसकांनि
मानजनायोमाननीजांनिलियौपियजां
नि ४२८ वार्ता जांनचतुरकोअर्थनो यु
हांचातुरीकौन मानलछिनतौप्रगटहै
सषीसषीबचनोन उत्तर छंद सषीक
हीतजांनि तुकमतुधमुसिकांनि अ
लंकारलाटानुप्रास जांनजांनतातपर्य
भिन्न दोहा रसकीसीक्षसासिमुषीह
सिहसिबोलतिबैन गूढमानमनक्यौं
रहैनएबूढरंगनेन ४२९ काव्यलिंग
धर्मबाचकेलुप्ता गूढमानदिषयोसुबि
नबूढरंगकोकर्म काव्यलिंगरंगबूढह
गलुप्ताबाचकधर्म दोहा पतिरितुऔ
गुनगुनबढतमानमाहकौसीत जाति
कविनकेप्रतिमृदा रमनीमननवनीत

४३० प्रथम सोरठा सुक्रियामननवनी
तकविनहोतिपैअतिनदी उत्तर यहेअ
र्थकीरीत अतिकोमलयैकेकविन पुनः
प्रश्न छंद सुक्रियाकेसंजानि पतिहिंस
हपरिमांनि बिधिक्रमालंकार पतिऔ
गुनरितकेगुननि बढतमानहसीत
होतमानतैंमनकविन हिमतैंक्षेनवनी
त वार्ता द्दष्टांतालंकारकहै जैसैंसी
ततैंनवनीतअभिप्रायपह दोहा सुंद
रिवासहगत्रीकनेनौंहैंसरलसुभाय
तेऊघरेआदरूपरोबिनबिनहियोस
काय ४३१ बिभावनोपर्यायबली कारज
होयबिरुद्धतेसुबिमांवनकबिराज आ
दरतैंसंक्यानहीं इहांबिरुद्धतैंकाज दो
हा कपटसततनौंहैंकरीमुषसतोंहैं।
बैंन सलजहसौंहैंजानिकरिसौंहैंकरे। 10

तिनतैंन ४३१ वात छेकानुप्रासजैं।
हैंरोहैं सौंहैंसौंहैंजमक दोहा सोवत।
लषिमनमांनधरि हिगसोयोपियआइ
रहीसुपनकीमिलनमिलि त्रियहियसों
लपटाय ४३३ पर्यायोक्तिछंद सुपन
मिलनमिसधापि इष्टसिद्धकियनारि
दोहा दोऊअधिकाईभरे एकैंगौंगहरा
य कौंनमनावैकोमनैमांनैंमतवहराय
४३४ वार्ता दोऊंनिकोरूपगर्बअरु
परसपरकोप्रेमगर्ब हंयतिमांन काव्य
लिंगसमर्थता दोऊगौरहटहै दोहा
गयोअबोलोबोलिप्यो आपेपववसी
व दीवदुराईदुऊंनिकीलषिसकुचौंहीं
दीव ४३५ वात यादोहामैंअलंकार२
कियेविषमधर्योहैसोनांही इष्टहि
मनुअनिष्टफलजांनलषनइहैंमांहि

काव्यकविजुविषमधर्योअलंकारसोनां
हि १ सुलौंइष्टआयोपियालेजातीग्र
निचोर नोहोतीसुअनिष्टतासुतोनकवि
सिरमोर अमितालंकारहै अमितसाध
नैजोगवैसाधकसिद्धिप्रवीन तियसाध
कपियसुरतसिधिसषिसाधनतिहिली
न मांननिकोसषीवचन दोहा धरीयात
रीकौंन्हकीकौंनवसाऊंवांनि आकेक
लीनरलीकैरै अलीअलीजियजांनि
४३६ वार्ता छेकानुप्रासअरुजमकहै
कलीरलीछेक अलीअलीजमक दोहा
मांनकरतिबरजतिनहं उलटिदिवाव
तसौंह कारीरिसौंहीजांन्हिगी सहजहसौं
हीसौंह ४३७ वार्ता काकोक्तिकरी रि
सौंहीजांनिगीइहांछेकानुप्रासहहै हो
दोहा रूपरूषीमिसरोषमुष कहतअषौं

१० १११ हैवेंन रूपकैसेंहोतए नेहवीकनेनेंन ४
३८ बात चीकनेपदनैंहढकियो रूप
लिंगरूपकैसेंहोयतहां दोहा सोंहैं सं
चाल्योननैंकेतीघाईसोंह एहोक्यौंबेवी
कियेच्चैंवीच्वैंवीजोंह ४३९ हसानुप्रास
दोहा हसिहसायउरलायउठिकहति
रूषौंबहैंबेंन जकितथकितह्वैकितर
हीसकतितिरीछैनैंन ४४० हसानुप्रास
दोहा लपोसुमनकेहेसुफलत्र्प्रातपरो
सनिवारि बारीबारीत्र्प्रापनीसींचिसुह
दिताबारि ४४१ बार्ता श्लेषत्र्प्रनित्र्प्रार्थ
भिन्नपदमिश्रत दोहा विधिविधिके
निकरैटरैनहीपरेकंपांनु चितकिते
नैंलैधस्योग्ततोइतेतनुमांनु ४४२ त्र्प्रधि
कालंकार त्र्प्रधिकजहांत्र्प्राधारतेंत्र्प्रा
धियबरुदरसाय छोरैतनमैंमांनबरु

कहांधस्योइहत्र्प्राव दोहा नोरसराच्योत्र्प्रां
नवसरूस्योकुटिलमतिकूर जीमनिबो
रीक्योंलगीबोरीचाषित्र्प्रंगूर ४४३ त्र्प्रर्था
तरन्यास कह्योत्र्प्रर्थजहांपोषियेत्र्प्रौर
त्र्प्रर्थसोंलाय त्र्प्रर्थांतरकोन्यासत्र्प्रोस्वा
दत्र्प्रंगूरसजताय दोहा ऐरीयहतेरीदई
क्योंहूंप्रकतिनजाय नेहभरेहियराषि
येतरूषीयेलषाय ४४४ त्र्प्रतदगुना
लंकार संगतिहूलहियतनगुन सुत्र्प्र
तदगुनविधिमांहि नेहभरेहियमैंरहै
होतचीकनींनांहि दोहा गहलीगरब
नकीजीयेसमैंसुहागहिंपाय जियकी
जीवनजेवसोंमाहनछोहसुहाय ४४५
त्र्प्रर्थ तोसोंलगनिसुजेवतेंतूंपीयछोह
समांन सोतिलगनिजिमिमादतत्र्प्रो
रेषकतिसुजांन दृष्टांतजैसेंमाहमेंछांह

दोहा हाहाबदनउघारिदृग सफलकरौस
बकोय राजसरोजनिकैंपरै हँसीससीकी।
होय ४४६ प्रश्न कौनसमयसषिकहै।
तिहैजो निसितौनसरोज जौदिनतौसति
नाहिनैं समयधस्योकविकोउ ४४ जो।
संध्याकोऊकहैतहांनससिबरजोति बि
तुछबिवारेकीहसीनईकहाजोहोति उ
त्तर कहेहहांउपमानकेसमफिलेऊउ
पमेय रूपकातिसयउक्तियहअलंका
रहंनेय १ ज्योंकंजनतेंछुटतसरकलो
कबिनुपरबीन दृगतेंछुटतकटाछिको
अर्थसमुझिचितलीन १ तैसेंइहांसरो
जतेंनैंनसमुझियेचित्त ससितेंमुषतहां
अर्थयहजानऊकबिबरमित्र १ कम
लनैनैंजुकहावईरोजपरैतिनिश्रह्ने जे
ससिमुषतिनिकेजुमुषतिनकीहसीसुल

हे सोरठा जोवेकमलनयननिश्रव
रससिबदनीयहकौंन उत्तर यामैंदोऊ
गुनकमलनैंनससिमुषीलौंनखबर प्र
श्न जोदोऊगुनतुमकुमैंनोयकौंनसद्रू
प उत्तर तहांकहियेयहअधिकताजो।
नीछबिमुअनूप सोरठा ज्योंसुभटहिं
कहिकोय यहलषिनाजेसुभटनर तौक
हमतुषनसोय यामैंयहसुबतेंसुबर वा
तो अलषरूपकातिसयोक्तिहै सवैक्ति
मांनमैंसषीबिचननायकासों दोहा क
हालेक्षगेषेलपैंनजोअटपटीबात नैं
कहसोंहीहैंनईहैंसोंहैंषात ४४७
प्रश्न वातो अटपटीबातकहा उत्तर
नायकदोषनिवारनकेहेत सांचीबात
अपराधकीकहेहै सोऊसषीउह्मिमांडु
रावतहै जुकाहूकोंफूवैंबिजावतिहो है

५३ कुव्यलंकार हेतसोकारनसहितजहांकार
२८ जबरनियें सोहेंषेबोकारन हसौंहीजोहें
कारज दोहा सकुचिनरहीयेस्यांमसुंनि
पसतरोहैं बैन देतरचौंहेचितकहें नेहन
चौंहैं नैंन ४४८ वार्ता काव्यलिंगअलं
कारहे रचौंहेंचितकोंनचौंहैं नैंनदिढस
मर्थनाकियौ दोहा चलोचलैंछुटिजा
यगौ हवरावरैंसकोच परेचढाएहेतिअ
बन्याएलोचनलोच ४४९ प्रश्न वार्ता
चलोचलैंपुनिकहैं उत्तर अर्थ विधि
चलोसषीवचनचलैंछुटिजायगो
नायकवचन फेरसवेंसषीवचन का
व्यलिंगहै हवछुटिजेहैं ताकोलोचनैं
दृढकियौ दोहा अनरसकरसपाईये
रसिकरसालीपास जैसेंसौवेकीकानि
न गांयौलवीनिवास ४५० वार्ता दृष्टां

तास्यलंकारहै सांटेकोदृष्टांत प्रश्न मां
ठिमैंरसकहांजहांगौवितहांरसनहीं वा
र्ता काव्यकोकिसबदोहामेंहै दोहा क्यों
हूंसहबातनलगे थाकेभेदउपाय हव
दृढगढगढवैसुचलि लीजैसुरंगलगाय
४५१ वार्ता रूपकहवगढको सुरंगयदेस
लेषकहै दोहा चाहीनिसितेनांमिश्री
मांनकलहकोमूल भलेपधारेयाऊंनैं
केगुलहरकोफूल ४५२ प्रश्न नाय
कवचनप्रियाहिंप्रति भलेंआयहहगे
ह घरनीमांनवतीकरी क्रियाजतायस
नेह दोहोअर्थ प्रश्नवें इनेव्याहको
आयचलाईबात तबतेंमांनवतीरहै
नायकवचनदियात वार्ताप्रश्न सषी
वचनायकसों मांनेनवानिसतेंमिश्री
जुनिसकलहकोमूल बजारियधारेक 114

१० ११५ लहकौं केगुमहरकेफल वार्ता वानिस
जानिसिआवनकहिगये और रहेअन
त तातेंवहनिस कलहकौमूल आएतो
अपराधसहितआए गुमहरकेफलसके
कोऊकहेनिसकलहकोमूलकैसें क
लहकीमूलकहीचहिये तौजोजडहो।
तीताकीसहहोतो सांमूलसहहै ज
थावृक्षकोमूल वृक्षकीजड बावकलु
ष्ठोप्यो पाऊनोंगुमहरफूल कलहकु
तसकोलोपहे दोहा आएअोफुनली।
करीमेटनमानमरोर हरिकरौवहदेषि
है छलाछियुनीयांछोर ५५३ वार्ता
विषमअलंकार है इष्टउदिमतेंअनि
ष्टरसचाहतकेहै बिरसमांनमनाइवौ
दोहा हमवारीकेकेहहा पायनुपा।
स्योपेरू लेकुकहाअजकैकिएतेहत

रेरेसोरू ५५४ विसेषोक्ति हेतुसबका
जनहोइ दोहा लषिगुरुजनबिचकम
लसोंसीसछुवायोस्यांम हरिसनमुषक
रिआरसी हियेलगाईबाम ५५५ मुद्र
ालंकार किरूंमो तिसोंजांनिये जि
युकीनछिमगात अलंकारसोईहां
दंपतिसमुकेआत १ कमलजुपगति।
हिनायसिर प्रणतिजताईस्यांम लेप्र
तिबिंबकहौमिलन आरसिजुतिनिस
बाम वार्ता काचकौरूपस्यामयातैंनि।
सिजताई दोहा मननमनावनकौंकरे
देतरुवायरुवाइ कौतिगलाग्योपियु
पिया षिजैंरिझवतजाय ५५६ वार्ता
पांचवीविनोवनोविरुद्धसैंकाजहोय
बीजतैरीझ दोहा सकतनवुवतातेव
चनमोरसकौरसषोय मिनमिनओटै

११५ षीरलौंषरौसवादिलहोय ४५७ वार्ता
२८ प्रणीप्रतिरसषीरलैऔटै दोहा परैअद
बढ्वलाहवीउरउपजावतित्रास डस
हसैंकबिसकीकरैजैसेंसोंगमिग्रास ४
५८ विनोवनाहर्षांत त्रासअदवतैंबि
रुदयह हैबिनोवनोजानि जैसेंसोबि
मिग्रासयहदृष्टांतहियहिचानि दोहा
रातिदिवसहैहांसैंरहै माननविकुवहरा
य जेतौऔगुनदूढियेगुनैंहाथपरिजा
य ४५९ प्रश्न बनेंनतियअनकुलकी
औगुनगुनदूटतबात औगुनजामेंदेन
हीसोअनकूल विष्यात उत्तर वा
र्ता निजसषीकेबचनसषीसोंनायकके
औगुनहमदूढतिहैं मानकरायबेकों
सोनायकमैंपई यहतुमोहीं अलंकार
विषमाहै १ औगुनदूटतइष्टहैतरअ

वनगुनहाथ यातैंविषमदुतीयहैजानौंसु
कविसुनाथ दोहा मतरसौंहम्पेवचन
करतिकविनमनुतीनि कहाकरौंकेजा
तहरिहैरिहसौंहीदीठि ४६० वार्ता तीस
रीविनोवनावाधकछतकी मतरसौंहत्या
दिबाधकसबहै हसौंहादीठहोतरहै
दोहा देहेंनिगोडेनैनए गहेनचेतनअ
चेत हौंकमकैंरिसकैंकरौंएनिरषेंहर
सिदेत ४६१ विनोवनौहै हसिदैबौका
येहोतहीहै दोहा तोहींकौंछुटिमानगो
देषतहीब्रजराज रह्योघरिकलौंमानसौ
मानकीयेकीलाज ४६२ प्रश्न वार्ता
सांमानसौरहिनचाहियै माननीसीया
मानवतीसाचाहिये उत्तर घरीकमान
कीसी कहियेंलौंभारही १ मैंजान्यौंअ
तुमानचेतोहीछुटिगौमान मोनारहीघ

116

११६ रीकलौमांनकियेकीकांन दोहा तुछ
२० कहतिहौंआपकौसमुझतिसबेसयांन
लषिमोहनजोमनरहै तोमनराषोमांन
७६२ छंद अलंकारविसेषोक्तिसंभाव
नाहै हेतसयानउदोत मनरहकाजनहो
त जौतोपदजहांहोय संभावनहैसोय
दोहा मोहिलजावततिलजएकुलसि
मिलैसबगात जौनउदैकौ औसलौंमां
नतजांमोजात ७६४ वार्ता मणोपमा
नऔसलौंजात दोहा षिचेमांनअपरा
धतैंचलिगोबुढैअर्चेन जुरतदीवतजि
रिसषिसीहसेउकौंनिकैनैंन ७६५ प्र
हर्षनहै इष्टसिद्धजहांबिनुजतन सु
प्रहरषनपरतिछ बिनुउपायतसनी
मनीसहजैंजोफल इष्ट विषलच्छ्या
दोहा नंनलालीवालीनिसा चटकी

लीफैनिकीन रतिपालीआलीअनत
आऐबनमालीन ७६६ वार्ता हरषनु
प्रासहै अनुप्रासवक्रवार हरषनुप्रास
बिचार धवबर्नन दोहा दछिनपिय
केबांमवसबिसराईतियआंन ऐकैं
बासुरकेबिरहलागेबरसबिहांन ७
६७ प्रश्न कैसैंइहदछिनकहे वक्रतजि
इकबसिहोय उत्तर दछिनपदबांम
हिलगौतोनप्रश्नइहांकोप छिनापर्व
सषिसबिबचपददछनहि जिनबिस
राईबांम कैसीजिनकौंछिनबरससम
बीततनिजधांम प्रश्न आंनतियनके
विरहकौबरननथलननलषाय उत्तर
पियहिबिरहवाबांमकेबसदिनबर
सबितय वार्ता यातैंदछिननहीकौं 117
छिपरकियाबसिऐसैसोनयोसोदिनर

१९७ कोंमिलनौंनहीहोतिहै सोदिनयाकौंबर
ससमबिहातहै काव्यलिंगबसिकैबो
बासुरकेबिरहनेंहटकियो तितीमत्र
पै गोपिनकौबचन उद्धवप्रतिउपालंभ
एऐसेदछिनहेजुएककुबज्याकेबसकै
कैं अनेकतियनकौंबिसराई जिनकौं
एकबासुराबिरहकरिबरससमबिहात
है बांमसखकुटिल सोकुबज्या दोहा
आपुदियोमनफेरिलैपलटेदीनीपी
ठ कौंनचालयहरावरीलालनलुकाव
तदीठ ४६८ विभावनालंकार जहांब
हनैकछुदीजीये बिनयकहियेसो।
य सोमनलेपलटेंदई पीठलपनयौं
जोय दोहा मोहिदियोमेरोभयो रहत
जुजियमिलसाथ सोमनबांधिनसौंपि
येपियसोतिनुकेहाथ ४६९ वार्ता

तुम्हारोमनतोमहीगयोवाहैपरिकाक्
केकहेतेंकस्त्रबांधिनदीजे क्योंकिमेरो
हैचुक्योहै काव्यलिंगहै मेरोजयोमो
साथिरहेयहसांमर्थतादिढकरी दोहा
मास्यौमनहारिननईगास्योषरीमिठां
हि वाकोअतिअनघाहटोमुसकाहट
बिनुनांहि ४७० वार्ता क्रियाक्रियार
बिरोधहै मारिबोक्रिया सोमनुहारि
क्रीयासोविरोधक्रियाक्रियाविरोधल
यो दोहा बियसौतिनुदेषतदई अप
नैंहियतेंलाल फिरतिमहमहीसबनि
मेंउहीमरगजीमाल ४७१ वार्ता पोच
वीविभावनोबिरुद्धकार्यकी [illegible] मा
लमरगजीनेंइहिंबिन महमहीतिका
रजोभिन्न दोहा बालमबारेसौति
कैंसुनिपरनारिबिहार औरसअनर 118

२०। सरिसरलीरीझबीजइकबार ४७२ अथ्यो
पियनैंबारसोतिकेकियपरनारिविहार
रहसुनिरीझीबीजकनईएकहीबार १ री
झइहीसोतिहिंदयोदुष्पनलोयहमैंतिनि
बीजीआए क्योंनहीं अरुपरिहैयहबा
ति अथ औरसअनरसतीयकेलषिपि
यकीयहजुक्ति फेरिरिसरलीरीझअद
बीजसुहैपुनिकके अपर तियसुंनिकैं
चितरसकरी तहांकहतसषिबैंन और
सकरतैंअनरसैं पियतौरसकियएैंन
१ तोहिरिझावनकाजकियकैसौका
जसुचारु जेरिसरलीसुषीजातिनि हो
तरीझइकबारु वातो सोतिकेबारेपर
नारिबिहारकीयो सोसषीकाकोक्तिक
रकहतिहै अनोरसअनरस तोसोंतोप्री
तिहैपरयहबातसुनिजेनायकारिसमें

रलिरहीहैतिनकोबीजकरीझकाईचहियै
एकबारतौ औरअर्थ वारेपियकोंसोति
कैंसुनिबिहारपरनारि जोसुषमैंदुषसो
सुवैसिषेसुतयुंनवारि १ क्योंकिजेतिया
रिसरलीप्रतिसमंधकरतार तिनकेतौ
हैबीजमैंरीझहोतइकबार वातो समंध
करतार समंधकेकरवनहारे तिनपर
बीजहोतिहै ऐसो बरक्योंकह्यो फेरि
पुरषारथदेषिरीझहोय बरकीअन
मता बिचारिकैं काकोक्तिदीपकालंकार
प्रथमअर्थमेंकाकोक्ति औरसअनरस
दीपकबर्नेअबनेसोइकपदलागेजाम
औयहपदरसअनरसैंरीझबीजमेंपाय
बोहा सुघरसोतिबसपियसुननदुलह
निउगुनकुलास लषीसषीतनदीनकरि
सगरबसलजसहास ४७४ अथ उभु

११८ नकुलासरहोगारबलाजलासन्रयनेत उ
१८। सरगरबलजगुनबयहितैं मुसकनिसहि
तउदोत १ कुलहनिनोतनगुंनसहितयह
ईउगुंनकुलास सोतिबिषैगुंनहीसुंन्यों
वयगुनहीपरकास वार्ता बिनांवनाबि
फहकाजेकीपियकौंबसिबुनतकुलास
उपजे दोहा हवहितकरप्रीतमलियो
कीयोजुसोतिसिंगार अपनेकरमोति
नुगुहौनयोहराहरहार ४७४ छंद अ
लंकारआघात सुषदउषदकैजात अ
पनैंगुस्योसुहार सुषदउषदस्नोबार
दोहा बिसुन्यौजावकसोतिपगनिराषि
हसाहिगांस सलजहसोंहीलषिल
यो अष्वीहसीउसास ४७५ वार्ता विष
मालंकारजिनीयलछन उषतैंअनिष्ट
होयसोतिपगकोजावकबियस्योकर

ताईसहितयह उषहै फिरिजबसोतिकों
सलजदेषीतबजांनीकिनायकनैंलगायो
है तबअलगीनई अनिष्टताप्रापतिभई
दोहा बाढततोउरउरजभरफनफतफन।
ईबिकास बोजनसोतिनुकेहियेआव।
निदधीउसास ४७६ अनंगानिअलंकार
प्रोसनिवर्तनं दोहा दीवपरोसनिई
वकेकहेसुगहेसयांन सबेसंदेसेकहि
कह्योमुसकाहटमेंमांन ४७७ वार्ता
याकीअर्थनिधिकविनहैताकोनिर्बाह
अमिकीबारता यापरोसनिसोंककनाा
यकमुसकायोहोसोदेषिनायकानेंमां
नकीयो तहांउहीपरोसनिनायककेस।
मलसोंमोनछुटायबेकोंआई तहांया
कीढीवताह इभई फेरइवनायकाकी
केकैंसबसंदेसेनायककेनिरअपराधता 120

१ १२७

१८ को कहिकैं फेरि काकोक्तिकरियह कह्यौ री
मुसकाहटमैं मान परस्त्रीगोप्यसंताषन
अथ वारतिचिन्ह देषि मान करनौं मुस
काहट देषि मान न कीजै नहां को ऊकहै
मुसकाहटतैं यौं सहूचहिये मुसकाहटमैं
नचहिये तहां सहूकी दोऊरीतहै जैसैं
हास्यतें बुरौ न मानिये हास्यमैं बुरौ न मा
निये यामैं अर्थ एक है अलंकार काको
क्ति अरु काव्यलिंग संदेसे कहिबे मैं दी
वताछि नई दोहा चलत दैत आभार
सुनि उहीं परोसहि नाह लसी तमासे की
हगनिहांसी आंसुनि माह ४७८ अ अ
जहां परोसी सो लगनि तिहीं दयो पति
नार घरको चलत बिदेस सुनि लसी ह
सी हगवार प्रहर्षनालंकार इष्टसिद्ध
य बिन जतन इति वार्ता और पर्याय

रु है ताकौ लछन इकसे अनेक को बास
हगनि मैं हांसी अरु आंसु दोहा छलाप
रोसनि हाथतैं छल करि लियो पिछांनि
पियहि दिषायो लषि बिलषि रिस सूच
क मुसकानि ४७९ पर्यायोक्ति और छ
लकरि साधियइष्ट पर्यायोक्ति बसिष्ट
बिदेसगमन दोहा रहिहै चंचल प्रान
ए कहि कौंन की अगोट ललन चलन
की चित धरी कलन पलन की ओट ४८०
वार्ता ह्यानुआस मरण मैं पककाको
क्तिकरि दोहा स समास सुनि सषि निपै
सांई चलत सवार गहि करबीन प्रबीन
तिय राग्यो रागमलार ४८१ उपयाषेपा
कीजे काज निबेदजहं कौ अषेपसु
बीन कियनिषेधपियगमनकौ उहि 121
उपाय परबीन दोहा ललन चलन सु

१२१

१०। निचुपरहीबोलीआपनईव राख्यौगहि
गह्यौगयौमनौंगलगलीदीव ४८७ वा
र्ता उत्प्रेक्षाहै मनौंगलगलीदीवनैंगा
ढौगहिराख्यौ दोहा बिलषीप्रेमकौंहै
चषनितियलषिगवनआय पियग
हबरआयोगरैंराषीगरैंलगाय ४८८
वार्ता लाटानुप्रासहै गरैंगरैंतात्पर्य
भिन्नहै दोहा चलतचलतलौंलेच
लेसबसुषसंगलगाय ग्रीषमबास
रससिरनिसि प्यौमोपासबसाय ४८९
वार्ता ग्रीषमकेदिनसिसिरकीनिस
मोपासबसाइ सोनिंदतहैनेकविनि
प्रश्न रात्रदिनबदेकहेतामैंतौकछु
कविनताहीसोवर्ननकीजेकछुउला
केरात्रदिनकहेनांही उत्तर सोरठा
सुषसंगलेगोमीत तीयदहांउषिया

रही उन्मादिवमानिसिसीत दुषितनकौं
भारीप्रसिद्ध वार्ता तुल्योत्प्रेक्षा मनौंदि
नग्रीषमकोहै दोहा अजौंनआएसहि
जरंगबिरहज्वरेगात अबहीकहाच
लाईयत ललनचलनकीबात ४९०
वार्ता नायकावचनआक्षेपगम
ननिषेधकीयो अपनीअधीरतादिषा
ई जोनायकानायककौंकहैजोतुम्हारे
सरीरकौरंगज्वरआयोहै अरुमेरेबि
रहकरिछीनताज्वरगाई तौउआक्षेप
अरुजोसषीदोनौंकीअवस्थाकहैहै
अलंकारछेकानुप्रास ललनचलन
ह्जौउत्तरालंकारकहै उत्तरतेजहो।
प्रश्नसमुझिबे दोहा ललनचलनसु
निपलनमेंअंसुवाझलकेआय भईल
षायनिसषिनिकेंझूवैंहीजमुहाय ४९१

१२२ थाजोलिंग उरदैजहांआकारकौंथ्याजो कति
पहिचानि अंसुवालयेउराय कैं इहांलुमि
सजमुहानि सामान्यपरकीया दोहा बां
मातांभाकांमिनी कहिबोलैप्रानेस प्या
रीकहतबिमानननहिं यावसचुलत्तबिदेस
६८७ वार्ता बांमानांभाकामिनी ऐस्त्री
केसाधारननांमहे कछुप्रियनदीएनांम
लेऊ प्यारीक्यौंकहियै प्यारीकादेकी
जाकौंछाडिचलियै बिचित्रालंकार है
१ सोबिचित्रजहांजतननैंइछाफलबि
परीत १ जतनकरौबिछुरनकौ इछा
प्यारीनांमसथापनुकी दोहा बाहन
रीअतिरसभरीबिरहभरीसबबात कौ
रिसंदेसेऊंनिकेचलेपौरिलौंजात ४
५५ लाटानुप्रासभरीभरीपद दोहा मि
लिचलिचलिमिलिमिलिचलत अंगन

नांग्रथयोसांन नयोमक्तरनमोरकौपो
रीप्रथममिलौन ६८८ वार्ता मिलचल
कैंचलकैंचलनकछु यकचलकैंफिरिमि
लतपनौसंभवै प्रसंग सातीनबारक्यौंक
ह्यौ उत्तर एकमिलिचलतकौअर्थसंग
कैकैंचलिबोलाटानुप्रास बिरहवर्नं॰
दोहा दुसहबिरहदारुनदसारह्यौन
औरउपाय जातजातजियराषियैपि
यकीबातसुनाय ६८९ वार्ता पियकी
अवधिप्रसंगकहिराषतधीरजमांहि
इतनैंदिनकहापीयकीबातचलाईनां
हि १ पियकीबातचलायबौयहीसुब
नौउपाय यहकहदुसहबिरहलखै
कहीबातसषिजाय १ सीतलजेउप
चारहैतिनहिंउपायनजोनि उपजही
पनसमुझगदकरतसुवहिरंगओनि
जाम पियसंदेसआवनकहनकीनेव 123

१२३ कृतउपाय अवपियकेसुरबोलकहिराष
तिआंनसुनाय पर्यायोक्तिअलंकार ७८
लकरिसाधे इष्टजहांपर्यायोक्तिविचारि
पियकीबांनीछलकिकैंराषतिआंनसु
नारि दोहा पलनिप्रगटिवकनीनिव
हिनहिंकपोलवहराय अंसुवायरिछ
तियोछिनक छितिछिनायछपिजाय
५५२ अप्रस्तुतअलंकार दोहा प्रजस्यो
आगिवियोगकीबह्यो विलोचननीर
आठौंजांमहियोरहै उन्यौनसासमसमी
र ५५२ पर्यायोक्तिअलंकार पर्यायो
क्तिचहैकह्योकहेसुरचनबनाय क
हीअवस्थाहायकीपेरचनांसोलाय
दोहा मैंलषिनारीग्यानकरिराख्यो
निरधारयह वहईरोगनिदांन वहैवै
दऔषदवहै ५५३ अस्य वहीरोग
वोपदवहेसोयहकैसेंहोय जोनाय
ककहियैतहांरोगवैनैंनहिंसोय १ रो
गजहांनिश्चैकियौ ताकौभिन्ननिदांन
वैदभिन्नऔषदसुभिन्नयाकेत्रयइक
जांन १ नारीमैंनिरधारकियबिरहेरो
गयहजांनि तहांसुअक्रूरसमद्दासु
नैंसुकहतवषांनि ५५४ वहीरोगकौ
हेतवहीरोगकौवैदजहां वहऔषद
चितचेतरोगसहित्रयवांलग्यौ १ यहां
नायककेविरहकोहेतवेदसुउपाय ग
वनकरनअदरेयअंगपरसलषोयह
नाय द्वितीयहेतुअलंकार हेतुहेतुमत
एककहे बरनहेतसुविवेक अनुकरा
छहीलछमीवेदऔषदीऐक दोहा
मरवेकोसाहसकिकैंबटीविरहकी
पीर दौरतिकेसमुहैससीसरसिजसुर 124
भिसमीर ५५५ अपे विरहअगनि

जुतजोभुवहैमरनइहचितधारि करति
जतनउलटौसुवद दौरतिससिहिंनिहा
रि बिचित्रालंकार है बिचित्रजहांजत
नतेंइछाफलविपरीत यति ससिआदि
कऐतपतिमेंजीवनदांनिसुजांनि यह
तिनतेंमरनौचहत यों बिचित्रपहचा
नि दोहा आंनआंनढिगआंनपतिमु
दितरहतदिनराति पलकंपितपुलक
तिपलकपलकपसीजतिजाति ४७५
संभवतअलंकार दोहा सकैसतायन
बिरहतम निसदिनसरससनेह रहे
बहैलागीहगनिदीपसिषासीदेह ४
७६ प्रश्न जहांनबिरहसंतावइतहां
नपूरनप्रीति पियकौंतौतियहियमि
टीपुरुषबिरहकीभीत जोकहिहोय
हसुभृततौसुमृतमैंनसुधिनाय सोतौ

लषियतबिरहहैपैनाहिंसकतसंताप उ
त्तर दीपसिषासीदेहनेहसहितहियमें
बसै देषौअक्षततएह बिरहतमहिंनसं
तावई बिसेषोक्तिहै बिसेषोक्ति दीप
कहैअक्षतमनहीजात दोहा बिरहन
रीलषिजीगनतु कहीसुबहकैबार अ
रीआवउभिजौतरीबरसतआजुअंगार
४७७ असंगतिअलंकारहै दोहा आरेप
रैनककैरहियो ऊरेपरेपरजार लावतधो
रगुलाबसौंमिलेमलेघनसार ४७८
प्रश्न बनैनहियोमरिजरेइकबचबऊ
नवचाहि उत्तर हियोप्रजारिघनौदि
तैंघरेजरेरहमचाहि प्रश्न हियोप्रजार
कचाहियै हियोप्रजारबनैन उत्तर उ
रैसुवपालककहै नुवपालऊयोबैन
वानी बिषमइहजुहैसीतलता ताकौ

१२५ उहिम उस्नताअनिष्टहोतिहै दोहा कहे
जुबचनवियोगिनी बिरहबिकलअकु
लाय कियेनकोअंसुवासहितसुवाति
बोलसुनाय ५८५ बातो हेतुअलंका
र कारजसहितकारनसोहेतु सुवाके
बोलकारन अंसुवाकेबोकारज काको
किस्कहे दोहा सीरेजतननिससिर
रितुसाहिबिरहनितनताप बसिबेको
ग्रीष्मदिननिपरयोपरोसनिपाप ५८६
अत्युक्ति छंद जहांअतिसयताहोय
तहांअतिउक्तिसुजोय दोहा पियप्रा
ननिकीपारुष्करतजतनअतिआ
प जाकीउसहदसापूरैसौतिनकंसता
प ५८७ सबंधातिसयोक्ति सबंधाति
सयोक्तिजहांजोगअजोगहिदेत सो
बिनुनापअजोगपसोकरसोजोगइहहेत

दोहा आदिरेआलेबसनजानेकसकीस
ति साहसकिकैसनेहवसिसषीसवेहि
गजाति ५८८ अतिउक्ति दोहा इतआ
वतचलिजातउतचलीछसातकहाथ
चढीहिंडोरैसीरहेलगीउसासनिसाथ
५८९ उपमेयलुप्ता चढीहिंडोरैसीआव
तिजात सोरठा बिरहसुकाईदेह नेह
कियोअतिदहदहो जैसेंबरसेमेह ज
रैजवासोजोजमें ५९० उपमा जोजमिवा
ईक्योंकहौ बकुविधिअनहिमाहि सो
ऊबरषाकालमैं अवकीउतपतिनाहि
इजोपरम सांतोनियहीकोकहै नेह
देहइकजानि जौप्रजवासोबस्कलिनि
उपमाविषमसुमानि अपर औकोअ
येसुज्योइहांजीवसमुझियेचित्र ज्यो 126
मोहारकहतहैमोहारहिंजगमित्र

जुवरजवा सेकौजुजियसुवरजमनउहि
काल ऊपरतेंसवजुरतहेइह विधिग्र
पैरसाल १ क्योंकिदेहलषियुतजरत
नेहजुमननलषाय स्योंसुजवासेकीद
साद्रिष्टांतसुइहमाय उदाहरनअलंका
रहै दोहा ज्यौंबिजुरीजनुमेहग्रांनि इ
हीबिरहाधस्यौ आवोंआनअछेहहग
जुबरतबरसतरहत ५०५ वस्तुन्येत
छासहितबीजुरीजनुमेहबरषत दो
हा बिरहबिपतिदिनपरतहीतजेसु
षनिसवअंग रहिअबलौंबडुषोभए
चलाचलेजियसंग ५०६ वातो लुप्तो
त्प्रेछाहे मनोंबियतपरतमेंतजिगए
दोहा नएबिरहबढतीबिथा नईबि
कलजियबाल बिलषीदेषियरोसन्यो
हरषिहसीतिहिकाल ५०७ टीका ओर

हपतिकीप्रियकुंती बिलषीबकनिहारि उ
हीबिरहमैसौतिदुषलषिहरषीहसिनारि
१४७ सोतिसालकीग्रधिकईन्मूननयोप
तिप्रेमरसाभासइषनतदनि नहिसुकि
यनिकोनेम उत्तर बिछुरतमरिहोकह
हीसोसोचतिहीबाल सबग्रालीवाढी
लषें छिनछिनबिथाबिसाल १ चिन्ह
परोसनिइकलषेअबयहछाडतिदेह
सोबिलषीसुलषीकलंइनबिरहनिजु
तनेह १ तबजांनीजियमैंकिअबलह
नसुखनप्रेम बिलषीसषिमोमृसुलषि
तबहरषीजुतनेम १ देषिपरोसनिकी
बिलषि तियकीनों अनुमान मोमृत्यु
लषिबिलषीसुयहजोहितसिद्धप्रमा
न इहांअनुमानालंकारहे दोहा सु
ननपथिकमुहमाहनिसिलुवैचलीत

१ १२७ उहिंवांम बिनुहूकैंबिनुदीकहैं जियतबि
चारीबांम ५०८ अनुमानालंकार दोहा
छतोनेहकागदहियेभईलषाइनटांक
बिरहतचेंउघस्योसुअबसेकुंडकोसोआं
क ५०९ वार्त्ता स्वर्णपमानेह सेकुंडआंक
सोउघस्यो उन्मीलितलकीछायाहे दो
हा करकेमींदेकुसमलौं गईबिरहकुंभि
लाय सदासमीपनिसषिनिकीनीविपि
छांनीजाय ५१० वार्त्ता उपमेयलुप्ता मी
डेकुसमलौंकुंभिलाई दोहा लालतुम्हा
रेबिरहकीअगनिअनूपअपार सर
सैंबरसैंनीरक्षरक्षमिटेनझार ५११
प्रश्न वार्त्ता नीरक्षबरसैअक्षरक्षब
रसै यहबातएकहाहै औरमात्र जोनी
रबरसैंतैंसरसैतोवाहियेक्षरबरसैंअ
तिसरसैं ह्यांकह्योनीरबरसैंसरसै अ

क्षरसैंजारनमिटै उत्तर इहांबिरहागि
निकीअनूपताअपारतादिषाई अनूप
तातोइहकिसरसैंहैबरसैनीरक्षकैं अ
पारताइहकिक्षरकैंबरसैंतैंझारक्षनांही
मिटत पावकीक्रियावनांबिरुद्धतैंकार्य
दोहा याकेउरऔरैकछूलगीबिरहकी
लाय पजरैंनीरगुलाबकैंपियकीबात
बुझाय ५१२ प्रश्न अक्षततुईअगनि
ऊंमिकह्योवाहियेमांय पजरैजलतैंप
वनतैंबुझेसुअचिरजताय १ सद्गुला
बअधिकइहांपियपदअधिकाय
उत्तर जहांपजरतीअगनिजलपरेतुसीत
लहोय पैगुलाबमारैकछूपलवदअ
तिहिगहोय १ यातैंकह्योगुलाबपदज
अतैंसीतलजोय अगनिपवनतैंबढति
पैंपियकियपवनजुहोय १ तासोंअति 128

सिंवदेवुकैतिहितैंअविरजसोय सुदेवत
बिनावनाइहांकविरुद्धतैंकारजहोय वा
र्ता कोऊकहैपवनतैंसबअगनिकोंजी।
यहै उत्तर तौमंदपवनतैंकछुबढ़ावन
ही अधिकतैंबढ़वारिहैसोआयकहियै
दोहा मरीमरीकिटरीबिथा कहाषरीच
लिवाहि रहीकराहकराहअतिअबमु
षआहिनआहि ५१३ वार्ता इत्यनुप्रास
वीपसा जमकसंकरहै दोहा कामदप
रलिषननवननतकहतसंदेसलजात
कहिहैसबतेरोहियोमेरेजियकीबात
५१४ वार्ता श्रृंगाररससख्यालंकारहै
दोहा कहात्तयोजोबीछुरेमोपनतो।
मनसाथ उभीजातकित कगुमीतऊ
नावकहाथ ५१५ प्रश्न नायकचलत
बिदेसकौं गुनीबनतनहीसोय तियाउ

डायकनहिबनैंबिरुद्धकंपरजोय उ
त्तर पितुगेहाद्विलीतिया किकैंतसव
बिधिपाय तहांनायककेवचनहैनिराषि
कहतसमुझाय ५१६ प्रश्न साथतहांन
नदऊनिकै गुनीपह्लकोसाथ उत्तर त
हांलछनोंकरिलष्योगुनीसुत्रसंगहाथ
वार्ता गुनीनायकामहवमनउभावकुना
यकहाथमन दोऊमिलिरहेहैं दृष्टांत
अलंकारहै दोहा जबजबवेसुधिकीजि
येतबसबहीसुधिजांहिं आंषिनुआंष
लगीरहे आंषैलागतनांहि ५१७ प्रश्न
जबजबसुधिमैंकॅतिकढ़त कबऊकव
ऊसुधिहोति तोरसहतअरुव्यर्थपद बि
सरतिनहिदृगजोति उत्तर इहांपिया
बचगुंनकथन किऊंसषिसौंइहनाय
पियकेअंगअंगसुधिकरतबिरहबिथा।

१ १२८ अधिकाय १ परिजबवेसुधिकी जिये
आंषि लगे तब नाहि आंषें आंषि लगी
रहे और आंषें लागति नाहि दोहा
कौन सुनैं कासौं कहौं सुरति बिसारी नाह
बदाबदी ज्यौ लेत है ए बदरा बदराह १७
उमक बदरा बदरा दोहा औरै भांति
भए बए चौसर चंदन चंद पति बिनु अति
पारत्ति बिपति मारत मारुत मंद ५१८
प्रश्न वार्ता बिरह मैं चौसर चंदन को प्र
योजन नहीं इजिअति को प्रयोजन क
हा उत्तर रितु ग्रीषम मैं तहां बहिरंग स
षीकौं बिरह की षबरि नाही सो चौसर
चंदन ले आई है तहां नायका के बचन
अब और ही भांति भए अरु चंद मारुत
कौ निवारन करिबे कौं भीतर बैठीये तो
रितु दुष देत है अरु बाहिर ए दुष देत है

यातैं अति बिपति कही अलंकार भेद अ
तिसयोक्ति है औरैं पद तैं व्याघात सुषंडु २
षदन ए तातैं दोहा यह बिनसत न गरा
षि कै जगत ब मोज सलेक जरी बिषम जु
र जाइये आय सुदरसन देऊ ५१९ भ्रो
ष्ठालंकार है दोहा नित संसो हंसो बच
त मनो सुइह अनुमान बिरह अगनि ल
पटि न सकैं झपटन मीचु सिचांन ५२०
हेतु उत्प्रेक्षा दोहा करी बिरह ऐसी त ऊ
गैल न छाडत नीच दीनें हू चसमा चष
नि चाहे लहैं न मीच २१ अयुक्त दोहा
मरन भलो बरु बिरह तैं यह बिचार चित
जोय मरन मिटै दुष एक को बिरह दुहूं
दुष होय ५२२ प्रश्न सोरठा जो निज
मरन बिचार तो पिय दुषित कियो चहै 130
पिय हित अमंगल चार मरन कह्यो किंह कौ

चहै दोहा सतीहौंनकौंउदितपिय ता
केबचएजांनि अरीबिरहतैंमरनहीअ
तिहीश्रेष्ठतरआंनि १ मरनमिटैंमरिबौ
नफिरि क्योंकिअमरपदताहि औरमि
टैदुषएसषीसुषकौदुलअजुआहि वा
र्ता एककौयाकोअर्थए सषीजुहैजुसु
षताकौदुषुमिटैसुषनहीआपतहोतय
हीदुषहै दोहा बिरहमांहितौउक्तंनि
कौंदुष्षहोतजगमांहि एकमरनकौसु
षनिकौदुषसंगछाडतनांहि वार्ता
यहदोहाकरुनाबिरहमेंजांनियो बि
तरेकालंकारहै अथ यहांजुसबदोहा
निके स्वपनटारेजांनि सतीबचनसिं
गारमेंयहैअमंगलबांनि उत्तर वार्ता
बरकेबिरहसौंमरनजलौ क्योंकिबि
रहमेंजीवसरीरदोन्योंदुषीहै यातैंमरे

तैंसरीरकौंरंजियादिककौदुषमिटैगौ अ
रुजीवकौंमांनसिकदुषहैसरकहैंगेदुष
जीवसाथगयो दोहा नैंकुनफुरसीबि
रहझरनेहलताकुमिलात नितनितहो
तहरीहरीभरीझालरतिजात अथ दो
हा फुर[illegible]झरहितलतानैंकुनहीं
कुमिलात अत्रतैयहसुहरीभरी हैवि
सेषइहिष्याति वार्ता विसेषोक्तिहेतु
है कुमिलांनकार्य्यनहीहोत दोहा बि
कसतनवबल्लीकुसम निकसतपरिम
लपाय परंसिबजारतिबिरहहियबर
सिरहेकीबाय ५२४ हेतुअलंकारय
हबायजुहैयाहेततैंजारतिहै परमल
पायकैंसुगंधसहितहै दोहा औधाई
सीसीसुलषिबिरहबरनिबिलषात
बिचहीसूकिगुलाबगौछीडोंछुईनगात

१३१ ५२५ अनुक्तिअलंकार दोहा हौंहीबौरी
बिरहबसि कैबोरोसबगाव कहाजानियै
कहतहैं ससिहिसीतकरनाम ५२६ नामी
संदेहाअलंकारहै छंद हौंबौरीकेगांव
निश्चैनहिबै इहगांव दोहा सोवतजाग
तसुपनबसिरसरिसचैनकुचैन सुरति
स्यामघनकीसुरतिबिसरैंहूंबिसरैन
५२७ बिशेषोक्तिअलंकार होतुनका
रजहेतसब बिसेषोक्तिउद्योत सुधिजै
बोयहहेतनक सुरतिमूलिनहीहोत
दोहा सोरठा कौडाआंसूबूंद करसार
करबरूनीसजल कीनैंबदननिमूंद
हगमलगादौरेंरहत ५२८ रूपकहेरा
मलंगासौं दोहा जिहिनिदाघदुपहर
रहे भईमाघकीराति तिहिउसीरकी
रावटीषरीआवटीजाति ५२९ नाती
उसीरकीरावटीउद्दीपनहै तातैंषरीआवटी
जाति बिभावनांबिरूद्धकार्य्यकीउसीरतैं
तपतिकैबो दोहा नचौआंचअबबिरह
कीरह्यौप्रेमरसभीजि नैंननिकेमगजल
बहे हियोपसीजिपसीजि ५३० समासो
क्तिअलंकार समासोक्तिप्रस्तुतबिषै
अप्रस्तुतफिरआय बिरहमांहिअरक
हिंचुंवन रीतिजानिदरसाय दोहा स्याम
सुरतिकरिराधिकातकतितनजातीर
अंसुवनिकरततरोसको षिनकषरोहौ
नीर ५३१ प्रश्नेबात षिनेकफलनकौं
षारौकरैतहांबिरहम्पून उत्तर षिन
मैंषरौहौकरतिहै उह्नोसाअलंकार
दोषतैंदोषलयौ षारीतोषारीभयो
दोहा गोपिनुकेअंसुवनिभरीसदाअ
सोसअपार डगरडगरनैकैरहीबगर

बगरकेबार ५३३ हेतुग्रलंकार छंद हे
तसहितकारनजहांकाज ग्रांसहेतकाज
नैंसाजज दोहा बनबीथनिपिकबटप
रातकिबिरहनिमतिमैंन कुहुकुहु
करिकरिउवैकरिकरिरातेनैंन ५३३
रूपकबटपनासों दोहा दिसिदिसिकुस
मितदेषियेउपबनबिपनसमाज मन
हुबियोगनिकोकीयोसरपेजररितुरा
ज ५३४ बक्रनेछा दोहा हियेग्रो
रसीकेगईटरीग्रवधिकेनीम इजेंकरि
मारीषरीबोराछूरेग्रांम जेदकातिस
योंक ५३५ ग्रोरेपदतें दोहा ग्रोय
हग्रेसोईसमौजहांसुषदडुषदेत चै
तचांदकीचांदनीमारतकियेंग्रचेत ५
३६ ग्राघातग्रलंकार सुषडुषदके
जात सोकहियेग्राघात दोहा रसोकै

चिग्रंतनलहैग्रवधिडसासनबार ग्रा
लीबाढतबिरहजौंपंचालीकोचीर ३७
पर्यायहे बिरहपंचालीकोचीरज्यौं
ग्रंतनहीं दोहा गिनतीगनिबेतैंरहै
छतहूंग्रछतसमांन ग्रलिग्रबएति
थिग्रोंमलौंपरेरहोंतनज्ञांन ५३८ प
र्यायांग्रलंकार ज्ञांनतिथिग्रोंमलों
छतग्रछत दोहा जातमरीबिछुरीघरी
जलसफरीकीरीत छिनछिनहोतघ
रीघरीग्रनीजीयहभीत ५३९ प्रत्यु
त्तर छिनछिनहोतघरीघरीयाकौर
ग्रभिप्रायकहा उत्तरार्थनायकावचन
जलमाछीकीभीतिनीकीजाघरीपिछ
रैताघरीमरे वाकीतोयहरीतिहै ग्रद
युहप्रीतजरैजोछिनछिनघरीघरीहे
तिहै मछीमरिडषसोंछूटतिहै लाउ

१३३ षअधिकहै छेकानुप्रासबितरेकालंका
रहै दोहा मारसुमारकरीषरीअरीमरी
हिनमारि सींचिगुलाबघरीघरीअरीब
रीहिनबारि पक्षअमल हैपुनिकैतम
रीहिजिनिमारिबरीहिनबारि उत्तर
नहीवरिहिरंगसौनिजसषिबचनकिमो
हिनबारि अलंकारव्याघात अरुछेका
नुप्रासकहै सुषदुषदकेजात दोहा
बिरहबिथाजलपरसबिन बसियतु
मोजियताल कछुजानतजलथंभबि
धिदुरजोधनलौंलाल पक्ष वार्ता रू
पकबिथाजलहियताल भ्योयाला
लदुर्जोधनलौंजलथंभ दोहा सोवत
सुपनेस्यामघनहिलिमिलिहरतबि
योग तबहीटरिकितहूंगईनींदोनीं
दनजोग पक्ष विपरीतअलंकारहै

साधनबाधकसिद्धकौसोविपरीतजताय नीं
दमिलावनहारसौबाधकलईपलाय वा
र्तोकोवर्नन दोहा पियबिछुरनकौदुसह
दुषहरषजातप्योसार दुर्जोधनलौदेषि
यततजततुर्जानइहवार पक्ष वार्ता उप
माअलंकार दुर्जोधनलौंतजतिप्रान पानी
वर्नन दोहा बिरहबिकलबिनुहीलि
षीयहकबिकलसुजाय आकबिकनी
यौंसुचितसनेंबाचतजाय पक्ष अथ
बिकलपवाईबिनुलिषीयहकाबिकल
सुजाय चितसूनैंतियमनुलिषीयेसें
बांचतजाय भ्रांतिअलंकार सोरठा रंग
रातीरातेहियेंप्रीतमलिषीबनाय पाती
कातीबिरहकीछातीरहीलगाय पक्ष
वृत्यानुप्रासहै दोहा तरुफुनसीऊपर 134
गरीकंजलजलछिरकाय पियपातीबि

नुहीलिषीबांचीबिरहबलाय ५४६ अ
नुमानालंकार दोहा फरलैहमिबठाय
सिरठरलगायनुजभेटि लूहिपानीपिय
कीलषनिबांचतिधरतिसमेटि ५४७ प्र
मालंकारहै पीयागमबरनन दोहा मृग
नैनीहगकोफुरकमनउछाहतनफूल
बिनबिनहीपियआगमउमगिपलंट
नलगीडुकूल ५४८ अनुमानालंका
र दोहा बामबाहफरकतमिलैजोह
रिजीबनमूरि तौतोहीसोंभेटिहोंराषि
दाहिनीदूरि ५४९ बातौ संभो
बनालंकारहै जोयोतोयोंपदजहां
संभावनतहोजांनि इति दोहा कियो
सयांनीसषिनसोंनहिसयांनयहभूल
दुरैदुराईफूललोंक्योंपियआगमफू
ल ५५० बातौ प्रत्यक्षहै पियआगम

फलफूललौंनदुरैं दोहा आयोमीतबि
देसतैंकाहूकह्योपुकारि पुनिहुलसी
बिहसीहँसीदोऊदुहुनिनिहारि ५५१
प्रश्न सुनिकैंकोहुलसीअवर दोऊह
सीसुकौंन उत्तर हुलसीतोछतियांबि
हसि हंसवतीसीतौंन १ हसीडुओंअंषि
यांतहांपियबियआंबिनिहारि उत्तर त
हांप्रत्यक्षपियांनिमें छातियादिहनबि
चारि १ औरडुहुंनिकोदेषिबोअसमर
जससीबात कहाएकअंषिहुलसैंको
ऊसुनतबिष्यात उत्तर इहांलषिनाजि
हिनसोंमूरतिहीनिजनेह सुवहनिकट
बैठीहुतीसौंआयोमितगेह १ अनतरंग
किहूंबोलिकैंबचनसुनायेतासु यह
उनिजांनीयेनहीबहिरंगबेठीपासु १
तहांसुनितियहुलसीउर्दसुधिनरहै

वहिरंग इहइकसोइककहतहै लषिहो
ऊनिकोरंग १ अरीकिकआयौकस्यौमी
नपुकारिसुलेष सुनिऊलसीबिहसीहर
सी दोऊपरसपरदेषि १ तहांअभिप्राय
हिसुतौऊलसैबौउर्कमांहि वहतौऊल
सीमीतकौंआवनसुनितहिंमांहि १ यह
ऊलसीवहिरंगयौचोरीलहीसुआज ज
हांऊलासतहांबिहसिबौअंगनिमैंसुष
साज १ यौंदोऊबिहसीकही दसासु उ
निमुसिकाय बहिरंगतौलषिकैंहसी
सषीननेहछिपाय १ यहसुहसाहीव
तुरबऊअबलौंलषीनबात ऐसैंया।
बिधिग्रंथेकीरचनाबिधिसरसात वा
र्ता ऊलसोनितेमीलनीनजांनीयातेंअ
नुमानालंकारहै दोहा मलिनदहवेदे
वसनमलिनाबिरहकेरूप पियआगम

औरैंचदीआननओपअनूप ५५२ वार्ता
नेहकातिसयोक्तिऔरैंपदतैं दोहा काहि
पवईजियभांवतीपियआवनकीबात फू
लीआंगनमेंफिरैंआंगनआंगसमात ५३
वार्ता लोकोक्तिहै लोककहनिआंगनअ
आंगसमात दोहा रहेबरोठेमेंमिलत
पियप्रांननकेईस आवतआवतकीभ
ई बिधिकीघरीघरीस ५५४ वार्ता धर्म
बाचकलुप्ता घरीबिधिघरीभई दोहा
ऊदपितेजरोहालबल पलकौंलगीनबा
र तऊ ह्वैमोघरकौंभयौपैंकोसहजार
५५५ वार्ता ऐंकोनिकटस्थल बिसेषो
क्तिजरोहालकारनसौं घ्रताकाजनभयो
बिछुरेमिलनं दोहा बिछुरेजिएसंकोच
इहेंमुषतेंकहतबनैंन दोउदोरिलगोहि,
येंकिएनिचौहेंनैंन ५५६ वार्ता काव्यलि

है संकोचकौं निवाहै नैंन निडिठ समथैन
कियै दोहा ज्यौं ज्यौं पावकलपटसी तिय
हियसौं लपटाति त्यौं त्यौं छुही गुलाबकी
छतियां अति सियराति ५५७ बिनांवनो
बिरुद्ध कार्ज की पावकसौं गुलाबनैं छोही
सो सियरात फागुनवर्नन दोहा पाव दियै
हीनैं कसुरि करघूंघटपट टारि ज गुला
लकी मूंठि सों गई मूंठि सी मारि ५५८ बा
रौ गणेश्रो मूंठि मूंठि सी मारि दोहा
दियौ जु पियलखि चषनि मैं षेलत फाग
षियाल बाढत हू अति पीर सुंनि काढ
त बनत गुलाल ५५९ बक्र प्रश्नइहां
पियहाथ को हग मैं परयौ गुलाल बाढत
है अति पीर क्यौं अर्थ न होत रसाल १
जौ कहिहौ नजकन परैं पीर होति इहरीति
तहां इहै आधीन है मन के मन पीय प्रीति

यातैं पीर जु चषनि मैं बढिबौ कहन न जोग
और तहां अति सहज कौ कौन हेतसु प्रयोग
उत्तर नैंननि परत गुलाल तब पियकौ ल
षिबौ नांहि मूरति दृष्टन आवई इहीपीर
इहमांहि १ जैसें ह्यां अति अधिकपद
सौं लषि कू अधिकाय दियौ जु पियनैं च
षनि मैं सर्लं अर्थ कुकंनाय १ लषिबौ
भावसुनौं अबै जासौं रस सरसाय लषि
कौ अर्थ कियें सुअति अर्थ वक्र लगिजा
य १ पियनैं कहि लषि चाहसौं बनी बार
जु नि हारि मास्यौ चषनि गुलालनि हिं
बनी पीर हिय धारि १ और समय सब
कै हग नि मारत जु ते गुलाल क्रमसौं मे
रै हग नि क्लैपरत जु तो उहि काल १ आ 137
जु कछू लषि मो हगनि मास्यौ षेलत फागु
बहल षिवौ पियकौ नयौ बकुसु अतिउप

लासु अनुकालंकार दोषजाचियतकि
ऊंसुगुनलषैंअनुज्ञसधीर पीयमनोर
थकरनबमलासदोषतनुपीर दोहा अ
ओतफकिऊंपतिबदनु फुकतिबिहसि
सतराय तुलोंगुलाबफुवामुवीफफका
वतपियजाय ५८७ वार्ता एकफुकिबे
कोअर्थनीचोफुकिबो अलंकारपर्यायो
क्ति नायकछलकरिइष्टसाधैहै नाय।
ककीचेष्टातैंस्वजावोक्ति एकफुकिबोस
तरायबोइजो दोहा छुटतमुविनुसंग
हीछुटैंलोकलाजकुलचाल लगेडऊं
निडकबारहीचलिचितनैंनगुलाल ५
८८ सहोक्तिअलंकार सोसहोफसहवा
बुजहांमनरंजनविधिहोय मुवीलाज
संगहीछुटैं सांइहविधिहैसोय वार्ता
अेसैंहीलगिबोजानिये दोहा रसणि

आदिकफुऊंनिनोस्किरहेटरैंन छविसों
छिरकतप्रेमरंगभरिपिचकारीनैंन ५८९
वार्ता रूपकालंकार नैंननिकीक्रियाकों
होरीसोंरूपक दोहा गिरैंकंपकछुकछुर
हैकस्पसीजलपटाय मारतमुवीगुलाल
कीछुटतफुगीकैजाय ५८२ वार्ता बिसे
षोक्तिहै कारनसबहै पियकोंगुलाल
मरिबोकाजसिद्धनहिहोति दोहा ज्यों
ज्यौंपटफटकतिहवतिहसतिनचावति
नैंन सौंत्यौंनिपटउदारकंफगुवादेतब
नैंन ५८४ वार्ता उदारता कारनहै हैं
मकाजनहीं यातैंविसेषोक्तिहै बसंत
बर्नन दोहा छकिरसालसोरंभसुनैंम
धुरमाधकरोगंध ठोरठोरफोरतफपत भौंर
भौंरमधअंध ५८५ आत्मलंकारहै दो
हा इहबसंतनघरीगरमअमीनसीतल 138

बात कहिक्यौं प्रगट देषियत पुलकि पसी
जेगात ५८८ छपै गरमसीत कहि फुनि पु
लक अरु पसीज कम हीन उत्तर अरी पसी
जेगात मैं दिषीयत पुलक सुलीन वाकत्ता
रहीं भाव कम है तो पसीजै गात आधार है
पुलक अधियहै यातें पुलक पाछे हैं जे
सै सब तीर्थ पुष्कर मैं देषें तहां पुष्कर को
भाव प्रगट होत है बिभावना पहली कार
न बिनु कारज होय यह लछन गरमी अ
रु सीतलाई बिनु पसेव पुलक भई दोहा
फिर घर कौं नूतन पथिक चले चकित चि
त भागि फूल्यो देषि पलास बन समुहीं स
मुझि दवागि ५८७ जाति अलंकार ते
ग्रीषम बर्ननं दोहा नांहि नए पावक प्र
बल लुवैं चलत चहूं पास मानहुं बिर
ह बसंत के ग्रीषम लेत उसास ५८८ याकौ

सब रितु पति रितु बसंत है अरु कवलोतीकी मि
लास उत्तर अरु रिति निकट नहीं पति हि
सुंनत यहै अति पास औरबात पास मि
रक प्रलय है उत्तर तहैं वह आस हि मां
हि पति लबि सरन को गई यह लषि मि
लवो नांहि हेतु त्षेछा है दोहा कहलां
ने एकत बसत अहि मयूर मृग बाघ ज
गत तपोबन सो कियो दीरघ दाघ निदाघ
५८९ ग्रीषमौ है जगत इहां उपमेय है
तपबन है उपमांन सो बाचक रिपु तातजी
रिपु निधर्म सुबषांन दोहा बैठि रही अ
ति सघन बन पैठि सदन तन मांहि देषि
दुपहरी जेठ की छांहौं चाहति छांहि ५९०
याकौ हेतु त्षेछा रूतके तरें छांह ग्राव
तु सो मानों जेठ दुपहरी देषि के बरषाव
ने नं दोहा अति परस मो है चित कियें कारि

१४० सरसौं है नेह धापरसौं है रहै ऊर
बरसौं है मेह यथा सुख
बार्ता तियके तरसौं है चित किये तोर
कहा नायकनिके चित तरसौं है नहा
करन अथ तियतरसौं है तियकौं
तरसौं ऐसे चित नायकनिके किए या
मैं दोऊ अर्थ कढत नायकालंके रूप
नुप्रास दोहा पावस घन अंधियार म
हि रह्यौ भेद नहिं आन राति द्यौस जान्यौ
परै लखि चकई चकवान यथा प्रथा
राति द्यौस जहां एकसे पावस निपट अं
धार तहां चकई चकवा कहा परत है
पउ हिंवार १ जो कहिहो उनि बोलसु
नि तो सो लखि पद आहि सो लखिबो
तो न हि बनैं दीजे अर्थ बिनाहि अथ
एक कहत चकवा बचन निस दिन परत

लषाय है चकई सुनि उनि कह्यौ चकवा
न हि इहि लाय यथा तहां प्रलय हन
दिवनें वे तो जबनि सि होइ न बा बिछु
रै हा दिन मिले उनैं अर्पन बिबमोय १
तहां कोऊ ऐसैं कहत चकई चकवा कौ बा
नि सुनि निसि दिवस लष्यो परै बोल
न बिछुरन मांनि कु० यथा तहां चक
सबै हैं न कहत है चकवा कौ जग मांहि
और बांति वां निपद कौ कहिबौ उहरसु
नांहि अथ लषि संबोधन कि कैसौं
यह तल षि जिय जांनि राति द्यौस जान्यौ
परै इक चकई चकवानि अलंकारपर
संख्या अर्थ निषेध एक थल और दिष
लषराय निस दिन मानकि कै सु है च
कई चकवा पाय यथा छिनकु चलति 140

१४७ थकति छिनकु भुजपीतमगहिमारि
चटीअटारेषतघटा बीजुछटासीनारि
५७४ वार्ता धर्मलुप्तोआनारिबीजुछ
टासीहैसनुभासहै दोहा पावक
करतैंमेहकर दाहकडसहबिमेषि
दहैदेहबाकेपरस यहहगि निहारेषि
५७४ वार्ता बिसेषतासौंबितरेकालं
८ कार सुषददुषदतेंव्याघात करसहैतेज
मक तीनोंकोसंकरहै दोहा कुढंगको
पतजिरंगरली करतिजुद तिजगजोय
पावसगूढनजानतयह बूढनिकोरंगहो
य ५७५ वार्ता सोषकरिकाव्यलिंग
रंगरलीकौजिटकियौ बूढनिकौरंग१
नैंबूटनिमेंछिप दोहा भरवाहोंहि
नव्रलिडवे धुंवाधरनिचर्मकोद जा

रतभ्रावनजगतकौंपावसप्रथमपयो
द ५७६ मुद्रापक्रतिलंकार श्रुद्रा
पन्क्रतिऔरकौ थापनधर्मडराय भ
रवाहतसुआयकें धुंवाकस्यौइहना
य दोहा हवुनहबीलीकरिसकें यह
पावसरितुपाय आंनगोबिछुटिजाय१
सौंमांनगोबिछुटिजाय ५७७ सोरठा
दोहा मांनगोबिछुटिजाय कोकपाव
ऐसेंकहत तहांप्रस्नयहजाय सोसुति
येंकोबिदसुबुधि १ आंनगोबिओंछु
टतिहैयहपावसकेमांहि मांनगोबि१
छुटिजाय घुटि मांनकरतियौंनांहि १
जबहदनिधिकीजेथरथ गूंनदोषत
दोलाग मतिकेजिनियहसहस्यो व
हियेसुनिबनजाग १ आंनगोबिओंछु
टतिमति इहपावसकेमांहि मांनिगोबि

१४१ मतिजायघुटि मानकरतिथोनाहि १ औ
नगाविजोघुटतमति मानगाविछुटिजाय
यातैयापैमतिजुपद सोचाहियेइहिंना
य १ हवुनहगीलीकरिसकति सकतिसु
पदअसमर्थ इहांचाहियेनहिकरति य
हपदवुद्धिसमर्थ १ तातैयाकोअर्थयह
अद्भुतरसअधिकाय औनगाविजोघु
टतितसों मानगाविछुटिजाय १ मानगां
विछुटिजानतें पोष्योतनयहअर्थ ह
वनुहगीलीकरिसके करिवेमैंनसमर्थ
वार्ता विगांवनांविरुद्धतेंकाजेहोय
घुटिवेकेकारनतेंगांविछुटिकाजेभयो
दोहा वेईचिरजीवीअमर निधरक
फिरोकहाय १ छिनुविछुरेजिनकीनसी
पावसआउसिराय ४७७ वार्ता यहां
चिरजीवीअमरपुनिम्नकहे अमर

चिरजीवीवकल्पकालजीवे अमरनमरैय
हनेह्र प्रश्नदोहा जोवियोगनीकेब
चनतोयहजामृतवैनैंन पावसविछु
रैंनहिजीवत कहेसुइनकिमवैन उत्त
र पावसपहिलेंआयबोअवधिकरी
हापिय तहतियकीयहपत्रिकासोधदे
तपियाचित्र श्लो नियालिषीजियहों
नहीं पियदियजियतवताय तवइन
केसुअमरकहीइहिभ्रमकाआय अर्थ
वार्तालिषि यहसुपवर्नेसिमृतिकालि
यहिचलततिहिवैन जेपावसविछु
रैंजियैतेकेअमरसुपैन इहांअप्रस्तु
लंकारमरणावयहै दोहा अवतजि
नाउउपायकोआयोसावनमास पेल
नरहिबोपेमसोंकेमकुसमकीबास

अथ वार्ता लोकोक्तिहै लोककहनि
षेलुनरहिबौ दोहा अवधिकुवकुएतौ १
करौ पावसकैअभिसार देबिपरीयैं
जोनिबीवांमनिघनअंधियार अथ
वार्ता नविधयति आंतिअलंकारदाम
निघनकोभ्रमकहैं दोहा फिरिसुधि
देसुधिद्यायप्या यहनिरदईनिरास
नईनईबकस्यौंदई दई उसासउसास
अथ सर्थे नीतकतीपियथ्यांनमैंपि
कावबसुधिमैंकीन फिरपदतेंउहवृ
सबिव सहांतियबचनप्रबीन १ व्या
नछुटैंतनसुधिनई यहतौसुधिकोअ
र्थ पियकासुधिकदपियाबिदिस जा
न्यौविरहसमर्थ १ सोतियकहतनि
रासपदपिककहिनीरकीआस देषोने

नैनाईसुअबदईउसासउसास १ एकउ
सासिकौअर्थउवाइबौ लाटाबीयसाउम
ककौ १ सुधिसुधि लाटाबीपसानईन
ईपदमांहि दईदईपदजमकहैसंकरव
यइहवांहि सरदरितुबर्नन दोहा घन
घेराछुटिगोहरषचलीचकदिसिराह
कियोसुचैनोआयजगसरदसूरनरना
ह अथ टीका कुहपगएनृपहोतबर
तबइहबिधिजगजोग बकुलिनिकोघे
राछुटत निजमगदिसिदिसिलोग अथा
लंकारहै दोहा अकनसोफहकरषरन
हगभंजनमुषचंद समैंआयसुंदरसर
दिकदिनकरतअनंद अथ वार्ता अ
पन्हालंकार सरदरितुकैनाथकासोंरूप
क हेमरितुबर्नन दोहा सोज्योंबदत१

१४३ निजावरी सौंसौंनदतअनंत ओकओक
सबलोकसुषकोकसोकहेमंत ५०४ नि
देसालंकार सुनिदरसनकिंहेतके
हि सतअरूअसतसमान बदतनिसा
सुषलोकअरूकोकसोकपरमान दो
हा कियौसबैजगकामबसजीतेजिते
अजेय कुसमसरहिंसरधनुषकरअ
गहनगहननदेय ५०५ प्रश्न कहौ
सीतकीप्रबलतागहिनसकेधनुकाम
तौहिमंतमैंवाहियैकामहीनजगधा
म उत्तर जगकहिदीनौंस्वामिबसजी
तिअजितनिजपास धनुषगहनश्रम
देतनहिंकामहिंअगहनसास परिक
रांकुरअलंकार साभिप्रायविसेषज
होपरिकुरअंकुरगाय धनुषगहनब

नेतमैंअगहनसाभिप्राय दोहा मिलि
बिहरतबिछुरतमरतदंपतिअतिरसली
न नूतनविधरितुहेमंत ※ जगतजुरा
फाकीन ५०६ वार्ता जुराफासोंदंपक
अतिज्ञार्थ श्लेषलहै सोहा आवतजा
तनजांनियेतजितेजहिंसियरांनि घर
हिंजबाईलौंघट्यौबरोमसदिनमानि
५०७ वार्ता पूर्णोपमादिनमानश्लेष दो
हा लगनसुलगसीतलकिरनिनिसदि
नसुषअवगाहि माहससीभ्रमसूरसौं
रहतचकोरीचाहि ५०८ भ्रमअलं
कार दोहा तपनतेजतापनतपन अ
तुलतुलाईमांह ससिरसीतकौंजनघ
टैबिनुलपटैतियनाह ५०९ परसं 144
ख्यालंकार इकथलअर्थनिषेधकरि

अमथलहिंवदराय औरजांतिसीननथ
टैतियलपटेहंजाय दोहा रहिनसकोस
कुजातमें समिरसीतकेत्रास गरमिनाजि
मटवैनईतियकुचअचलमवास ५७८
वार्ता मवुलुमकीउत्प्रेछाअरूपकहै चं
द्रादमवननं दोहा देजअमृतसुधादी।
धनिकलायहलमिदीवलगाय मनोंअ
कासअगसियाएकैकलीलषाय ५७९
अर्थ यहलमिदीक्लिगायजौदिषव
तिमीतक्रिआलि मिसकरिरहांप्रतीप
अरूपयोयुक्तिनिजवाद्दि वार्ता कली
कोचंदकह्दियहेरहांचंदकोकलीकह्यो
यहप्रतीप छलकरिसाधोइष्ट यहप
मीयोक्ति है दोहा धनियहछैलबीज
हांलष्यौतज्योडिगानिउषदंड तुवना

गनिसरवतयोअहोअसरवचंद ५८०
अर्थ तियमुषविधकहै वहसरवेजो क
हाअसरवताय सरनविधसरवदिसा
उदितहोतनहीआय अवर यकाविनुल
हेवेजदिनदरस्योसरनचंद इहीअसर
वताय हांसाभिवचप्रतिनिदंमंद वार्ता
छलकरिसाधइहइष्टनायकादिषायवो
नायककों अर्थापत्ति दोहा जौंन्हनही
यहतमवहेकायोजुजमनतिकेत होत
उदैमसिकैजयेमांनोंससिहरसेन ५८१
टीका भाषा उदवेगदसामेंसषीचांदनी
कौंउदीपनजांनितमहीथाप्यो तहाअ
म चांदनीकोतोरूपउदीपनहैसोमेंहु
लोमांही अमाप्यतेउनर प्रसंगविद्ध
सषीवचन अवचंदकीप्रबलताहै
तातेंतमयाकोसत्रुहोसोतोचंदकेजये

तैंकैगयो अंकनमनोयाकीछविहीछी
निलईहै सोल्यांतुमकौंसबुनावतैंउ
घरैगो अंगमहकिसलायकनायकहै
तापैचलो अलंकारपर्यायोक्तिहै दोहा
कछुरचनासोंबातपर्यायोक्तिविख्या
त मानमनोचनकाजिरचनचंदनयर
साजि समीरवर्णनं दोहा रसाततंम
घंटावलीझरतदानमकनीर मंदमंद
आवतचल्योकुंजरकुंजसमीर ५७५४
बात रूपककुंजरसमीरको दोहा
रहीकछीक्योंफसुचलिआधिकराति
पुधारि हरनितापसबद्योसकोउरल
गियारबयारि ५७५५ छेकापन्हुति
छेकापन्हुतिकहिउनहिंबचमखिउर
बतधारि यास्किदीपुनिमुकरिकैक
हिवियअर्थवयारि रूपककहे दोहा

कुवतलिदमकरंदकनतंदतंदतरविर
माय आवतसक्तिनदेसतैंथक्योबटोर
हीबाय ५७५६ रूपकजंकार दोहा
लपटीपुहुपपरागपटसनीस्वेदमकरं
द आवतनारिनवोढलोंसुखदवायग
तिमंद ५७५७ रूपकउपमा दोहा क
क्योंलांकेरकुंजमग करतझांझझुक
रात मंदमंदमारुततुरगखंदतिआव
तजात ५७५८ रूपककुलतियवर्ननं
दोहा कहतितनदेवरकीकुवतकुलत
तियकलहडराति पंजरगतमंजारिग
तिसुकलोंसिकतिजाति ५७५९ अथ
देवरकोअनुरागयह धर्मविशेषविच
चारि नर्ननअनुचितसोलगतरसबर 146
नन बिचारि उत्तर बचनजिवांनीकेक
हतचोंतनीकीबात मोदेवरकीकुवत

यह कहुनसुहियोदमात १ निजपति
कोवहकलहसोजोनिमंजारसमान
सुकलोमकतिरोसकीप्रकृतिलषति
दिनमान वार्ता हि छांताअलंकार
सुकलोंकहिवैमेनरमादेकोएकहीसं
ग्पाह साधारणनायका दोहा पत्नु
लाहाराहियेलसैं सनकीवेदीलाल
राषतषेतषरीपरीपरेडरोजनबाल
६७७ वार्ता राषतषेतयहस्लेषजाति
अलंकारहै दोहा गोरीगदकारीपरैं
हसतिकपोलनिगाढ केसीलसतिति
गवारियहमुनिकिरवाकोग्राढ ६७१
जातिलंकार दोहा गदगुनैननमार
दीअपनआडलिलार फब्योरेदवा
लायहगाकरतिगाबासुमार ६७२
जातिलंकारसमानवर्नन दोहा सु

निपगफंगनिचितईइतैं न्हातदियैंदीपी
ति चकीजुकीमकुचीभरीहसीलजीली
दीठि ६७३ वार्ता समुच्चयालंकार
इकहिवेरबहुतनायहोहिसमुच्चयगाय
दोहा नहिंअन्हायनहिंआयघरचित
चक्रयोतकितीर परसिफुरहरीलेफि
रतिबिहसतिधसतिननीर ६७४ वार्ता
पर्यायोक्तिसीतकेछलसोंबलीबारदे
षवुइसकों दोहा सुपयपारिसुदतर
निजसीससतलकालन्हाय मोसचेषु
टनिमैंनारिसरसकल्हाय ६७५ जा
तालंकार दोहा बिहसतिसकुचतिसी
हियंकुचआंचरविचबांह नीजेपटश
रकोचलीन्हायसरोवरमांह ६७६ जा
तलंकार दोहा सुदघोबनमकीधामत

हसतकमनगवततीर धसतनदरदीव
रनयनकालंदीकनीर ६७७ आत्मलं
कार दोहा न्हायपहरिपट उविकि
योबैदीपिसपरनीम हाचलायघ
रकोचली बिदाकीयघनस्याम ८
वार्ता पर्यायोक्तिहै बैरीके प्राणमइ
इसाध्यो अपवर्नन दोहा चितव
तजितवतहितहियंकियैतिरीछेनैन
नीजेतनदोऊकपैंकौंसजपतिकर
न ६७८ आत्मलंकार गर्भवावर्न
न दोहा इगाविरकोहैं प्रथपुले
देहयकोहैद्वार सुरतसुधिवसहैपि
येडपितगरनकेंहार ६७९ आत्मलं
कार कातनहारी वनेनाज्योंकरनों
विकुटीचलतज्योंचुकटीयोंनारि

व्रबिसोंगानिसीलैचलतिचातुरवाम
तनिहारि ६८१ आत्मलंकार सचित्र
वर्नन दोहा देवरफूलहनेजुमिसु
उठीहराषिअंगफूलि हसीकरतिऔ
षदिसखिनिदेहहदोरनिमूलि ६८२
प्रकाश सिसुतैंसातनकहातनाहिदेवकं
धर्मेविरुद्ध उत्तर नहांसिसुसुमनावि
चारिकहकलीकाविनमतिसुद १
किउनकेरेवरकिंउसुतिय ऊपरमा
रेफूल निजदेवरकीवहकहतअक
लिपकीरसमूल वार्ता नयकासुक
मारनातैचिन्हफलकेतए त्रातिअ
लंकार ददोरनिकोभ्रम दोहा ति
यतियाहियजुलगीचलत पियनख
रेखखरोंह सखनदेतनसरसई पोटि

घोंटिअतघोंटि दूजा अन्य घोंटसह
है अधिक है दोषनिरर्थक दोइ ३ अ
नुमपीक हत मस्पोट इहि स कन
कहतनसाय १ इनमें अनुनासिक
सबद आवत जात प्रसिद्ध मोट मोट
जिमपोटको कहतलघ अनुधिरहि
अनुह्लालंकार दोषजाचियनकिर
अ सुगुन लघें अनुल निवाज पीर
दोषतनु लियसुलपि पियपृष्ठित ब
मयुनलाज दोस पाल्योसभ सुहा
गको इनविनु हा पिमनेह उनकोहि
अपियांककै केअलणो हीदेह ४
अस विनांप्रीतिसारनयरेमीत सुखि
निश्चयसाय अन्य निजसमिवच
रीमनलमो हितयेकहत सुमिय

पर्यायोक्तिअलंकार छलकरिसाधि
यइष्टजहांपर्यायुक्तिसुनाम कोऊम
नकेइष्टयह छलवचकहिकिमकों
म आगवनेमें दोहा बकुधनवे इह
समनकेपरोदेतसरा है बेदवंधहसि
भेदसों रहीनाहसुहर्षाहि अन्य वानी
बेदपक्षअर्थकोअलंकार अनुमा
नमायकाके समिवमेंबेदकोहीनता
जानी पर्यायोक्तछलकरिधनइष्टल
है अन्य निलुकनिंदाअयुक्तिहे जे
तार निंदासिअकनजोनिये इस अर्थ
सिगाय नायकारि प्रतिसाषिअवन
इतिककर्मनिधार १ बकुधमआकेब
अजोनियसेपोरहसुजान विदिलेत

नीलीउनहिं यातैं करि इह संवै ने जि
हतैं सुष इहलोक कौ अरूपारो जोदेत
जासुनाम अरुदरस नव पार करत
यहै ॥ न ॥ १ सोअव निहिं परसु रूप
जिनि जांन हिताहि सराहि मत्सनां
ममे नाम निहिं बेद रोग मवदाहि १
यातैं बधू सुदासि सरषि रहा नेदत मे
नि बेईनो हसु चाह सुष चलिनि हवे
उरआंनि वार्ता यहां पर्यायोक्ति दि
तीय कछुरच नामें बात दोहा ऊबै
वितें सरो विमतगिरहक बूतरलत
हगकसकि[illegible] मुलकित बदन स
नमुलकि[illegible] तकिहि देत ६७६
हेतु अलंकार लछन कारन कारज स

हितहेत सोंलपन कहुतर हेत चेत
अरु कारज सात्वक भावजांनि सोमि
अहषि मपसुष्य मांनि दोहा कारेव
रन मदरांचने कैत आवत इहि गेह कै
बालपी सबै सषी लगे थरथरा देह ६
७ वार्ता जोकिहे याजाकति कछु क
हिजहा लेत प्रकार कुराय सालकेउ
रियौं कहि इहां स्यांमबरन करलाय
दोहा ओरमबेहरषी फिरै गावत न
रीउछार नहीं बजुबिलषी फिरै कौ
देवर केव्याह ६७७ वार्ता इहां ऊअर्थ
बिधि कोप्रम आंनित फनके बैन कि
कुतियसोरसच्चैंन उल्हासमगुन तेदो
ष दोहा रविवंदो करजोरिके सुनेसा
मके बैन जाएह सोंहे सबनिके पतिम

१५७ मयोहैनैन दोहा अर्थ परा बिनत्र
न्योहै नएज बोहि सुनैपिय बैन नर
हसाहै पट दूरन लीला मयमुर्यन
पर्यायालंकार एक बिषे जु अनेक
को बास बरनपर्याय जिहिहियपहि
लैरसलपी अब नदा रस सरसाय ह
इति श्री अमरसिंह बिरचित प्रमत्त
रत्नप्रमाण रस दोहा वाथान
बर्नेनं नाम द्वितीयविलास ॥२॥
अथ प्रस्तावित मंजीनाद कवि नर
सिंहरस सागर गिरि य अनबूडे बूभे ति
रेजे बूडे सब अंग ॥ दोहा ॥ नादे
अहि रसिक है तिन तें न पिबो नाहि
मन निहोत शकनजननसे सो नाहि हो
हमाहि १ तेंजी नारदकौ कहत तिरे

नकौ नादजु भक्ति जे याभै बूडे नहीं बूडे
न बश्रासक्ति वार्ता नारदोक्ति कवि
तादि में सब में जानि लीजे बिरोधाभास
अलंकार है १ विरुद्धाभास विरुद्ध सौं
भासै प्रविरुद्ध सुद्ध अनबूडे बूडे विरु
द्ध जब बूडे अविरुद्ध दोहा गिरते क
बेरसिक मन बूडे जहां हजार बदै सदा
पसु नरनि को पेम पयोधि अपार ६२१
अर्थ कह्यो रसिक बूडन कठिन तरिबो
सिकसरूप सुगम कह्यो पसुनरनि कौ
है पगार के रूप १ यह अस मंजस बात
अरु कहे पगार को भाव कहत तिननी
कौ नांति द्यो अर्थ कहो कवि राव अर्था
र साधक गिरमत ऊंचता याते गिरि उप
मान मूढनि यसु उपमा प्रसिद्ध जिनको

१५१ अबुधनर्यान ४ गिरसुतानदनजुसुर
जैौंनरिबोपसुमिसुभाउ सोनदंप्रेमप
याधिमेंकरैदुर्जनिकेभाव ५ ज्योंबा
रिधिकेनीरपर धरैकोउगिरलाय सोनि
हचैवहेलहै रतननसंगतरिजाय ६ ज्यों
नैसिंधमहानमैं सीतनमनिदुतिदेय
जहांजुपसुजलमैंपरे सोतनसितीरहि ले
य १ रतनसंगमहिमोजलधिनहिसीन
लतानाहि तैसैंरसिकनप्रेमरसलीन
वजनबिधिचाहि १ रतनसंगज्योंसा
कसंगप्रभुमहिमारसलीन मूढसुभे
मनर्यानहीरसनलिह्योहियदीन १
रूपकहै प्रेमपयोधिपसुनेरइस्याहि
सज्जनवर्नन दोहा घटमैनछाडत
घटतक सज्जनतेहगंभीर फीकोपरेन

वरघटैंमोचोलरंगचीर ६२२ प्रेम
सज्जनमैंघटिबोकहा घटैहोनहीहीन
उतर घटतमित्रपैंहितवहीपटरंगस
मतालीन वार्ता पटजीरनकेतऊवो
लअपनोरंगनछाडे हर्षीतजैसेपोल
रे। दोहा संपतिकेसबहेसनरनवा
तिदुजंनिरकबानि बिनवसनतरकु व
नीचिनरनरमविभवकीहानि ६२३
दीपकालंकार जहांउपमेउपमेयसों
लगैंएकपदआय सोदीपककोमलक
बिनुलगेउकथलजाय दोहा नएवि
ससिएअतिनिएदुरजनदुसहसुभाव
आंटपरिप्रांननिहरनकाटेलोलगिपा
य ६२४ पूर्णोपमा दुर्जनकाटेलोलगिपा 152
दोहा जेतीसंपतिकृपनकै तेतीसुमति

जोर बढत जात ज्यौं ज्यौं तर जैसो सो होत
कमोर ९२५ दृष्टांत दोहा नीव हिये कु
लसे रहै गहै गद की पोत ज्यों ज्यों माथे मा
रिये सो तो ऊंचे होत ९२६ दृष्टांत दोहा
को रिजनन को क्रूक करो पूरन प्रकृति दि
खीय नल बल जल ऊंचो चढै अंति नीं
च को नीय ९२७ वार्ता दृष्टांत है जैसे न
ल बल ऊंचे चढै दोहा घर घर डोलत दी
न के जन जन जाचन जाय दीये लोभ च
समा च षनि लघु पनि बढो लषाय २८
रुपक अर्थांतरन्यास दोहा वो है बड
न के सुके लगि सतरो है बैन दीरघ से
हि नैन के कत फेरि नि होरे नैन ९२९ दृ
ष्टांत है दोहा लट्टवा लों प्रभु कर गहै
निगुनी गुन लपटाय वहे गुनी कर ते छु

टैं निगुनी यिके जाय ९३० वार्ता प्रणो
पांस्ले षसं कर निगुनी लट्टवा लो प्रभु क
र गहै गुनी सब दूसलेष दोहा चलन न
पाय निगुन गुनी धनि मान निमुनि य मा
ल नेस्न यैं जैय साह सों भाग वाहियत
नाल ९३१ प्रश्न नाल नागही जो नए
कहा बमाइ रूप उत्तर कहा नाग कछु
वाहियत काको कतिरु है रूप काकोक्ति
अलंकार दोहा संपासे नसयान कीस
वै साहि के साथ वाकबली जय साह जु
फते तिहारे हाथ ९३२ असंगति दो
हा यो दल काढे बलष ते ते जय साह भु
वाल उदर अघासुर के परें ज्यों हरि गाय
यु वाल ९३३ दृष्टांत दोहा घरिघ
रि डिगनि तुरकनी हेत असी सिसराहि

१५४ पतिनुराषिचादरचुरीतैंराषीजयसाहि
९९४ हेतुअलंकार नृपनुकीरष्याका
रजचादरचुरीरही दोहा रहतनरतज
यसाहमुषलषिलाषनकीफौज जाषि
निराषरकचलैलैलाषनकीमोज ३५
लाषलाषलाटानुप्रास दोहा प्रतिबिं
बितजयसाहदुति दीपतिदर्पनधाम
सबजगजीतनकोंकर्‌यो कायव्यूहम
नुकाम ९९६ हेतुत्प्रेक्षालंकार दोहा
अनीबनीउमगीलषेअसिवाहकभट
नृप मंगलकरिमानौंहियेनौमुहमंग
लरूप ९९७ जमकालंकार दसवनि
नें दोहा प्यासेदुपहरजेठकेथकेसबै
जलसोधि मुरधरपायमतीरही मारूदे
मपयोधि ९९८ टीका प्यासेमुरधरमें

पथिक पावतमरुधरमतीर तबवेमारूसों
कहतयहेपयोधिहैधीर वार्ता पयोधि
समुद्रछीरसागरकों गायहकिमतीरसोंज
षप्यासदोऊपथिकनकीगई तातैंप
योधिकह्योतहांप्रश्न प्रश्न पथिकक
हाजांन्पौंपरैसमुद्रमांहिइहवीर श्लोक
ह्योमारूकहतपयानिधिअर्थनऔर
उत्तर सबजलसोधिफिरेतहांमारूज
नतैंनाहि वेतोजलजांनतबचनयातैं
पथिककलषांहि १ महाप्यासमेंविरस
जलसोऊसुषदाहोय यहांदेसकोसिष्ट
तादैतमरुधरजलसोय पर्यायनालंकार
वंछिततेंजहांअधिकफल द्वितीयप्रह
र्षनजांनि जलसोधतहैंजहांलह्योमरु
रमतीरसुजांनि दोहा उसहहिराजपजो 154

१५४ निकौंक्यौंनबढैअतिदंद अधिकअं
धेरेजगकरतमिलिमावसिरविचंद
२३९ दृष्टांतालंकारलोकरीति दोहा
बसैबुराईजासतनताहीकौसनमान
नलोनलोकहिछ्रादियैपोटैयहजय
दान २४० दृष्टांतअलंकार दोहा
कहैयहैसोश्रुतिसमृतियहैसयाने
ग लोगमें तीनदबावतनिसंकहीराजपा
तिगरोग २४१ प्रश्न नृपपापीअरु
रोगतौनिसंकदबावतरीति अबतौ
सबनिदबावहीसुरनरमुनियहरी
ति २४२ जौयातकनृपरोगअरुदेही
कोरुकबखांन तौतहांतीनदबावहीं
सबदतबनैसुजांन उत्तर सोरठा त
हांअर्थयहनायजोग्यांनीतिनकौनही

पापदबावतआय जौलोकनिकैसिख
रै दोहा ग्यांनीकौंपापनलगैकरैजु
लोकसंधार गीतामैंयहबचनहैयहै
अर्थनिर्धार वार्ता निसंकबलहीन
कहियै राजापापकर्मबलहीनकौंदबा
वै रोगदेहबलहीनकौंदबावै पाप
ग्यांनबलहीनकौंदबावै दीपकालं
कार उपमाअरुउपमेयकौइकपद
लागैआनि तहांदीपकसुदबावपद
ष लपैसबहिंदैलमांनि दोहा बदै
नरुजेगुननविनुबिरदबमाईपाय
कहतधतूरेसौंकनकगहनौंगढ्यौन
जाय २४४ व्यर्थनिरन्यासा दोहा
गुनीगुनीसबकोउकहै निगुनीगुनी
नहोय सुन्यौकहूंतरुअर्कतैअर्कसै

१५५ मांनउदोत ६४३ अर्थांतरन्यास दो
हा नाहगरजिनाहरगराजिबोलसु
नायोटेरि फसीफोजकेबंदाबिचुहर
सीसबननननहेरि ६४४ वार्ता जोप
दीकेककमनीकेप्रसंगप्रहर्षन बि
नुजतनइष्टसिद्ध दोहा संगतिसुम
तिनपावदीपरीकुमतिकेबंध राषो
मेलिकपूरमेंहींगनहोयसुगंध ४५
अनगुनालंकार दोहा परतियदो
षपुरांनसुनिहसीमुलकिसुषदांनि
कसकरिराषीमिश्रकृतुऊ आईमु
सकांनि ६४६ प्रश्न निंदापोरानि
कउवितनहीकरानिप्रहिनाय जो
इहप्रश्न नहीप्ररथकरियेग्रकथ
पदाय उत्तर नहिपोरानिकनिंद

सांहेसिंगाररसग्रर्थ सषिप्रतितिय
केवचकहतपियकेदोषसमर्थ २ है
परतियअवदोषसुनिइहपुरांनजि
हिनाम इनकीजोसुषदानिसोहसिमु
लकीवहबांम कसिकरिराषीइनित
वैंआईजोमुसकांनि जोपेमुलकनि
मिश्रकृतऊआईबानि वार्ता ग्रनु
मांनालंकारहेदोऊग्रर्थनिमेमुल
कनितप्रीतिजांनी दोहा सबेहस
तकरतारटेनागरताकेनांउ गयोगार
बयुनकोसबेबसेगंबारेगांउ ६४७
वार्ता लेषालंकारहे गुणसुदोषआ
कार दोहा नरकीअरुनलनीरकी
गतिएकैकरजोय जेतोनीचोकेचले
तेतोऊंचोहोय ६४८ दृष्टांत दोहा

बढतबढतसंपतिसलिलमनसरोज
बढिजाय घटतघटतसुनिफिरिघटै
बरसमूलकुमिलाय ६४६ रूपका
लंकार संपतिसलिलमनसरोज दो
हा जोचाहतचटकनघटैमैलोहोय
नमित्र रजराजसनछुवाईयेनेहची
कनैंचित्र ६५० लेषाअलंकारहै
दोहा अक्तिअगाधअतिऔथरो न
दीरूपसरवाय सोताकोसागरज
हांजाकीप्यासबुझाय ६५१ अनोकि
दोहा समैंसमैंसुंदरसबैरूपकुरूपन
कोय मनकीरुचिजेतीजितेतितनेती
रुचिहोय ६५२ प्रश्न रूपकुरूपजु
समकियेतहीअबूझपियआहिअ
रुनिंदाहैरूपकीरूपरहतसबचाहि

उत्तर अपअपनेसमयेसबैसुंदररूप
सुजान नाहिकुरूपपरपीयकीजहांरु
चिअतिरुचिमान वार्ता परसंख्याअ
लंकारनिषेधकरिइकथलठहराइबो
दोहा मीतननीतिगलीतकेजोधरिये
धनजोरि षायेषरचैंजोजुरैतोजोरि
येकरोरि ६५३ संभावनालंकारहै
जोयोंतोयोंसंभावना दोहा सोहत
संगसमानसोंयहैकहैसबलोग पा
नपीकओठनिलखैंतीनैननिकोजर
जोग ६५४ समअलंकारहै जहांमि
लैअनुरूपकछुसतअसतैसमसोय
रति दोहा बिधुपितुमारकजोगति
नयोनयेसुतसोग फिरकुलसोबहु
जोयसीसमुझोजारजजोग ६५५ ले

बजहां गुनदोषसो दोषसुगुन आकार जा
रजदोषसुगुन नयो रामसुनिरधार २५
५ वार्ता जोयसीकी निंदा कनचाहिये
तहांओरअर्थ उत्तर नदीजोइसीनिंद
सांहे परमारथअर्थ मनकैनयो प्रब्लो
धसुतसोवहसमयसमर्थ नाटकमैहे
यहकथा मनकैसुतजोग्यांन नवताके
नौसो कथ्य है पितुघातक बलवांन १
फिरकुलरूपमन जोयसी है लोइक
रजजोग ऐसोसुत मनकैलयो तारन
कहिहै लोग वार्ता यहांफलैषाल
कारहै दोहा पटपाषैनटकांकरे स
फरपरेवासंग सुषीपरेवा जगतमे ए
कैतुहीविहंग २५६ परसंस्रलंकार
है दोहा अरेपरेषाकोकरे तुहीविलो

किविचारि किहिंनरा किहिंसरराषिदै
परेबढैयरचारि २५७ वार्ता दीपका
लंकार राषिबोक्षेपदहेठोरलग्यो दो
हा कनककनकतेसोगुनो मादिक।
ताअधिकाय उहषायैबोरायजग।
इहपायैबोराय २५८ वार्ता वितरे
कालंकारहै हेसमपैइककी विसेष
ता दोहा कैसेंछोटेनरनतेसरतब
डनिकेकांम मढ्यो दमामोजातक्यों
कहिचूहेकेचांम २५९ दृष्टांत दो
हा बुरोबुराईजोतजे तोचितपरोस
कात ज्योंनिकलंकमयंकलषिगनैं
लोगउतपात २६० दृष्टांतालंकार
है दोहा जोवहित्रिनभांवरिनरोंक
रोकोरिबकवाद अपनीअपनीजाति

कौछुटैनसहजसवाद दृहा विसेषेक्ति
होमुनकारजहतसब विसेषाक्तिकोचि॥
राज कोरिउपायजुरहतुतैंसहजछुटतन
हिकाज इतिश्रीअपरबंद्रिकायांत्रम
समस्तश्रृंमोनरप्रकाशविकतोनामा
भांतमितीयोविलास॥॥॥
अथअन्योक्तिवर्नन जिनदिनदेषे
वेकुसमगईसुबीतिवहार अबअ
लिरहतगुलाबकेअपतकटीलीडा
र दृहा अन्योक्तिहै अन्योक्तिजहां
औरप्रतिकहैऔरकीबात कुसमसु
बसननरतिमए नाहेनीवसरसात दो
हा इहिंआसअटक्यौरहेअलिगु
लाबकेमूल कैहैंफेरिबसंतरितुइनि
मारनवफूल दृहा आस अलिगु
लाबकेमूलकोविं अटक्यौरहतसुजान
वेईफूलबनैनपरवैसेहोहिअमान अ
नर काकोक्तिकरिकैकहतिकैहेनर
हिवफूल कहाइहीआसारहैअलिगु
लाबकेमूल बातो काकोक्तिगर्भित
अन्योक्तिअलंकार कोककाकुसोंकह
तहै इनकोवहईसंपतिकैहै इनआ
सासोंअटक्योरहि नहीइजेफेरकहत
है वेईफूलकहांहोयगो दोहा सरस
कुसमभंडरातअलि नफुकिझपटल
पटात दरसतअतिसुकमारतापरसत
मनननपत्यात दृहा वार्तांप्रस झोकु
समरससहितहैताअलिकाहनबेवति
अमर सासअलिनाएकमुग्धानायका
परमंदरातहेसुकुमारताटेषिनहीलपटा

११९ न अलंकार अन्योक्ति दोहा बहकिब
माई आपनी कनरावन मनि फूल बिनु
मधुमधकर कौं हियैं गमैं न गुमेहर फूल
६६५ वार्ता बिन गुन मिथ्या निज बडा
ई करै तापै अन्योक्ति दोहा को कहि ब
कैब मनु सौं लषै बडी औ फूल दीनै द
ई गुलाब कौं इनि मार नि बूफूल ६६६
बात कुष्ण कौ बढायो तापै अन्योक्ति है
दोहा गोधन तू हरष्यो हियै घरीक लै
हुजाय समुझि परैगी सीस पर परत
पसुन के पाय ६६७ बात अन्योक्ति
किकंबु ज्यैं निज रूप जावत जोय तहा
कहत आवत नृप हि समुझि परैगी सो
य सिंगार पसत अन्योक्ति किंकातिय
के मन सौं कहति सषि मुदकरि पियपा

य प्रिया सहेलिन के मन हिं लषि दबि
दैउ हिराय १ प्रिय तुहि जो प्रियता क
रति कहै सषि प्रति साय याते उनकौं
मोद लषि तु बसु दरसै न कोय १ दोहा
बेन छहां नागर बढी जिनि आदर ता आ
व फूल्यो अनफूल्यो भयो गवई गांव ग
गुलाब ६६८ वार्ता मूढनि के देस में
गुनी तापै अन्योक्ति है दोहा करलै
सूंघि सराहि कै सबै रहे गहि मौन गं
धी अंध गुलाब कौ गवई गाहक कौन ६
६९ वार्ता गुन की अबूझता पै अन्यो
क्ति है दोहा कोछुट्यो इहि जाल परि
कत कुरंग अकुलात ज्यौं ज्यौं सुरझि
भज्यो चहै त्यौं त्यौं उरझत जात ६७० वार्ता 60
मनोरथ पूरन करिकै वैराग्य लेउं तापै

१६६ अन्योक्ति है दोहा स्वारथ सुकृत न श्रम
वृथा तुही विहंग विचारि बाज पराये पा
नि परि तू पंछी हिन मारि ६७१ प्रश्न स्वा
रथ है ही श्रम विणा नहि विहंग पुनि कृत्य
उत्तर नहि स्वारथ तुहि सुकृत को पोषन
अवर अकृत लाजत न क बहु श्रम है
या विहंग विलोषन माइ तन न गामी।
ना हि कर को आवत फिरि जाइ दुष्ट के
या कर पे अन्योक्ति है दोहा दिन दस
आदर पाइ के करि लै आप बखान जो
लगि काग सराध पख तौ लगि तौ सनमा
न ६७२ वार्ता प्यारे दिन प्रभुता पाई ता
पैं अन्योक्ति है दोहा मरत प्यास पिंजरा
पस्यो सुवा समै के फेरि आदर दै दै बोलि
यै बायस बल की बेरि ६७३ उत्तमनर

कष्ट पावै नीचन को आदर तापैं अन्योक्ति
दोहा जाके एको एक हू जग ब्योसा इन।
कोइ सो निदाघ फूलै फलै आक डहडहे
हो होइ ६७४ प्रश्न एको इक पुनि कृत्य
पद न होइ दवि धिर्म पै उत्तर एको जा।
नइ कछु बस्तु करि न हि ब्योसाय समर्थ
पुन प्रश्न जग में तौ ब्योसा न है बकृत।
आक तें जीव सिव हित सुमन मृगादि
फल पय अउषधि हित लीय उत्तर पै
जाके एको एपुरुष कछु ब्योसाय न को
य अर्क हि हितसु निदाघ यह सुमन फ
लै दहोय वार्ता तीसूं पदारथ को शास्त्र
जे न मैं एक आक ही को होत है जे वह
पपुरुष सो आक रूप पुरुष होय सो ही
ब्योसा वेता पर अन्योक्ति है दोहा नै

१६१ हिपावसपवितुराजयहनजिनरवरचित
मूल अपतनयेंबिनुपाईयेंक्योंनवर
लफलफूल ६७५ वार्ता बकुकष्टस
हैं जाकीसेवातेंफलतापेंअनोक्ति दो
हा सीतलताअरुसुगंधकीमिटैनमहि
माभूर पीनसवारेंयोंतज्यो सो राजोनि
कपूर॥ ६७६ वार्ता गुनीकौंगुनीजा
नितज्यो ताकीअन्योक्ति दोहा॰गहैं
नएकोगुनगरवहसैसकलसंसार
कुचउचपदलालचरहैंगरेपरेंहूहा
र ६७७ वार्ता काहूलालचीसोंकोऊ
गरेपरयोरहततासोंअनोक्तिहै गुन
सहअपहे दोहा जनमजलधिपानि
पविमलजोजगआघअपार रहेगु
नीहैगरपरयोनलेअमुकताहार ७८

१६२ बोधकुंवार दूजी बात कोऊगुनीकु
नगरमेंरह्योचाहतहै तहांअन्योक्तिहै
दोहा विषमवृषादितकीत्रियाजिपे
मतीरनिसोधि अमितअपारअगाध।
जलमाझमूंडपयोधि दूजी बात का
हूकोकार्य्यलघुहोतैंसध्योनहांअन्यो
क्ति टीका अथजहांअरेव दोहा
अतिअगाधअतिओथरोनदीकूप
सरवाय सोताकोसागरजहांताकी
प्यासबुझाय दोहा करिफुलेलकौ
आचमनमीठोकहतिसराहि तुपर
हिरेगंधीचतुरअतरदिखावतकाहि
दूजी बात काहूगुनीकोगुनलघु
लक्ष्योनहीं तापैबड़ोगुनप्रगटक
रतुहैतहांअन्योक्ति अतिश्रीअमरचं ६३

द्रिकायांअमरसारतिमकोसरेअन्योक्ति
दोहाअयानवर्ननचतुर्थोविलास ४
अथसातरसके दोहा जगतजनायो
जिहिंसकलसोहरिजांन्यौनांहि ज्यौंआं
षिनसबदेषियेआंषिनदेषीजांहि ५४
दृष्टांतालंकार दोहा जपमालाछापे
तिलकसौंनिदादरसायसरैनएको।
कांम मनकांचेनाचेवृथासांचेरांचेरां।
म दूजी प्रश्न जपमालाछापेतिलकी
नतैसरैनिहिंकांम छाडिकैचाईचि
त्तकीसांचधारिदृढहिंकांम प्रश्न बात
तकजपमालाछापेतिलकोअधिकार
नहींसांचहीकोअधिकारहै उत्तरार्थ
अक्तमेषजाउनुधस्योरहैसुनकेहिनां
म नएऊतेप्राचीनतांहिंसच्योजनहिको

कांम १ जदपिनचेकाचेमनहिं चनुसां
चेनिजकौन जपमालाछापेनिकौ प्रतु
हिंजातिथादीन १ इहिप्रसंगमनकिमा॥
लमेंहै वेधनकोइछाकरिनाचेंहै ञ्र
क्तियाई प्रहर्षनाञ्रलंकार छंद चेंछु
ततेंञ्रधिकेफलहोय द्वितियप्रहर्ष
नांजांनकुंसोय उत्तर जपमालानि
नकोंकोऊनएसरैतिहिंकांम छाडि
कचाई चित्रकीसांचधारिहदिंगाम
प्रश्न वार्ता नकुजपमालाछापेनको
ञ्रधिकारनहीं सांचहीकोञ्रधिकार
है ताकोञ्रर्थ द्वितीयञ्रर्थतें दोहा
जमुकरिमुहतारहरिपरयोइहधरिद
रिचितलाय विषयत्रिषापरहरिञ्र
जोंनरहरकेगुनगाय इन्दं ञ्रर्थ

जनमकरमुंहतरहरपस्यौयहउपस
मुझिकेंनरहरकेंगुनगाय सोञ्रलय
है मुहतरजमुकौगिरपरयो ऐसेंचा
हियेपहलेंतैमुंहहैपाछेंजनमहै
तहोञ्रेष्ठञ्रर्थ जमरूपीहाथीताके
तरहर कहातरैतेंपरयोहै इहिकाहि
येयहसेंधरहरधीरजकोंचितला
य परसंख्याञ्रलंकारहै १ ञ्रर्थति
षेधेएकथलइजैथलबरहाय पर
संख्यातजिविषयकोंनरहरगुनवि
नलाय वार्ता जोञ्रेसेंञ्रर्थकोजेन
मरूपीहाथीकैंतरेपरयोतहांनरह
रकहिये नृसिंघकोंसुमरि तोञ्रल
कारपरिकरांकुरहैसाभिप्रायविसे
षहै सोरठा मैंसमुझ्योनिरधारय

हजगकाचौकाचसौ एकैरूपअपार
प्रतिबिंबितलषियतजहां १८७ प्र
स्न वार्ता जगकौकाचकीकचाईको
दृष्टांतदियो सोकाचकौनीकैंराषि
येतौबहुतदिनरहै अरुकचाईके
औरकपदारथबहुतहै बूंदकीसी
तइमाहि-उतर कचाईयहजोबस्त
समुहीआवैसोईनईरूपकोवहांवु
नहीं जगमलसथिरहै भावार्थ मैंनि
श्चजोनोंयहजगकाचोबिनासीहै
अरुअनेकरूपकोचजेसेलसोरूज
गएकेजोईस्वरतिनको [illegible]
जामैंप्रतिबिंबलषियतहै अथ
काचमैंताजेसोरूपमपरेतैसोतासे
होसंसारबिषैनानारूपदेषियतहै

उतर यहबचनमपांनीकोहै सबवांत्र
सहीदेषतहै दृष्टांतालंकारहै दोहा
बुद्धिअनुमानप्रमानश्रुतिकीयेनीव
वहराय सहुमगतिपरब्रह्मकीअल
षलषीनहीजाय १८८ अनुमानाल
कार दोहा तौलगियामनसदनमैं
हरिआवहिंकिहिंबाट बिकटजटे
जौलौंनिपटषुटेनकपटकपाट १८९
रूपकमनसदनको दोहा यातवपा
रावारकैंउलंघिपारकोजाय तियछ
बिछायाग्राहनीगहैबीचहीआय १
९० रूपकतनवसमुद्रको दोहा मैं
तपायत्रयतापसौंराष्योहियैहमाम
मतिकबहूंआएइहां पलकपसीज२
हिस्मांम १९१ वार्ता [illegible]

सीजेयाअर्थमेंसंभोवनो रूपकहेनाम।
सो दोहा नजनकह्योतातैनज्योनज्यो
मणकोवार इत्यजनजातेकह्योमोतें
नज्योगंवार इत्यत्र नज्योअक्लनज्यो
यातैविरोधाभासहै अरूजमकहै
दोहा पतवारीमालापकरिओरनकु
छुउपाय नरिसिंसारपयोधिकोंहरि
नांमेंकरिनाव इत्यत्र रूपकहे दोहा
यहबरियांनहिऔरकीतूकरियाव
हसाधि पाहननाउचढायजिनकी।
नेपारपयोधि इत्यत्र वातोछेकानु
प्रासवरियाकरिया करियामलाहको
नाम काव्यलिंगयोहननामतें दोहा
हरिजनतप्रभुपीछेहैगुनविस्तारन
काल प्रगटसुनिरगुनतिकटरहिबं

गसंगनृपाल इत्यत्र प्रथम नजनपीवि
देतहांसुतोउतैपीवहैसंग उत्तर पीव
देनकोअर्थयहरहतनविजप्रभुसंग
वार्ता कोऊकहैगुननतेउडावनहार
विस्तारतहै कहुवंगगुननतोहीविस्ता
रतहै तनोकहियेगोवंगहीकोकहि
यतहै जैसेराजतोईस्वरदेतहैपररा
जाराजाहीकोकहियतहै तेसेगुनवि
स्तारनकालचंगहीकोसमुझियै अर्थ
पांचप्रकार दोहा चंगअर्थेपुनिरंग
कोअरथअवरनृपाल चंगोरंगसुवं
गअरूनुवमधिपालरसाल वंगकेप
ष प्रभुसुखदायकचंगवृहजवगुन
जुतअधिकाय तबसुहरिआजनरहत
निकटहिंनिगुननाय रंगकेपक्ष रंग

काकेरंगवहतबलौंनादनिमांहि जब
लौंगुनमैंप्रविसनहि गुनजुत कैफुंनिजां
हि नृपालपक्ष गुरुसाधकनिप्रजुपरा
लगैंरहैविपतिकेमांहि संपतिपायैं मि
लतनहिंराजसमधलषांहि वंगपक्ष
वारो वंगरंगकहियेचंद्रान्छाकथी
रसोवंग दोहा वैदजुपनुनिहिंजात
तजिजोसुवंगगुनवांन निगुनहोय
फिरिआवई येदोहियेहप्रमांन बाग
पालकेआंबपक्षआंबकेवैनामप्रसि
द्धहै मालपाल दोहा बागवांनप्रभु
केतिकरजबलौंमकगुंननांहि पाए
गुनभाजतनलैंमोगनिकेयहमांहि
रूपालंकारहै दोहा जातजातवितु
होतहैज्योंजियमेंसंतोष होतहोतजो

होयतौहोयघरीमैंमोष ९६ रूपाव
तारहै दोहा ब्रजबासिनुकेउचितधनु
जोधनरूचितनकोय सुचितनआयो
सुचितईकहाकहांलैंहोय ९७ प
र्यायोक्तिई जीकल्परचनासोंबात दी
नता दोहा नीकीहईअनाकनीफी
कीपरीगुहारि तज्योमनौतारनविर
दबारकबारननारि ९८ हेतुमेदा
है दोहा कौननांमिसहितेविरदअ
वदेषवीमुरारि बीधमोसोंआयकैंगी
धेगीधहितारि ९९ कायलंग प
तिनाईदिटदिषाई दोहा दीरघसास
नलेहउबसुषसांईहिनमूल दईदई ११२
क्योंकरतुहेदईदईसुकबूल १००
जमकहै दोहा बंधनएकादीनकेको

तातौरघुराय तवैतुवैफिरतहौजूठैवि
रदकहाय ७७१ ताकोफिरे दोहा यो
रेईगुनरीझतेविसराईवदवानि तुमर
मकोन्हमनौभएआजिकाल्हिकेदानि
७७२ उत्प्रेक्षालंकार दोहा कवको
टेरतदीनरटहोतनस्यामसहाय तुम
हलागीजगतगुरजगनायकजगवा
य ७७३ प्रश्न वार्ता स्यामजगतगुरु
जगनायकपुनिकहतहै उत्तर परिकु
रीकुरतैनामसातिप्रायहै स्यामघनदा
ताहौ अपनदीदेत अरुजोकछुकर
मीहैतौजगपतिहौतुम्हारेकदाकर्मौ
अरुजोदांनदैवोहीभूलेहोतौतुमज
गतगुरुजोसिष्यादैसोआपनभूलै
उत्प्रेक्षाहै मनौतुम्हैंकलगीयारीति

दोहा प्रगटभएद्विजराजकुलसुवस
वसेव्रजआय मेरेहरजकलेससवके
तोकेसौराय ७७४ वार्ता स्लेषअर्थ
केसोपिताअरुहरिकेसवराय वेद्वि
जकुलवंसकुलप्रगटेअर्थजताय
स्लेषालंकार दोहा कीजेचितसोईत
रेजिहिपतितनिकेसाथ मेरेगुनअौगु
नगननिगनौंनगोपीनाथ ७७५ वार्ता
दीपकगणैंपदद्वैदोरलग्यो अौगुनगु
नको सोरठा मोकलदीजेमोय अौग्र
नेकग्रंथमनिरत्नो जौबांधैहीतोष
तौबांधोअपनेगुननि ७७६ [illegible]
नरूपमैं दोहा कोऊकोरिकसंग्रहो
कोऊलाखहजार मोसंपतिजदुपतिस
दाविपतिविदारनहार ७७७ प्रश्न

प्रथमकोरिकहिलयसहँससदनिसउ
ऊंकमजांनि उत्तर तहांसुलायहजार
कोअर्थकोटिदसमांनि वार्ता औरव
तुरूपीसंपतिमेंयहअधिकाईहै अरु
संपतिनहिबिपतिकोंसदाबिदारति
जांनि रोगहजनानहिनसनप्रभुसम
र्थसुषदानि बितरेकालंकार दोहा
जैंकहैत्योंहोऊगोहोहरिअपनीवा
ल हवनकरोअतिकविनहैमोतारिवो
गुपाल १८८ वार्ता यातेंहोहवनहीक
रतनुमसोंतारनेकोक्योंकितारिवोक
विनहै निषेधाभासहैऊपरतेंनि
षेध जहांहोयमनमेंचाहसोंआछेपा
लंकारहै कलंकरूपावहवनकरोअ
सेहेतहांप्रभुकोंहकअसंभवहै प्रभुचा

हैसोईछिनमेंहोय उत्तर कविउक्ति पो
वईनपुत्रकेवचनमोकोंतारिनेकोहठ
मतकरो मिलमेंनकेसोछुएतेंउनिजाउ
गोमाकोंहाथसोछुयातेंचोतेउनगयो सोप्र
भुतारिवेकोंउनायोनाहीं रेजकीछिया
कोंउमयाहोसोकरी दोहा करोकुवेत
जमकुटिलता तजोंनदीनदयाल दुषी
हैहेंकोमसरलहियबसततिभंगीलाल
३८९ अपमवार्ता यहकुटिलताराष्योवा
हतुहैतनदोकुटिलविषयसबरनावे अरु
दीनदयालसबोधनहै तोदीनहोयसो
सोहैयरसोकुटिलहै सोकुटिलस्याल
प्रभुकोनावमहीं अरुकुटिलदीनकेसे
उत्तरकुविजानेबचन मेरीकुटिलताको 169
निवाहगकरो तुमदीनदयालहो तुम
कोमैतजोंनाहीं तहांअंगहीनकोंदीनता

नियै यहकाकोकिलो कहतिहै सरल हि
यदोमोपसदै अरुमैंकुटिलतुम त्रिभंगी
मेरे बसत कदाकुघाहोइगो अलंकारसमा
जथाजोग्पकोसंग अरुकाकोकिहै का
अलिंगकुटिलताकों द्दट कियो दोहा मो
हितुमैं बाटी बहसि कोजीतिजड्राज अ
पने अपने निरदकी डहूं निबाहतला।
ज ३१० विरोधाभास दोहा निजकर
नीसकुचे हिकत सकुचावत इहबाल
मोक्तसे अति बिमुषसों सनमुषरहि मो
पाल ३११ वार्ता अनयुनअरोदपरिकु
रंकुरकोसंकर सकुचे पैसकुचबदा
बोयहअनगुन गोपाल सामिप्राय प्रि
थ्वीपाल हो यहपरिकरांकुरहै दोहा
तो अनेकओगुन नरहि चाहै याहि बला
य जोपतिसंपतिमकबिना जडपति ताषैजा